RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp. 02 October, 2023

अंक – 04 (मासिक) वर्ष – 19 अक्टूबर, 2023 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

वरिष्ठजन विशेषांक

हमारी धरोहर

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2023
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-04 अक्टूबर 2023 वर्ष-19

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
भागीरथ भूतड़ा, सूरत

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300
Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

समाज के समस्त वरिष्ठजनों का हार्दिक अभिनंदन प्रणाम एवं मंगलकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

विचार क्रान्ति

महाभारत में महादेवी दुर्गा

देवी दुर्गा दुष्टों तथा दुर्गति का नाश करने वाली महादेवी हैं। शास्त्रों में वे शक्तिस्वरूपा और शक्तिप्रदात्री हैं। बंगाली रामकथा परम्परा में रावण पर विजय से पूर्व श्रीराम ने दुर्गा की आराधना कर उनकी कृपा से विजय का वरण किया था। महाभारत में अर्जुन को महारण में दुर्गा की कृपा से ही विजय प्राप्त हुई थी।

लोक में यह अल्पज्ञात तथ्य है कि महाभारत कथा में विश्वप्रसिद्ध गीतोपदेश के ठीक पूर्व दुर्गा स्तुति है। भीष्मपर्व का 23 वाँ प्रमाण है कि कुरुक्षेत्र की रणभूमि में जब भगवान श्रीकृष्ण सारथी बन अर्जुन के रथ को शत्रुसेना के सम्मुख लाए तब उन्होंने अर्जुन से कहा, 'महाबाहो! अब तुम युद्ध के सम्मुख खड़े हो। पवित्र होकर शत्रुओं की पराजय के लिए देवी दुर्गा की स्तुति करो।

महत्वपूर्ण है कि महाभारत में अनेक स्थानों पर श्रीकृष्ण की वंदना करते हुए उन्होंने सम्पूर्ण सृष्टि का कर्त्ता और काल का शासक तक बताया गया है। दुर्गा स्तुति के ठीक बाद अर्जुन को दिए गीतोपदेश में अपने विराट रूप का दर्शन कराते हुए श्रीकृष्ण ने स्वयं को 'रूद्राणां शंकरश्चास्मि' तक कहा है। एकादश रूद्रों में शंकर होते हुए भी श्रीकृष्ण अर्जुन को दुर्गा स्तुति की आज्ञा देते हैं। इसलिए कि दुर्गा की कृपा के बगैर स्वयं शंकर तक के लिए 'शक्ति' असम्भव मानी गई है।

श्रीकृष्ण की आज्ञा पर अर्जुन ने कुल 13 श्लोकों में देवी की स्तुति की। एक श्लोक में अर्जुन ने गाया, 'अट्टशूलप्रहरणे खड्गखेटकधारिणि। गोपेन्द्रस्नायुजे ज्येष्ठे नन्दगोपकुलोद्भवे।।' अर्थात् तुम भयंकर त्रिशूल, खड्ग और खेटक आदि आयुधों को धारण करती हो। नन्दगोप के वंश में तुमने अवतार लिया था। इसलिए गोपेश्वर श्रीकृष्ण की तुम छोटी बहन हो परन्तु गुण और प्रभाव में सर्वश्रेष्ठ हो।

कथा कहती है अर्जुन के भक्तिभाव से प्रसन्न होकर मनुष्यों पर सदैव वात्सल्य रखने वाली माँ दुर्गा प्रकट हुई और अर्जुन को विजय का वरदान प्रदान किया। परिणाम में अर्जुन विजयी हुए।

साधो! इस कथा में दो शब्द कीमती है। एक अर्जुन का 'पवित्र व भक्तिभाव' तथा देवी का 'माँ होकर वर देना'। आशय है माँ सदा देने में समर्थ और तत्पर होती है मगर पाने के लिए स्वयं का पवित्र व भक्ति से समर्पित होना अनिवार्य है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

अनुभव की पाठशाला

वर्तमान में महालया श्राद्ध पक्ष चल रहा है अर्थात् पितृ श्राद्ध पक्ष। शास्त्रोक्त मत है कि इस श्राद्ध पक्ष में किया गया पितृ तर्पण व श्राद्ध समस्त मनोकामनाओं को पूर्ण करता है। कारण यह है कि इस पक्ष में दिवंगत पितृ अपने परिवारजनों के यहाँ आते हैं और उनके द्वारा किये जाने वाले श्राद्ध से प्राप्त कव्य से तृप्त होकर प्रसन्न हो आशीर्वाद देते हुए पुनः पितृ लोक को गमन कर जाते हैं। इस तरह प्राप्त पितृ आशीर्वाद हमारे सौभाग्य का कारण बनते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में 16 श्राद्ध को अत्यधिक महत्ता प्रदान की गई है।

वास्तव में देखा जाऐ तो श्राद्ध अपने पितरों के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का पर्व है। इसकी पूर्णता तब तक नहीं हो सकती जब तक हम दिवंगत के साथ ही साक्षात् आशीर्वाद देने वाले अपने माता - पिता व वरिष्ठ जनों के प्रति भी श्रद्धावनत न हो जाऐं। याद रखें श्राद्ध पक्ष के पश्चात ही शक्ति उपासना का पर्व आता है। शक्ति उपासना अर्थात् सफलता के लिये की जाने वाली तैयारी। तो इन सबका अर्थ यही है कि बिना श्राद्ध अर्थात् अपने वरिष्ठजनों के प्रति श्रद्धावान हुए शक्ति की उपासना सम्भव नहीं। इसके लिये उनके आशीर्वाद व मार्गदर्शन की नितांत आवश्यकता होती है। लेकिन यह दुर्भाग्य ही कहा जाऐगा कि वर्तमान दौर में युवा पीढ़ी अपने वरिष्ठजनों के इस महत्व को भूलती जा रही है, जबकि वे तो संस्कारों के साथ ही एक ऐसी अनुभव की पाठशाला हैं, जो सदैव हमें मार्गदर्शन प्रदान करने के लिये तत्पर रहते हैं। हमें आवश्यकता है तो बस इस पाठशाला के शुल्क के रूप में श्रद्धा अर्पित करने मात्र की। याद रखें युवा शक्ति व वरिष्ठों का साथ दोनों का संगम मणिकांचन योग बनाता है, जिसके सामने सफलता भी नतमस्तक हुए बिना नहीं रह सकती।

समयानुसार वरिष्ठजनों को भी अपनी सोच में परिवर्तन करना होगा। सबसे पहले तो अपने आपको सिर्फ परम्परावादी बनाये रखने के दायरे से बाहर लायें और समय के साथ चलने का प्रयास करें। याद रखेंगे यदि सोच नहीं बदलेंगे तो युवा पीढ़ी और वरिष्ठों के बीच की वैचारिक खाई को कभी पाटा नहीं जा सकता। जब हम ऐसा कर पाऐंगे तो ही युवा वर्ग हमारे निकट रहकर हमारे अनुभवों को ग्रहण करने की चेष्टा करेगा। इसके साथ ही इस सोच से भी बाहर निकलें कि "अब तो उम्र हो गई अब क्या?"। याद रखें सीखने की कोई उम्र नहीं होती और सतत नई तकनीक सीखने की कोशिश करते रहें जिससे उपयोगिता बनी रहे।

श्री माहेश्वरी टाईम्स ने श्राद्धपक्ष की इस पावन बेला में इस अंक को "वरिष्ठजन विशेषांक" के रूप में प्रस्तुत कर समाज के ऐसे ही वरिष्ठजनों के प्रति श्रद्धावनत होने का एक प्रयास किया है। वैसे तो समाज के सभी वरिष्ठजन समाज की ऐसी अमूल्य निधि हैं, जिनसे यह समाज समृद्ध महसूस करता है। फिर भी हमने प्रेरणा स्वरूप ऐसे कुछ वरिष्ठजनों के कृतित्व व व्यक्तित्व को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है, जो अपने जीवन के इस उत्तरायन में भी युवाओं की तरह पूरे जोश व होश के साथ समाज ही नहीं बल्कि मानवता की सेवा करने का प्रयास भी कर रहे हैं। निश्चय ही ऐसे व्यक्तित्व समाज के उन वरिष्ठजनों के लिये प्रेरक सिद्ध होंगे, जिन्होंने उम्र के सामने घुटने टेक दिये। साथ ही ये युवा पीढ़ी के लिये भी मार्गदर्शक सिद्ध होंगे। ये व्यक्तित्व इस बात का प्रमाण है कि यदि मन में जोश हो तो देश हो या समाज किसी भी क्षेत्र में कुछ भी करने में उम्र कभी बाधक नहीं बन सकती।

यह वरिष्ठ विशेषांक काफी परिश्रम से अनुकरणीय समाज के वरिष्ठजनों के व्यक्तित्व तथा विभिन्न स्तम्भों के साथ एक संग्रहणीय अंक की तरह तैयार किया गया है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह आपको अवश्य ही पसंद आयेगा। अपनी अमूल्य प्रतिक्रिया से अवगत करवाना न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

समर्पित समाजसेवी व समाज चिंतक के रूप में अपनी पहचान रखने वाले सूरत निवासी भागीरथ भूतड़ा श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की निर्विरोध निर्वाचन की श्रृंखला में प्रचार मंत्री निर्वाचित होकर अपनी समर्पित सेवा दे रहे हैं। 1 मई 1957 को गिराजसर-बीकानेर (राज.) में स्व. श्री शिवनारायण भूतड़ा के यहाँ जन्में भागीरथ भूतड़ा वर्तमान में सूरत के मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट, रिंग रोड में कार्यरत हैं। व्यावसायिक रूप से आप रीयल इस्टेट व्यवसाय से सम्बद्ध हैं। वर्तमान में आप अपनी अधिकांश व्यावसायिक जिम्मेदारियाँ पुत्रों को सौंपकर समाज की सेवा को ही समर्पित हो चुके हैं। समाजसेवा के क्षेत्र में श्री भूतड़ा बाबा रामदेव भक्त मंडल मगरा क्षेत्र सूरत के 18 साल से अधिक समय से अध्यक्ष हैं। अध्यक्ष-मगरा माहेश्वरी समाज-सूरत व मंत्री माहेश्वरी मित्र मंडल, सूरत के रूप में सेवा दे चुके हैं। कोषाध्यक्ष- माहेश्वरी पब्लिक स्कूल-लाडवी (सूरत), ट्रस्टी - माहेश्वरी सेवा सदन - सूरत, पूर्व प्रबंधकारिणी सदस्य-माहेश्वरी भवन समिति - सूरत जैसे पदों सहित सूरत माहेश्वरी समाज की प्रायः सभी संस्थाओं से सक्रिय रुप से पिछले 35-36 सालों से जुड़े होकर सक्रिय सेवा दे रहे है। भगवान श्री राम की जन्मस्थली विश्व प्रख्यात अयोध्या नगरी में अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर की एक और शाखा का विशाल भव्य भवन बनाने के लिए सम्पूर्ण पदाधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रयास -रत है।

युवाओं का जोश व बुजुर्गों का होश दोनों जरूरी

हम आज गर्व से कहते हैं कि हम उस माहेश्वरी समाज के सदस्य हैं, जो देश में व्यवसाय व समाजसेवा में सबसे आगे हैं। वास्तव में यह आज की स्थिति नहीं बल्कि बीती कई सदियों से स्थिति रही है। इसका कारण हैं, वे संस्कार व मार्गदर्शन जो हमें हमारे बुजुर्गों से हमेशा मिलते रहे। पूर्व में जब पैतृक व्यवसायों का चलन था तब तो व्यवसाय के सभी गुर बुजुर्ग ही अपनी भावी पीढ़ी को सिखाते थे। इस तरह उनके मार्गदर्शन के पश्चात युवा पीढ़ी अपने जोश से उस व्यवसाय या सेवा गतिविधि को शिखर की ऊँचाई प्रदान कर देती थी। इसमें भी बुजूर्गों का मार्गदर्शन प्रारम्भ में ही समाप्त नहीं होता था, बल्कि वे हर कदम पर मार्गदर्शक भी बने रहते थे। आखिर उनके पास वर्षों का अनुभव जो था। अनुभव कई ठोकरों के बाद प्राप्त होता है और हमारे युवाओं को यह अपने बुजूर्गों से मार्गदर्शन के रूप में बिना कोई ठोकर लगे आसानी से प्राप्त हो जाता था। इससे वे अपनी पूर्ण ऊर्जा का उपयोग व्यवसाय वृद्धि में करते चले गये।

कालचक्र घुमा और आधुनिक दौर की शुरुआत हो गई। इस दौर में सतत् रूप से हर पल व्यवसाय के तौर तरीके तो बदले ही, साथ ही उसमें नयी-नयी तकनीकों का उपयोग भी होने लगा। समय की आवश्यकता को देखते हुए शिक्षा में भी परिवर्तन हुआ और वह नयी तकनीक तथा नये व्यवसाय प्रबंधन जैसे विषयों पर भी केन्द्रीत हो गयी। इससे आज के उच्च शिक्षित युवा वर्ग को अपने बुजूर्गों का अनुभव पुरातन कालीन व निरूपयोगी लगने लगा। उन्हें लगता है कि वे स्वयं अपने बुजूर्गों से अधिक ज्ञान रखते हैं। बस इसी सोच से बुजूर्गों की उपेक्षा की शुरुआत होती चली गई। आज युवा पीढ़ी के पास अपने बुजूर्ग माता-पिता के लिये न तो समय है और न ही वे उनके ज्ञान को महत्वपूर्ण समझते हैं। जबकि आज भी कहीं न कहीं उनका छोटा सा अनुभव भी हमारे लिये बहुत बड़ा काम कर सकता है।

याद रखें आज हम जो कुछ भी हैं, हमारे माता-पिता के साथ तथा कर्तव्य व संस्कारों की ही देन है। सनातन संस्कारों की देन ''हमारे बुजुर्ग'' वन्दनीय पूज्यनीय ही नही, भगवान तुल्य हैं। मगर इस कलयुग ने हमारे बच्चों को पढ़ाई से लेकर कॅरियर बनाने में इतना व्यस्त कर दिया है कि अपने माता-पिता को समय देने के लिए उसके पास समय ही नहीं है और वो आसमानों की ऊंचाई छुने और चन्द्रमा पर घर बनाकर रहने का सपना सजाने वाला युवक पृथ्वी पर संस्कारों के साथ पुरानी सामाजिक परम्पराओं को भुलता जा रहा है और कहता है कि सीनियर सीटीजन संगठन होना चाहिये। घर में ही दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहन, बेटा पोतों के साथ रहकर संस्कारों का, बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ लें तो वो अकेले नही रहते और युवाओं का जोश, बुजुर्गों का होश साथ मिल जाये तो मनुष्य क्षितिज को भी नाप सकता है।

निश्चित रूप से कह सकते हैं संगठन में शक्ति है, मगर परिवार संगठित नहीं है तो समाज और देश कहाँ से संगठित होगा? गाँव छोड़कर बड़े-बड़े शहरों में व्यस्त रहने की वजह से, संस्कारों व परम्पराओं को छोड़ते जाने से वृद्धाश्रम और वरिष्ठ संगठनों आदि की जरूरत पड़ने लगी है। समय के तकादे पर फिर भी यह कुछ हद तक सही है जिससे बुजुर्ग भी अपना समय और सार्थकता कहीं न कहीं व्यक्त कर सकें।

भागीरथ भूतड़ा, सूरत 9374717291
अतिथि सम्पादक

श्री श्यामगढ़ माताजी (सायन माताजी)

■ टीम SMT

श्री श्यामगढ़ माताजी माहेश्वरी समाज की लोहिया खाँप की कुलदेवी हैं। अन्य जातियों के लोगों की भी माताजी में अपार श्रद्धा है। मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र में श्री श्यामगढ़ माताजी को 'सामला व सायन माता' के नाम से भी जानते हैं।

श्री श्यामगढ़ माताजी का मंदिर राजस्थान में अजमेर जिले की मसूदा तहसील में ब्यावरा शहर के समीप श्यामगढ़ गाँव में स्थित है। मंदिर अतिप्राचीन है जिसका वर्तमान स्वरूप पुनर्निमित है। श्यामगढ़ बहुत पुराना गाँव है, यहाँ एक बहुत पुराना किला भी स्थित है जिसके कारण ही इस गाँव के नाम के साथ 'गढ़' शब्द जुड़ा हुआ है।

पुरातात्विक महत्व

ग्राम श्यामगढ़ में स्थित किला कितने वर्ष पुराना है, इसकी जानकारी तो स्थानीय स्तर पर नहीं है। लेकिन उसके बारे में कई किवदंतियाँ अवश्य प्रचलित हैं। कहते हैं कि इस किले में एक बहुत लम्बी गुफा (सुरंग) स्थित है जो यहाँ से पुष्कर तीर्थ पर निकलती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पुलिस से बचने के लिये नेताजी सुभाषचंद्र बोस भी अपने साथियों के साथ यहाँ आकर ठहरे थे।

क्षेत्रीय आस्था

बताया जाता है कि श्री श्यामगढ़ माता मंदिर में हर शनिवार को एक महिला गीतादेवी को 'ईष्ट' आती हैं। वह इसी मंदिर में रहकर यहाँ माताजी की सेवा करती है। पहलें इनकी माता को 'ईष्ट' था। इस दिन दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। श्री श्यामगढ़ माताजी के प्रति श्रद्धालुओं में इतनी श्रद्धा हैं कि देश के कई भागों से श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर यहाँ आते हैं। नवरात्रि में भी यहाँ मेला लगता है।

कैसे पहुँचें

अजमेर जिले की मसूदा तहसील के 55 कि.मी. दूर स्थित कस्बे ब्यावरा से सड़क मार्ग से 19 किलोमीटर दूर अंधेरी देवरी स्थित है। यहाँ से तिराहा गाँव चौराहा 7 कि.मी. की दूरी पर है। इस से बायीं ओर से जाने वाले मार्ग से 12 कि.मी. की दूरी पर ग्राम श्यामगढ़ है जहाँ माताजी का मंदिर स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिये बस व जीप उपलब्ध हो जाती हैं।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र की बैठक सम्पन्न

अब मिलेगी 3 की जगह 5 लाख की आर्थिक सहायता

चेन्नई। श्री आदित्य विक्रम बिरला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र सदस्यों की 24 वीं वार्षिक साधारण सभा गत 2 सितम्बर को केन्द्र कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी की अध्यक्षता में सायं 3 बजे केन्द्र कार्यालय में सम्पन्न हुई। गत वार्षिक साधारण सभा के बाद दिवंगत हुए सदस्यों को 2 मिनिट की मौन श्रद्धांजली दी गई। बैठक में देश के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक सदस्यगण उपस्थित हुए। केन्द्र अर्थमंत्री आनन्द राठी, कार्यकारी मंत्री नवलकिशोर राठी के साथ मेनेजिंग कमेटी एवं सहायक समितियों के अनेक सदस्य भी उपस्थित हुए।

कार्याध्यक्ष श्री राठी ने उपस्थित सभी सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए केन्द्र योजना के प्रति उनकी आस्था एवं लगन के लिए हृदय से धन्यवाद दिया। आपने योजना की सार्थकता एवं उपयुक्तता के विषय में विचार व्यक्त किये। आपने बढती हुई महँगाई एवं व्यवसाय के नये-नये अवसरों को ध्यान में रखते हुए ऋण सहायता की अधिकतम सीमा को रू. 3 लाख से बढाकर रू. 5 लाख करने की घोषणा की। बकाया राशि पर चिन्ता व्यक्त करते हुए वसूली हेतु सभी से इस हेतु सहयोग करने के लिए निवेदन किया। केन्द्र मंत्री कस्तुरचन्द बाहेती की अनुपस्थिति में नवलकिशोर राठी ने गत बैठक की कार्यवाही प्रस्तुत की जिसे सर्वसम्मकत से स्वीकृत किया गया।

इस वर्ष 10 करोड़ ऋण का लक्ष्य

अर्थमंत्री आनन्द राठी ने वर्ष 2022-23 का आर्थिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। इस वर्ष 15 अगस्त को केन्द्र ने 25 वे वर्ष में प्रवेश कर लिया है और यह वर्ष रजत जयंती वर्ष के रूप में मनाया जावेगा। श्री राठी ने विश्वास व्यक्त किया कि रजत जयंती वर्ष में केन्द्र नये आयाम स्थापित करेगा। केन्द्र ने इस वर्ष विशेष कार्यक्रम हाथ में लिये हैं जैसे - ऋण सहायता वितरण का लक्ष्य रू. 10 करोड़ पूर्ण करना, भीलवाडा - जोधपुर- औरंगाबाद- नागपुर आदि में योजना से लाभांवित हितगाही बन्धुओं को आमंत्रित कर व्यवसाय शिविरों का आयोजन करना, नये-नये व्यवसायों की जानकारी, व्यवसाय बाजार आदि आयोजित करने का निर्णय लिया गया। श्री राठी ने पद्मश्री बंशीलाल राठी एवं उनके परिवार सदस्यों को अपने कार्यालय के तीसरे माला में करीब 1000 वर्ष फुट जगह प्रदान कर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त केन्द्र कार्यालय का निर्माण करवाकर समर्पित किया।

मात्र 7 दिवस में ऋण वितरण

नवलकिशोर राठी ने केन्द्र गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि योजना का कार्य बहुत ही सुचारू रूप से अग्रसर हो रहा है। केन्द्र को प्राप्त आवेदन पत्रों की सूक्ष्मता से जांचकर तुरन्त स्वीकृत कर 7 दिनों के भीतर ऋण सहायता राशि हितग्राही बन्धु के खाते में ट्रांसफर कर दी जाती है। विभिन्न प्रदेशों के हितग्राही बन्धुओं में केन्द्र की बकाया राशि करीब रू. 5 करोड़ है जिसकी वसूली हेतु सभी के प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। केन्द्र द्वारा भी हितग्राही बन्धुओं से सम्पर्क एवं भ्रमण कार्यक्रम के माध्यम से बकाया राशि वसूली का कार्य किया जा रहा है। आपने उपस्थित सदस्यों से निवेदन किया कि योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार आवश्यक है ताकि ज्यादा से ज्यादा बन्धुओं को योजना का लाभ मिल सके। छगनलाल मुंदडा (रायपुर), किशोर बाहेती (मलकापुर), रामबिलास सोनी एवं वीरेन्द्र सोनी (औरंगाबाद), जयराम भूतडा (लातूर), महावीर प्रसाद मर्दा, गौरीशंकर राठी, अशोक मुंदडा, कृष्णकुमार बाहेती चेन्नई आदि ने केन्द्र योजना की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। छगनलाल मुंदडा (रायपुर) ने केन्द्र की मेनेजिंग कमेटी बैठक रायपुर में करने हेतु निवेदन किया। केन्द्र सदस्य राजकुमार मानधना ने बैठक के अन्त में आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के बाद सभा अध्यक्ष की अनुमति से बैठक का समापन किया गया।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला सम्पन्न

इंदौर। पश्चिम मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यशाला-'दक्षता' का आयोजन गत 21 सितंबर को किया गया। प्रदेश अध्यक्ष उषा सोड़ानी ने स्वागत उद्बोधन के साथ कार्यक्रम की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में प्रदेश के सभी 16 जिलों से 100 महिलाओं ने भाग लिया। प्रदेश सचिव शोभा माहेश्वरी द्वारा मुख्य वक्ता व कार्यक्रम की सूत्रधार अष्टसिद्धा समिति प्रभारी डॉ. नम्रता बियानी का परिचय दिया गया। इस कार्यशाला में जिले के अध्यक्ष, मंत्री तथा कोषाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा द्वारा अध्यक्ष की भूमिका क्या होनी चाहिए? सुशीला काबरा द्वारा सचिव पद के उत्तरदायित्व और कार्य, ललिता मालपानी द्वारा कोषाध्यक्ष के कार्य व दायित्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि डॉ. जवाहर बियानी द्वारा टीमवर्क और रश्मि गुप्ता द्वारा कम्युनिकेशन पर पीपीटी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शिक्षिका अंजना जाजू का भी सम्मान किया गया। प्रदेश द्वारा अभी तक प्रदेश स्तर पर आयोजित कार्यक्रम व प्रतियोगिता के पुरस्कारों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष वीणा सोमानी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुणा बाहेती, निर्मला बाहेती, सभी प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, प्रदेश समिति संयोजिका व आयोजक संस्था इंदौर जिला पदाधिकारी तथा प्रदेश सभा अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश संयुक्तमंत्री किरण लखोटिया ने किया। आभार प्रदेश संगठन मंत्री प्रमिला भूतड़ा ने माना।

कराते में माहेश्वरी प्रतिभा

रांची (झारखंड)। खेल गांव में राष्ट्रीय स्तर पर तीन दिवसीय कराते प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में गुमला माहेश्वरी समाज के 4 बच्चों ने गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रांच मेडल जीते। इसमें यश्वी साबू (5)- गोल्ड मेडल, वर्तिका मंत्री (5)-सिल्वर मेडल अक्षायनी मंत्री (12)-सिल्वर मेडल, आशी साबू (7)-ब्रांच मेडल गुमला शामिल हैं। महिला समिति अध्यक्षा -शकुन्तला मंत्री एवं सचिव -सरिता साबू गुमला ने सभी बच्चों का सम्मान किया।

समय पर हो विवाह - श्री काल्या

मालपुरा। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा और महिला व युवा संगठन के मालपुरा में आयोजित संयुक्त अधिवेशन में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अर्थमंत्री राजकुमार काल्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इसमें उन्होंने समाज में व्याप्त समस्याओं यथा सगाई पश्चात संबंधों का छूटना, विवाह उपरांत तलाक की समस्या तथा समाज की घटती जनसंख्या जैसी अनेक समस्याओं का एकमात्र निराकरण समाज के युवक और युवतियों का समय पर विवाह होना बताया और युवतियों का 21 वर्ष की आयु में और युवाओं का 23 वर्ष की आयु में विवाह हो जाए, इस बात पर जोर दिया। महासभा के संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल) रमाकांत बाल्दी, मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष गोपीकिशन बंग, सचिन एस डी बाहेती, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य विजयशंकर मुंदड़ा, रमेशचंद्र छापरवाल सहित अनेक अतिथिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर कोरोना से मालपुरा के एक परिवार के माता-पिता की मृत्यु के बाद उनके छोटे-छोटे तीन बच्चों के लिए मकान हेतु सदन में उपस्थित सभी बंधुओ से आर्थिक सहयोग हेतु आग्रह किया गया तो तुरंत ही मकान के लिए आवश्यक सहयोग के लिए स्वीकृति प्राप्त हो गई।

सावन सिंजारा का आयोजन

रांची। वरिष्ठ महिलाओं के मंच चौपाल के अंतर्गत श्रावण सिंजारा का आयोजन किया गया। इसमें 50 महिलाओं ने प्रारंभ में सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया, तत्पश्चात सावन से संबंधित फन गेम्स, हाउजी, मारवाड़ी गीतों में घूमर का आनंद लेते हुए मस्ती भरी शाम का सभी ने आंनद लिया। झूले का मज़ा लेते हुए सभी ने खूब तस्वीरें भी ली। अंत में जलपान की भी व्यवस्था रखी गई थी। इस सिंजारा में इंदु, कविता, किरण, सुमन साबू, कृष्णा काबरा, ममता बांगर, सुमन चितलांगिया, संगीत चितलांगिया, रेनू फलोर, विजयश्री साबू, कुमुद लखोटिया आदि शामिल थीं।।

आजकल के रिश्तों के लिए सबसे खतरनाक वह लोग हैं जो अपनों के खिलाफ कानों में जहर घोलते हैं।

सेवा सदन की बैठक में समाज सुधार पर विशेष चर्चा

विवाह–समारोह से पूर्व प्री-वेडिंग शूटिंग पर रोक एवं जरूरतमंद के लिये विशेष कार्य करने का प्रस्ताव

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के वर्तमान सत्र की प्रबन्धकारिणी समिति की 7वीं बैठक का शुभारम्भ गत 09 सितम्बर को पूर्व निर्धारित समयानुसार 3.00 बजे हुआ। बैठक के प्रारम्भ में सेवा सदन अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सेवा-सदन के कार्यों को और विस्तार देते हुए सामाजिक सुधारों पर जोर दिया। उन्होंने पूरे भारत में सेवा–सदन से सम्बन्धित जो भवन कार्य कर रहे है,उनके समयानुकूल विकास की ओर विशेष ध्यान देने हेतु प्रबन्धकारिणी समिति के सभी सदस्यों से आह्वान किया। इसी के साथ सेवा-सदन के कार्यों के प्रचार-प्रसार हेतु एक ई-पत्रिका एवं पत्रिका प्रकाशन का प्रस्ताव रखा ताकि सोशल मीडिया के माध्यम से समाजबन्धुओं को सामाजिक क्रिया-कलापों की तुरन्त जानकारी मिल सके।

माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अर्थमंत्री राजकुमार काल्या, गुलाबपुरा एवं सुनिता रांदड़ मकराना ने अध्यक्ष के प्रस्तावों पर सहमति प्रकट करते हुए प्री-वेडिंग शुटिंग को समाज के लिये घातक बताया एवं इस पर तुरन्त प्रभाव से सामाजिक रोक लगाने पर अपने विचार प्रकट किये। इस हेतु प्रबन्धकारिणी समिति के उपस्थित सदस्यों द्वारा बैठक में यह शपथ ली गई कि वे अपने पारिवारिक विवाह समारोह में प्री-वेडिंग शूट नहीं करवायेंगे एवं ऐसे विवाह समारोह में नहीं जायेंगे जहाँ प्री-वेडिंग शूटिंग का प्रदर्शन होगा। सामाजिक समस्याओं पर चिन्तन के विषय में रमाकान्त बाल्दी अजमेर, गजानन्द राठी सूरत, ओमप्रकाश तापड़िया दिल्ली, कमलकिशोर चांडक जोधपुर, अशोक बाहेती इचलकरंजी, मोहनलाल देवपुरा उदयपुर, रामेश्वरलाल भूतड़ा नौखा, राजेश लोहिया, चन्द्रप्रकाश बिड़ला, पूसाराम कोठारी मेड़तासिटी, रमेशचन्द कांकाणी जायल आदि ने भी अपने-अपने विचार प्रकट किये। सेवा–सदन की गतिविधियों एवं समाजबन्धुओं के समाज - हितार्थ विचारों के त्वरित प्रसारण हेतु सेवा-सदन की ओर से एक ई-पत्रिका एवं पत्रिका प्रकाशन का भी निर्णय लिया गया। निर्णयान्तर्गत इस कार्य संपादन हेतु अशोक जैथलिया, अजमेर को संयोजक बनाया गया। समाज की घटती जनसंख्या की समस्या का समाधान कैसे हो? इस विषय पर बैठक में काफी अच्छे सुझाव आये। सुझावों के अनुरूप सेवा सदन द्वारा नव-दम्पत्ति कार्यशाला लगाये जाने का निर्णय लिया गया। इस हेतु एस. डी. बाहेती एवं रमाकांत बाल्दी को जिम्मेदारी सौंपी गई। समाज में टूटते सम्बन्ध, लव जिहाद आदि समस्याओं को देखते हुए समाजबन्धुओं में आवश्यक जागरुकता लाने के उद्देश्य से सेवा सदन द्वारा फैमिली मोटिवेशनल कार्यशाला भी आयोजित किया जाना निश्चित रहा। इस हेतु नीरज मून्दड़ा, जोधपुर को संयोजक बनाया गया।

भवनों के नवीनीकरण पर भी चर्चा

बैठक उपरान्त सायंकाल 7.00 बजे सेवा सदन स्थित शिव मंदिर में भव्य महाकाल की आरती का आयोजन भी रखा गया। मुख्यालय - परिसर में हरिद्वार, नाथद्वारा एवं रामदेवरा भवन की उप-समितियों की बैठकें भी रात्रि 9.00 बजे रखी गई जिनमें भवनों में चल रहे नवीनीकरण कार्यों, करवाये जाने वाले कार्यों सहित भवनों के सुसंचालन हेतु विस्तृत चर्चा एवं निर्णय लिये गये। 10 सितम्बर को प्रातः 10 बजे प्रबन्धकारिणी समिति बैठक का द्वितीय सत्र प्रारम्भ हुआ। बैठक–सूची के विषयानुसार अध्यक्ष एवं महामंत्री ने उपस्थितजन को विस्तृत जानकारियां प्रदान की। समाज के विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन हेतु पूर्व की भांति सेवा-सदन केरियर गाईडेंस शिविर भी लगाये जाने का निर्णय लिया गया। इस हेतु रमाकांत बाल्दी, अजमेर को संयोजक बनाया गया। बच्चों में उच्च–संस्कार स्थापना हेतु बाल-संस्कार शिविर भी आयोजित किया जाना निश्चित रहा। बाल-संस्कार शिविर आयोजन की जिम्मेदारी श्री मंत्री को सौंपी जा रही है। बैठक में अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश सोनी, उपाध्यक्ष प्रहलाद शाह, जयकिशन बल्दुवा, विजयशंकर मूंदड़ा, अनिल बांगड़, महामंत्री रमेशचन्द्र छापरवाल, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल पुंगलिया, मंत्री सोहनलाल मूंदड़ा, मुरलीधर झंवर, भगवान बंग, संजय जैथलिया, किशनगोपाल बंग, प्रचार मंत्री भागीरथ भूतड़ा, कार्यालय मंत्री मधुसुदन मालू सहित महासभा के पदाधिकारी व सेवा सदन सदस्य उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर राजस्थान सभा की बैठक सम्पन्न

लोहार्गल। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की तृतीय कार्यसमिति एवं प्रथम कार्यकारी मण्डल बैठक लोहार्गलधाम में गत 24 सितम्बर 2023 को माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गलधाम में प्रदेशाध्यक्ष जुगलकिशोर सोमाणी, प्रदेश मंत्री राजकुमार धूत एवं महासभा कार्यसमिति सदस्य कैलाश सोनी की देखरेख में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश महिला संगठन की अध्यक्षा पूनम दरगड़, उपाध्यक्षा रजनी माहेश्वरी, मंत्री सुनिता जैथलिया व युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष मनीष जाजू ने अपनी सहभागिता निभाकर समन्वयता से महासभा की कल्याणकारी योजनाओं क्रियान्वित करने का दृढ संकल्प व्यक्त किया। जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र बजाज (जयपुर), मनीष बियानी (सीकर), ओमप्रकाश माहेश्वरी (भरतपुर) व इन सबकी टीम ने प्रदेशसभा के नेतृत्व में सभी योजनाओं को क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया। प्रदेश की तहसील व क्षेत्रीय सभाओं के अध्यक्ष भी विशेष आमंत्रित थे। मुख्य अतिथि लोहार्गलधाम पीठाधीश्वर श्री अवधेशाचार्य जी महाराज ने अपने उद्घाटन प्रवचन में बताया कि आप माहेश्वरी बनने से पहले सूर्यवंशी भगवान् श्रीराम के वंशज क्षत्रीय थे। राजा खड़गलसेन लव-कुश की पीढियों की ही संतति थे। आज भी आप में वही वंशानुगत तत्व विद्यमान हैं। सूर्यनारायण भगवान् के आदेशोपरांत ही भगवान् महेश और माता महेश्वरी के आशीर्वाद से माहेश्वरी कहलाए।

महेश अन्न सेवा का संचालन

जयपुर। समाज के भामाशाहों द्वारा जरूरतमंदों के सेवार्थ श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के नवीनतम प्रयास 'महेश अन्न सेवा' द्वारा गत 29 अगस्त को जे. के. लॉन हास्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर 450 जरूरतमंदों को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, महामंत्री मनोज मूंदड़ा, संगठन मंत्री विमल किशोर सारड़ा व रमेश मणिहार सहित समाज के कई गणमान्यजन मौजूद रहे।

दुनिया की सबसे अच्छी किताब हम स्वयं हैं। खुद को समझ लीजिये सब समस्याओं का समाधान हो जायेगा।

श्रावण मेला सेवा शिविर सम्पन्न

कोलकाता। माहेश्वरी सेवा समिति (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) द्वारा बासुदेवपुर- हरिपाल में संचालित माहेश्वरी सेवा सदन में दो माह व्यापी श्रावण मेला सेवा शिविर का समापन हुआ। अध्यक्षता करते हुए माहेश्वरी सभा के सभापति बुलाकी दास मीमानी ने कहा कि माहेश्वरी सेवा सदन सेवा भाव के साथ अब एक आध्यात्मिक स्थल के रुप में परिणित हो गया है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिनेश सोनी व सभा के उप मंत्री अशोक चाण्डक ने शिविर की सफलता में कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना की। सेवा समिति के उपसभापति दिनेश कुमार बिहानी ने कहा कि समाज से मिला साथ हमारा उत्साहवर्द्धन करता है। सेवा स्थल में स्व. सूरजबाई-सूरजमल सोनी के पौत्र बृज वल्लभ, बालकिशन एवं दिनेश सोनी के सहयोग से विशाल शेड का निर्माण कराया गया तो स्व. श्री कृष्ण कुमार डागा के पिता नरेंद्र डागा ने अतिथि कक्ष के पास शेड के लिए अपना विशेष योगदान दिया। स्व. श्री रामचंद्र- स्व. श्रीमती सूरज देवी सोनी के पुत्र-पुत्रियों ने बगीचे को सुंदरता प्रदान करने की दृष्टि से बौद्धिक मंच का निर्माण कराया। महेश राठी (राठी उद्योग) ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था के नवीनीकरण में अपना सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन समिति के मंत्री अरुण कुमार सोनी ने किया। समिति के उप मंत्री पंचानन भट्टड़, सेवा सदन मंत्री महेश बिन्नानी, समिति के कोष मंत्री आदित्य बिन्नानी, कार्यकारिणी सदस्य किशोर दम्मानी, केशव चांडक आदि सक्रिय रहें। समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का इसमें सहयोग रहा।

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी सभा के सदस्यों ने 15 अगस्त को सामूहिक स्वतन्त्रता दिवस बड़े धूमधाम एंव राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत होकर मनाया। इस अवसर पर माहेश्वरी भवन परिसर में तिरंगा झण्डा फहराया गया। ध्वजारोहण माहेश्वरी सभा के सचिव संतोष मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष दामोदर प्रसाद सोमाणी, वरिष्ठ सदस्य मदन मोहन भुराड़िया, अटल गुप्ता एंव समाज के अन्य सदस्यों की उपस्थिति मे भारत माता के जयघोष के साथ किया गया। ध्वजारोहण के बाद सामूहिक राष्ट्रगान हुआ एवं वरिष्ठ सदस्य रामलाल सोनी ने सभी को बधाई दी। कार्यक्रम का समापन जलपान के साथ किया गया।

श्री विक्रमादित्य पंचांग का हुआ विमोचन

उज्जैन। प्रतिष्ठित ऋषिमुनि प्रकाशन समूह द्वारा गत 26 वर्षों से सतत प्रकाशित श्री विक्रमादित्य पंचांग (कार्तिकादि) के नवीन 27वें संस्करण विक्रम संवत 2080-81 के पंचांग का गत दिवस विमोचन हुआ। इसमें इस बार एक वर्ष के स्थान पर डेढ़ वर्षीय विवाह मुहूर्त दिये गये हैं। यह पंचांग आम पाठकों के बीच ''घर का पंडित'' के रूप में लोकप्रिय है। श्री विक्रमादित्य पंचांग के इस नवीन अंक का विमोचन गत दिनों पूर्व कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय डॉ. बालकृष्ण शर्मा के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर अतिथि के रूप में अक्षरविश्व सम्पादक सुनील जैन, रेडियो दस्तक के निदेशक संदीप कुलश्रेष्ठ, कविश माहेश्वरी (भोपाल), मुनि बाहेती आदि गणमान्यजन उपस्थित थे। अतिथि स्वागत ऋषिमुनि प्रकाशन के प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने किया। इस अवसर पर श्री बाहेती ने पंचांग की विशेषताओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित श्री विक्रमादित्य पंचांग की गणना कार्तिक मास से ग्रहलाघवीय पद्धति से की जाती है। अपनी उत्कृष्ट गणना के कारण यह न सिर्फ मालवांचल बल्कि प्रदेश व देशभर में ज्योतिर्विदों के बीच लोकप्रिय है। इसमें न सिर्फ डेढ़ वर्ष के विवाह मुहूर्त अपितु और भी कई आवश्यक मुहूर्त इसी तरह स्पष्ट किये गये हैं, जिससे आम व्यक्ति भी स्वयं अपने स्तर पर इससे मुहूर्त निकाल सकते हैं। ग्रह, लग्न, तिथि, नक्षत्र आदि समस्त गणनाऐं भी अत्यंत स्पष्ट होने से यह ज्योतिर्विदों के लिये भी उपयोग में अत्यंत सहज है। यही कारण है कि इस पंचांग को 'घर का पंडित' कहा जाता है। हमें विश्वास है कि यह पंचांग न सिर्फ ज्योतिर्विदों बल्कि आम पाठकों की आवश्यकताओं पर भी खरा उतरेगा।

युवा संगठन की कार्यकारिणी गठित

नागपुर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन संस्था की वार्षिक सर्वसाधारण सभा में 3 सितंबर को माहेश्वरी पंचायत भवन-सिताबर्डी में हुआ। इसमें अध्यक्ष विवेक सारडा, सचिव प्रणय डागा, निवर्तमान अध्यक्ष हेमंत राठी, उपाध्यक्ष गोविंद झंवर व रविंद्र चांडक कोषाध्यक्ष यश गोदानी, संगठन मंत्री सी ए श्रीकांत मूंधड़ा, सह सचिव जितेंद्र माहेश्वरी व अक्षय बिसानी, प्रचार मंत्री श्रीनाथ चांडक, खेलकूद मंत्री कृष्णा मांधना, सांस्कृतिक मंत्री पूनम बिंझानी व बधाई संयोजक प्रतीक बिसानी निर्विरोध चुने गए। कार्यसमिति सदस्य में वरुण गांधी, अंकित खेमानी, अंकित मोहता, सुशील मोदानी, कृष्णा सारडा, मुकुल दरक, शुभम भूतड़ा, जय पुगलिया, कुशल मोहता व कार्यकारी मंडल में मुकुंद सारडा, निखिल राठी, लविश दरक, सुप्रीत चांडक की नियुक्ति की गयी। उक्त जानकारी संस्था के प्रचार मंत्री श्रीनाथ चांडक द्वारा दी गई।

सही
जन्म कुण्डली
ही बता सकती है सही
भविष्य

ऋषि मुनि
वैदिक सॉल्युशन्स
90, विद्या नगर, साँवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161 rishimuniprakashan@gmail.com
घर बैठे प्राप्त करें अपनी जन्मकुण्डली

जन्म कुण्डली की सुक्ष्म गणनाओं के लिए विश्वसनीय नाम

भारत के प्रख्यात ज्योतिष विदुषियों द्वारा प्रमाणित सॉफ्टवेयर द्वारा ज्योतिष पत्रिकाओं में अग्रणी

१२ ग्रहों की स्थिति, उनके विवरण, षोड्ष वर्ग, सुदर्शन चक्र, मैत्री चक्र, षडबल एवं भावबल, प्रस्तारक अष्टक वर्ग सारिणी, अष्टक वर्ग सारिणी, विशोंतरी दशा, महादशा, प्रत्यंतर दशा एवं सुक्ष्म दशा सहित, कृष्णमूर्ति पद्धति, ग्रहों के उप स्वामी, ग्रहों की स्थिति लग्नानुसार, वर्षफल, वैदिक ग्रंथों के अनुसार नक्षत्र फल, साढ़े साती विवरण एवं उनके उपाय, रत्न विचार एवं समस्याओं पर उपचार, योग संग्रह, कुण्डली योग का विवरण, परिणाम सहित कुण्डली मिलान।

वन महोत्सव का आयोजन

कोयंबटूर। स्थानीय माहेश्वरी सभा का एक दिवसीय वन महोत्सव गत माह में सिरुवानी रोड, स्थित रिसोर्ट में आयोजित किया गया। इसमें समाज के 100 से ज्यादा सदस्यों ने परिवार सहित भाग लिया। वन महोत्सव की शुरुआत सुबह के चाय-नाश्ते से हुई, तत्पश्चात पूरे दिन सभी ने मस्ती से भरपूर विभिन्न खेलकूद-समूह प्रतियोगिताओं (ग्रुप गेम्स) का आनंद उठाया, साथ में तंबोला भी खेलाया गया। सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन व्यवस्था की गई। शाम के समय हाई टी रखी गई। दिन भर विभिन्न प्रकार के आमोद-प्रमोद कार्यक्रम का लुत्फ लेने के बाद सभी ने संध्या में वापस प्रस्थान किया। आयोजन को सफल बनाने में सभा सचिव संतोष मुंदड़ा, सहसचिव राजेन्द्र भट्टड़, युवा परिषद अध्यक्ष पुरुषोत्तम भुराड़िया, सदस्य शिव मंत्री, सुरेश भट्ट, कुशल केला सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

चारभुजानाथ पदयात्रा सम्पन्न

उज्जैन। सांवेर क्षेत्र के धार्मिक संगठन श्री चारभुजानाथ पैदल यात्री संघ द्वारा उज्जैन से चारभुजानाथ (राजस्थान) तक विगत 21 वर्षों से पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष भी 22वें वर्ष में यात्रा धर्म ध्वजा लेकर उज्जैन से 11 सितम्बर को प्रारंभ हुई जो 24 सितंबर को चारभुजानाथ पहुंची। चारभुजानाथ पैदल यात्री संघ के संयोजक उमेश मालू व सतीश शर्मा ने बताया कि हर साल की तरह सोमवार को प्रातः 8 बजे यात्रियों ने उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन, पूजन, अभिषेक और उसके बाद गोपाल मंदिर में द्वारकाधीश के समापन दर्शन कर सांवेर क्षेत्र के ग्राम मकोड़िया एवं सांवेर के यात्रियों का दल धर्म की ध्वाजाऐं लेकर चारभुजाजी की ओर पैदल कूच कर गया। करीब 13 दिनी प्रभु दर्शन पदयात्रा चारभुजानाथजी के दर्शन पूजन के पश्चात् वहां से दस किमी दूर स्थित भगवान रूपनारायण मंदिर पर धर्म ध्वजा चढ़ाने के साथ हुई। यात्रा में केशरीपुरा के शुभम सोलंकी जिनका इस यात्रा में लगातार नौंवां साल है, के साथ ही रमेशचंद मामा, रमेश शर्मा, मोनू ओस्तवाल, लालसिंह और इंदरसिंह अग्रणी भूमिका में रहे। इस यात्रा में करीब 75 लोग शामिल हुए। इस पदयात्रा के समापन के अवसर पर सुंदरकांड पाठ, हवन तथा यात्रियों के सम्मान व महाप्रसादी का आयोजन भी हुआ। इस 13 दिन की यात्रा में एक श्वान (कुत्ता) भी चला। उसने भी ये यात्रा पूरी की। उक्त जानकारी उज्जैन के उमेश मालू ने दी।

सुपोषित आहार वितरण

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, फरीदाबाद ने गत 21 सितंबर को 'सुपोषित माँ' अभियान कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाते हुए नौंवी 'सुपोषित आहार' की किट वितरित की। कार्यक्रम का संचालन- संयोजक आशु झंवर ने किया। इसमें 150 गर्भवती महिलाओं और 33 टीबी मरीजों को सुपोषित आहार की किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में 150 गर्भवती महिलाएं और 33 टीबी मरीजों के साथ उनके साथ आए उनके परिजनों सहित लगभग 325 लोगों द्वारा सुपोषित आहार ग्रहण किया गया। व्यवस्था देवेश चांडक द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्रवण मिमाणी, धीरज चितलांग्या, सतीश शर्मा, विमल आगीवाल, ललित परवाल, संगीता आगीवाल, पूनम मोहता, बिमला बाहेती आदि का सहयोग रहा। यह योजना मेसर्स किर्लोस्कर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पीतांबरा ग्रेनाइटस प्राइवेट लिमिटेड, ए बी एम इंटरनेशनल लिमिटेड व बागला ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएसआर फंड से प्राप्त धन राशि से क्रियान्वित है।

सामूहिक गोठ के साथ महेश मेला

जयपुर। समाज अध्यक्ष केदार मल भाला ने बताया कि श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर की 57वीं सामूहिक गोठ एवं महेश मेला 17 सितम्बर को अपराह्न 4.00 बजे से विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. बजरंग लाल माहेश्वरी (शारदा), स्वागताध्यक्ष डॉ. के.सी. परवाल, मेला उद्घाटनकर्ता विनोद सोमानी, विशिष्ट अतिथि नरेश अजमेरा तथा विशेष अतिथि डॉ. संजय मालपानी व रामअवतार अजमेरा संरक्षक, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर थे। साथ ही समारोह में ''माहेश्वरी भारत गौरव'' से सत्यनारायण नुवाल, रामकुमार भूतड़ा तथा राजकुमार काल्या एवं ''माहेश्वरी समाज रत्न'' से सत्यनारायण काबरा (मा.न.), सत्यनारायण काबरा (जे.डी.) व सुरेश कालानी को अंलकृत किया गया। विद्याधर नगर स्टेडियम में 12 से 15 हजार माहेश्वरी समाजजन एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महामंत्री मनोज मूंदड़ा कौशल सोनी गोठ संयोजक, शंकरलाल लढ्ढ़ा, गोठ कोषाध्यक्ष एवं शेयर होल्डर संयोजक गोपाल राठी आदि का विशेष सहयोग रहा।

मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सा परामर्श शिविर संपन्न

भीलवाड़ा। जिला माहेश्वरी सभा एवं मैरिंगो सिम्स हॉस्पिटल, अहमदाबाद के तत्वाधान में आयोजित विशाल निशुल्क सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा परामर्श शिविर में विभिन्न बीमारियों के 14 वरिष्ठ चिकित्सकों ने एक ही छत के नीचे महेश छात्रावास नेहरू रोड भीलवाड़ा में 710 रोगियों को परामर्श दिया। 650 रोगियों की ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच की एवं चिकित्सकों के परामर्श पर 110 ई सी जी कर रोगियों को राहत प्रदान की गई। शिविर का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन कर, महासभा कार्य समिति सदस्य एस एन मोदानी, महासभा संयुक्त मंत्री जगदीश कोगटा, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, प्रमुख समाजसेवी उदयलाल समदानी व जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती ने अहमदाबाद से आए 14 चिकित्सकों का मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर स्वागत कर किया। शिविर दोपहर 3 बजे तक चला जिसमें अनेक गंभीर रोगियों को एम्बुलेंस से, चल नहीं सकने वालों को स्ट्रेचर एवं व्हीलचेयर पर बैठाकर चिकित्सकों को दिखाया गया। शिविर में सोनी हॉस्पिटल, एस टेक नर्सिंग कॉलेज कैलाश तोतला एवं महेश सेवा समिति ने अपना पूर्ण सहयोग दिया। साथ ही प्रदेश पदाधिकारी सत्येन्द्र बिड़ला, दीनदयाल मारू, ओमप्रकाश गट्टानी, देवेंद्र सोमानी, केदार गगरानी सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला सभा पदाधिकारी प्रदीप बल्दवा, राम राय सेठिया, राम किशन सोनी, रमेश चंद्र राठी, सुशील मरोठिया, महेंद्र काकानी, दिनेश तोषनीवाल, रमेश बसेर सहित अनेक समाज सेवियों ने अपनी सेवाएं दी।

मूंदड़ा बने जिला सभा अध्यक्ष

उज्जैन। समर्पित समाजसेवी व व्यवसायी लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा में जिला अध्यक्ष निर्वाचित हुए। श्री मूंदड़ा के निर्वाचन पर समस्त समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

काकाणी अध्यक्ष-लड्ढा सचिव

उज्जैन। युवा समाजसेवी प्रखर काकाणी जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष तथा आदेश लड्ढा सचिव निर्वाचित हुए। इनके निर्वाचन पर समस्त समाजजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जगन्नाथ पुरी-गंगासागर यात्रा का आयोजन

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज की छः दिवसीय जगन्नाथ पुरी - गंगासागर यात्रा सम्पूर्ण हुई । यात्रा में जल, थल, नभ तीनों का आनंद सभी ने प्राप्त किया। संगठन मंत्री दीपक भूतड़ा ने बताया कि भगवान जगन्नाथ जी मंदिर पर समाज की तरफ़ से ध्वजा चढ़वाई गई। समाज के मंत्री व यात्रा समन्वयक पंकज काबरा के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में 65 सदस्यों ने भाग लिया। कोणार्क सूर्य मंदिर भ्रमण के दौरान सभी यात्री ड्रेस कोड में थे। यात्रा के संयोजक दीपक अर्चना भूतड़ा, अशोक रानी काबरा, रामजस जेथलिया, कैलाश लखोटिया थे। पूरी यात्रा में सभी के लिए सुस्वादु भोजन व सुंदर आवास की व्यवस्था की गई। सभी यात्रियों ने पुरी से गंगासागर आने जाने की 4 घंटे गंगा नदी में यात्रा की, जिसके लिए मिनी एसी क्रूज की व्यवस्था की गई थी। यात्रा का स्वागत इटारसी स्टेशन पर अखिल भारतवर्षीय महासभा के उपसभापति विजय राठी ने किया व सुस्वादु भोजन की व्यवस्था की। महासभा के कार्यालय मंत्री नारायण राठी द्वारा रायपुर व बिलासपुर में यात्रियों के चाय नाश्ते का प्रबंध किया। बिलासपुर में महेश डागा समाजजनो के साथ यात्रियों के स्वागत के लिए पहुंचे। कोलकाता में महासभा कार्यसमिति सदस्य अनिल लखोटिया द्वारा चाय, नाश्ता व आने जाने की व्यवस्था की गई। कोलकाता से सभी यात्री फ्लाइट द्वारा इंदौर पहुंचे। महासभा के पदाधिकारी व समाज जन द्वारा यात्रियों की हर स्थान पर आवभगत व स्वागत के लिये इंदौर जिला माहेश्वरी समाज के समाज अध्यक्ष गोपाल लाहोटी व मंत्री मुकेश असावा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।

काल्या को 'भारत गौरव सम्मान' से विभूषित किया गया

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय अर्थमंत्री युवा उद्यमी राजकुमार काल्या को विद्याधर नगर स्टेडियम जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में जयपुर माहेश्वरी समाज द्वारा 'भारत गौरव सम्मान' से विभूषित किया गया। साथ ही सोलर इंडस्ट्रीज के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल व अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा को भी 'भारत गौरव सम्मान' से विभूषित किया गया। पूर्व में पद्म विभूषण श्रीमती राजश्री बिरला, श्री सीमेंट के चेयरमैन हरिमोहन बांगड़, महासभा की पूर्व सभापति एवं संगम ग्रुप के चेयरमैन रामपाल सोनी आदि वरिष्ठ विभूतियों को भी 'भारत गौरव सम्मान' से विभूषित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि श्री काल्या ने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के सांस्कृतिक मंत्री, कोषाध्यक्ष, महामंत्री तथा लगातार दो सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए समाज उत्थान के लिए अनेक सामाजिक कार्य किये। श्री काल्या अनेक ट्रस्टो में संरक्षक ट्रस्टी व संस्थापक ट्रस्टी भी हैं। इससे पूर्व में भी श्री काल्या को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन द्वारा 'सर्टिफिकेट आफ कमिटमेंट' से सम्मानित किया जा चुका है।

जरूरतमंदों की सेवा

कोयंबटूर। गत 17 सितंबर को कोयंबटूर माहेश्वरी युवा परिषद ने समीपस्थ पोडानुर गांव के जरूरत मंद बच्चों एवं महिलाओं को अन्न एवं भोजन वितरण किया। गांव के वरिष्ठजनो एवं प्रधान ने माहेश्वरी युवा परिषद की इस पहल का स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजन में कोयंबटूर माहेश्वरी युवा परिषद के अध्यक्ष पुरुषोत्तम भुराड़िया, सदस्य गिरीराज भोमरा, सुमिरन मालू, गिरीराज चंडक, रमेश सुदा, रौनक राठी एवं सुरेश मालू की अहम भूमिका रही। उक्त जानकारी मनोज गग्गड़ ने दी।

नीतू को सांत्वना पुरस्कार

कोयंबटूर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत राष्ट्रीय ज्ञानसिद्धा साहित्य समिति की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मे हर सीट हॉट सीट सीज़न के दक्षिणाचंल के परिणाम में नीतू मंडोवरा को सांत्वना पुरस्कार तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

डॉ. श्रुति को एमडीएस उपाधि

रायपुर। डॉ. श्रुति राठी ने एमडीएस (ऑरथोडोंटीक्स) अर्थात् अनियमित तिरछे, आगे-पीछे, ज्यादा बाहर निकले दांतो को ठीक करने व चेहरे की मुस्कान मे निखार लाने की विशेषज्ञ की उपाधि वर्धा के शरद पवार डेंटल कॉलेज से उत्तीर्ण की हैं। डॉ. श्रुति अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य डॉ. सतीश राठी नाक कान गला विशेषज्ञ व डॉ. छाया राठी पैथोलॉजिस्ट की सुपुत्री हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा बैठक संपन्न

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा की प्रथम कार्यकारी मंडल बैठक दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा के अंर्तगत माहेश्वरी सभा बेमेतरा के आतिथ्य में संपन्न हुई। अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश महोश्वरी सभा सुरेश मूंधड़ा ने अपने संबोधन में बताया कि महासभा निर्देशानुसार प्रदेश कार्यकारी मंडल सदस्यों को 3 बैठक में से कम से कम 2 में उपस्थित होना आवश्यक है। कार्यकारी मंडल सदस्यों की उपस्थिति जिला सभा की बैठकों में भी होना अनिवार्य है, प्रदेश सभा व जिला सभा की बैठकों में कम उपस्थिति पर ऐसे सदस्य अपात्र हो जाएंगे। महासभा सभापति कार्यालय मंत्री नारायण राठी ने कहा कि महासभा की 5 महत्वाकांक्षी योजनाओं के श्री गणेश कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ में करवा कर प्रदेश सभा, जिला सभा व स्थानीय सभाओं ने अपनी संगठन क्षमता का पुनः प्रदर्शन किया है। आतिथ्य कर रहे दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष देवरतन तापड़िया व माहेश्वरी सभा बेमेतरा के अध्यक्ष अरूण राठी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। सभी जिला सभाओं के विधान को एकरूप करने व समस्त स्थानीय संगठन के कार्यकाल को प्रदेश सभा के कार्यकाल के समानांतर लाने हेतु सदन में संगठन मंत्री गजेंद्र चाण्डक द्वारा प्रस्ताव रखा गया। दोनों प्रस्तावों पर सदस्यों ने सहमति दी। प्रदेश सभा द्वारा अब तक के किये गए कार्यों का प्रतिवेदन प्रदेश मंत्री नंदकिशोर राठी ने प्रस्तुत किया। प्रदेश के समस्त स्थानीय संगठन में भेंट मुलाकात करने 10 पदाधिकारीयों को अलग-अलग संगठनों की जिम्मेदारी दी गई। स्थानीय संगठन के अध्यक्ष - सचिव व जिला संगठन के अध्यक्ष - सचिव के साथ 'संवाद' कार्यक्रम हुआ। महेश नवमी भी पूरे धूमधाम से मनाई गई। प्रदेश सभा के रिक्त पदों पर मनोनयन किया गया जिसमें दुर्ग राजनांदगांव ज़ोन के संयुक्त मंत्री पद पर कमल किशोर बियाणी दुर्ग को मनोनीत किया गया। प्रचार प्रसार सहित सभी समितियों में भी मनोनयन चल रहा है।

पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ के व्याख्यान का आयोजन

सूरत। श्री माहेश्वरी समाज सूरत, सूरत जिला माहेश्वरी सभा, सूरत मर्केंटाइल एसोसिएशन एवं रामकृष्ण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में गत 17 सितम्बर को संजीव कुमार आडिटोरियम, पाल सूरत में "राष्ट्र की चुनौतियां एवं सत्ताएं" विषय पर राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत, चिंतक, प्रखरवक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ के व्याख्यान का आयोजन हुआ। श्री कुलश्रेष्ठ ने कहा कि राष्ट्र जाग्रत होगा तभी देश अखण्ड एवं एकजुट होगा तथा आंतरिक चुनौतियों एवं आंतकवाद वाद पर लगाम लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म एवं संस्कृति आदि अनंत है, उसे कोई खत्म करने की सोच भी नहीं कर सकता है। इस समारोह में सूरत जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पवन बजाज, सचिव अतिन बाहेती, कोषाध्यक्ष राम साहाय सोनी संगठन मंत्री मुरलीधर लाहोटी प्रचार-प्रसार मंत्री नारायण पेड़ीवाल, उपाध्यक्ष विजय भट्टड़, संयुक्त मंत्री महेश खटोड़, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा वीणा तोषनीवाल, राम अवतार साबू, गिरधर गोपाल मूंदड़ा, राम रतन भूतड़ा, महेन्द्र झंवर, घनश्याम चांडक आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। मंच संचालन विनीत काबरा एवं विमला साबू द्वारा किया गया।

श्रद्धांजलि

श्रीमती सुधीर बाला माहेश्वरी

उदयपुर। श्रीमती सुधीर बाला माहेश्वरी धर्मपत्नी डॉक्टर एस के महेश्वरी का निधन 5 सितंबर को हो गया। आप आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक और आर्य समाज के सिद्धांतों में विश्वास रखने वाली थी। अपने पीछे तीन पुत्र-पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़कर गई हैं।

श्री उमाशंकर साबू

रांची। स्थानीय श्री माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष समाजसेवी उमाशंकर साबू का निधन गत 15 सितंबर को हो गया। प्रतिष्ठित समाजसेवी स्व. श्री गणेश नारायण साबू के ज्येष्ठ पुत्र स्व. श्री साबू श्री माहेश्वरी सभा के 2001-2004 तक अध्यक्ष रहे। आपने लक्ष्मीनारायण मंदिर में अपने अध्यक्ष काल में कई विग्रहों की स्थापना करायी। अपने पीछे समाजसेवी छोटे भाई शिव शंकर साबू, पत्नी, पुत्र हेमंत, दो पुत्री एवं दो पौत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ कर गए हैं।

आँख संसार की हर चीज देखती है मगर आँख के अंदर कुछ चला जाए तो उसे नहीं देख पाती है, ठीक उसी प्रकार मनुष्य दूसरों की बुराईयां तो देखता है पर अपने भीतर बैठी बुराईयां उसे दिखाई नहीं देती।

नंदोत्सव का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। श्री माहेश्वरी रामायण मण्डल द्वारा सतत 29 वें वर्ष में जन्माष्टमी पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। दूसरे दिन एक शोभायात्रा निकली जिसमें मटकी फोड व राधाकृष्ण की सुन्दर झाँकी निकली जिसमें बैंड बाजो के साथ भगवान रथ में विराजित थे। बाद में पूरे समाज की महाप्रसादी का आयोजन किया गया। विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष-मंत्री का सम्मान भी किया गया। उक्त जानकारी लक्ष्मीलाल झंवर ने दी।

डॉ. अंजली को एमडीएस उपाधि

कोल्हापुर। डॉ. अंजली मानधनिया ने एमडीएस की उपाधि तात्यासाहेब कोरे डेंटल कॉलेज कोल्हापुर से कॉलेज में प्रथम स्थान के साथ प्राप्त की। डॉ. अंजली गोविंद व सुशीला मानधनिया की सुपुत्री एवं गणेशलाल-कावेरीबाई मानधनिया की पौत्री हैं। गणेशलाल मानधनिया (माहेश्वरी) जिला व माहेश्वरी प्रगति मंडल के भूतपूर्व अध्यक्ष है।

नन्दोत्सव का किया आयोजन

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट के तत्वावधान में माहेश्वरी महिला मंडल ने नन्दोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ भजन-कीर्त्तन व श्रीकृष्ण भगवान से सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर भाजपा नेत्री रूबी महर्षि व अग्रवाल चूरु जिला महिला मंडल अध्यक्ष ललिता रामगढ़िया का माहेश्वरी महिला मंडल ने माला व दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में महिला मंडल की अध्यक्ष मंजूदेवी लढ़ा, जिला उपाध्यक्ष चंदा सोनी, सुनिता झंवर, जिला संयुक्त मंत्री सरिता चांडक, दिव्यज्योति लढ़ा, सीता तापड़िया, कमलादेवी चाण्डक, कृष्णा लढ़ा, नंदिनी लढ़ा आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन पूर्णिमा लढ़ा ने किया।

प. उ.प्र. माहेश्वरी सभा की बैठक सम्पन्न

मथुरा। जिला माहेश्वरी सभा मथुरा के तत्वावधान में प. उ. प्रदेश माहेश्वरी सभा की एक बैठक राकेश मोहता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में महासभा उत्तरांचल के उपाध्यक्ष विनीत केला भी विशेष रूप से उपस्थिति रहे। बैठक का शुभारम्भ मंचासीन पदाधिकारियों द्वारा भगवान महेश का दीप प्रज्वलन कर किया गया। महासभा द्वारा प्राप्त निर्देश के अनुसार जिन जिला सभाओं के चुनाव नहीं हुए है वहाँ पर शीघ्र चुनाव कराने जिला माहेश्वरी सभा बुलन्दशहर हेतु अजय माहेश्वरी (उपसभापति) मथुरा को चुनाव प्रभारी बनाया गया। प्रदेश मन्त्री सुभाषचन्द्र बाहेती ने आये हुए सभी समाज बन्धुओ को शीघ्र अतिशीघ्र फार्म भरकर भेजने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर सुशील माहेश्वरी संयुक्त मन्त्री' विनय कुमार गुप्ता गाजियावाद, शिव कुमार माहेश्वरी नजीवाबाद, राकेशकुमार माहेश्वरी, राजेंद्र माहेश्वरी एडवोकेट, अभिषेक राठी मथुरा, राज कुमार जाखेटिया (उपसभापति), राहुल लड्ढा जिला मन्त्री अमरोहा आदि ने अपने-अपने विचार रखें। मुकेश माहेश्वरी संगठन मन्त्री, नवनीत माहेश्वरी कोषाध्यक्ष, संजीव गोदानी प्रचारमन्त्री, गिरिराज माहेश्वरी उपसभापति, मुकेश माहेश्वरी संयुक्त मन्त्री, मनोज दुजारी संयुक्त मन्त्री, प्रदेश सभा विजेन्द्र डागा, महेश चन्द्र माहेश्वरी' आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सुभाषचन्द्र बाहेती ने किया।

साइबर क्राइम पर कार्यशाला आयोजित

इंदौर। साइबर क्राइम से सुरक्षा हेतु दो दिवसीय वर्चुअल तकनीकी ज्ञान शाला कवच का आयोजन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति द्वारा 9 और 10 सितंबर को जूम प्रांगण पर किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी, निवर्तमान अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लड्ढा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता मोदानी, राष्ट्रीय समिति प्रदर्शक उर्मिला कलंत्री द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। द्वितीय दिवस को विशेष अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी द्वारा कार्यक्रम की सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गई। मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। समिति की जानकारी एवं कार्यशाला का संचालन समिति प्रभारी भाग्यश्री चांडक द्वारा किया गया। इसमें 4 अलग-अलग विषयों पर प्रकाश डाला गया। विनिता डाड (पश्चिमांचल सह प्रभारी) ने लोन के प्रकार, उनमें होने वाले स्कैम्स, उनसे सम्बन्धित ऐप्स और सावधानियां इस विषय पर जागरुकता उत्पन्न की। गरिमा गट्टानी (उत्तरांचल सह प्रभारी) ने गूगल सम्बन्धित जानकारी, सोशल मीडिया द्वारा फिशिंग, विशिंग और स्मिशिंग के बारे में जानकारी देकर सावधानियां किस तरह से रखनी चाहिए, इस बारे में बताया। मनीषा सोमानी (पूर्वांचल सह प्रभारी) ने आधुनिक फ्रॉड किस तरफ से हो रहे है और हमें किस तरह से सतर्क रहना हैं, उसकी वीडियो के माध्यम से प्रस्तुति दी। सपना लाहोटी (दक्षिणांचल सह प्रभारी) ने डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के बारे में जानकारी सचेत किया कि किस तरह से सुरक्षित रहना है। सुशीला माहेश्वरी (मध्यांचल सह प्रभारी) ने मॉडरेटर का काम किया।

शिक्षकों का किया सम्मान

नागदा। माहेश्वरी महिला मंडल नागदा द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर 7 शिक्षकों का सम्मान दुपट्टा, श्रीफल एवं माला पहनाकर किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की सभी सदस्याऐं उपस्थित थीं। उक्त जानकारी अध्यक्ष ज्योति मोहता एवं सचिव ऋषिता खटोड़ द्वारा दी गई।

खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जायस (उ.प्र.)। पंकज माहेश्वरी स्मृति महाविद्यालय, नन्दग्राम, जायस, अमेठी, उ.प्र. में स्मृतिशेष पंकज माहेश्वरी की पुण्यतिथि पर महाविद्यालय में पूर्व संध्या से खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रस्सी कूद एवं बालक-बालिकाओं की गोला-फैंक, भाला फैंक, चक्का फेक एवं रस्साकसी आदि खेल आयोजित कराकर पुण्यतिथि पर मुख्य अतिथि पूर्व व्यायाम प्रशिक्षक जंगबहादुर व विशिष्ट अतिथि ब्यूरोचीफ दैनिक जागरण दिलीप सिंह तथा प्रबन्धक मनोज माहेश्वरी ने दीप प्रज्वलित कर स्व. श्री माहेश्वरी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कहानी लेखन स्पर्धा परिणाम घोषित

कोलकाता। ज्ञानसिद्धा साहित्य समिति के 13 वे सत्र के तहत आयोजित कहानी लेखन स्पर्धा में कुल 12 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। आयोजकों द्वारा तय मापदंडों के आधार पर तीन रचनाकारों की कहानियाँ पुरस्कार के योग्य चयनित की गईं, इनमें प्रथम 'एक संदेश ऐसा भी': शशि लाहोटी, कोलकाता, द्वितीय 'अंतिम इच्छा': मालती माहेश्वरी, हिन्द मोटर (कोलकाता) व तृतीय 'प्रकृति का खेल': सुमन मोहंता, कोलकाता रहीं। तीन कहानियों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

गीता में कहा गया है कि जब सत्य की असत्य से लड़ाई होगी तो सत्य अकेला खड़ा होगा और असत्य की फौज लंबी होगी क्योंकि असत्य के पीछे मूर्खों का झुंड भी होगा।

सेवल्या माता का रात्रि जागरण

बागोर। माहेश्वरी समाज की सोनी कोठारी खांप की कुल देवी श्री सेवल्या माताजी का वार्षिक सामूहिक रात्रि जागरण आगामी 19 नवम्बर एवं वार्षिक अधिवेशन एवं महाप्रसादी 20 नवम्बर को प्रातः 10.15 से 12.15 तक बागोर जिला भीलवाडा (राजस्थान) में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी कैलाश कोठारी एवं रामजस सोनी ने दी।

डॉ. माहेश्वरी को पीजी फेलोशिप

इंदौर। डॉ. ऋतु माहेश्वरी को आईआईएम इंदौर से ब्लॉक चेन विषय पर अपना रिसर्च वर्क पूर्ण करने पर पर पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप की उपाधि से नवाजा गया। ऋतु एक शिक्षाविद व रिसर्चर होने के नाते मध्यप्रदेश शासन के नीति विश्लेषण संस्थान में बतौर सलाहकार सेवाएं दे रही है।

वार्षिक सभा का हुआ आयोजन

कोयंबटूर। माहेश्वरी सभा की 30वी वार्षिक सभा गत 3 सितंबर को संपन्न हुई। इसमें श्रीगोपाल माहेश्वरी को निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। कार्यकारणी के 10 सदस्यों संतोष मूंदड़ा, दामोदर सोमानी, राजेंद्र भट्टड़, कुशाल केला, अनिल माहेश्वरी, हरीश भुराडिया, राजेश कांकाणी, मदन गोपाल भुराडिया, प्रदीप करनानी व ओमप्रकाश चांडक का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

जन्माष्टमी पर्व का किया आयोजन

उदयपुर (राज.)। माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा जन्माष्टमी पर्व का आयोजन ओरियन्टल पैलेस रिसोर्ट में किया गया। अध्यक्ष आशा नरानीवाल ने बताया कि कृष्ण के जीवन सम्बन्धित झाकियाँ सजाई। अध्यक्षता कोशल्या गट्टानी ने की। सचिव सीमा लाहोट ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर सभी सदस्याओं ने भजनों व नृत्य का आनन्द लिया। रेणू मून्दड़ा, मून्दड़ा, मंजू गाँधी, महा गट्टानी सहित सदस्याऐं उपस्थित थीं।

राधाअष्टमी पर भजन संध्या

रायपुर। माहेश्वरी महिला समिति, गोपाल मंदिर द्वारा 23 सितंबर को राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में भजन संध्या का आयोजन गोपाल मंदिर सदर बाजार में किया गया। भजन रचना चांडक, वंदना चांडक, श्रुति मुंदड़ा, राधिका बागड़ी, कल्पना नत्थनी द्वारा अपनी मधुर आवाज में गाया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला समिति की महामंत्री ज्योति राठी, नंदा भट्टर, अध्यक्ष प्रगति कोठारी, सचिव कल्पना राठी, शशी बागड़ी, नीता लखोटिया, भावना मरदा, नीना राठी, शशि शारडा, रमा मल्ल, माधुरिका नत्थानी, सुनीता लड्ढा, संगीता चांडक, ज्योति शारदा, शशि मोहता, उषा सारडा, शकुंन डागा, सोनबाई सारडा आदि भूतपूर्व अध्यक्ष उपस्थित थीं। भजनों के बाद सभी ने प्रसादी भी ग्रहण की।

सुरभि महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

कायेम्बटूर। स्थानीय सुरभि महिला मण्डल की 2023-26 कार्यकारिणी समिति के चुनाव अगस्त 2023 को संपन्न हुए है। सभी पदाधिकारी एंव सदस्य निर्विरोध चुने गए। इसमें अध्यक्ष-सुनीता भट्टड़, तत्कालीन पूर्वाध्यक्ष - बीना मूंदड़ा, उपाध्यक्ष - सुनीता करनानी, सचिव - भावना साबू, कोषाध्यक्ष-पिंकी भुराड़िया, सहसचिव- प्रीति भट्टड़, सांस्कृतिक समिति संयोजक- मिनाक्षी चांडक एंव अनु पनपालिया शामिल हैं। कार्यकारिणी सदस्य में निर्मला काँकाणी, प्रेमा केला, रूचि बागड़ी, श्वेता भुराड़िया व उर्मिला काकाणी शामिल हैं।

प्रिया-विष्णुकांत बनी जज

बनहट्टी। समाज सदस्य विष्णुकांत भट्टड़ की सुपुत्री कुमारी प्रिया की गत 30 अगस्त को बेंगलूर में जज के पद पर नियुक्ति हुई। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यूएई में टॉपर धीर

ब्यावर। राजस्थान के मूल निवासी धीर बल्दुआ सुपुत्र सीए पंकज बल्दुआ आबूधाबी (यू.ए.ई) के ब्राइटन कॉलेज में अध्यनरत थे, उन्होंने कक्षा 12वीं विज्ञान में पांच विषयों के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। धीर ब्यावर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष डॉ.एल.एन. बल्दुआ एवं वीणा बल्दुआ पूर्व अध्यक्षा माहेश्वरी महिला परिषद ब्यावर के पौत्र हैं। अध्ययन में उच्चतम प्रतिभा स्थापित होने एवं सह-शैक्षणिक क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित होने के कारण अगस्त 2023 में यू.एस.ए की विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया (बक्रली) में ऐरो स्पेस इंजीनियरिंग में उनका चयन हुआ है।

गर्विता सर्फिंग में टॉप 6

कोटा। अंतरराष्ट्रीय सर्फिंग ओपन प्रतियोगिता का आयोजन भारत में पहली बार मामल्लापुरम में 14 से 20 अगस्त तक किया गया। इसमें कोटा निवासी गर्विता बल्दुआ ने सर्फिंग में बेहतरीन प्रदर्शन कर टॉप 6 में स्थान प्राप्त किया। वर्तमान में वह बैंग्लोर स्टार्टअप में क्योर स्कीन में सीनियर प्रोडक्ट मैनेजर हैं। इसके लिये उन्हें 30 हजार रुपये का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

उत्कर्ष को 98.6%

मुंबई। अनुराग कोठारी के सुपुत्र उत्कर्ष ने दसवीं कक्षा की परीक्षा 98.6 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि उत्कर्ष ने अपनी पूरी शिक्षा में हर कक्षा में अब तक लगातार 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। उत्कर्ष पुस्तक 'रिचोलॉजी' के लेखक हैं जो अमेज़ॉन पर उपलब्ध हैं। उन्होंने छात्रों को वित्तीय साक्षरता सिखाने वाला डिजिटल पाठ्यक्रम 'मनीएक्स' लॉन्च किया गया। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पियानो शिक्षण पाठ्यक्रम - 'उडेमी' लांच किया, जिसमें दुनिया भर से लगभग 2000 छात्रों ने नामांकन किया है।

डॉ. आशीष बाल्दी को राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान

बठिण्डा। माहेश्वरी सभा बठिण्डा के कार्यकारिणी व अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा 'मिशन-100' समिति के सदस्य तथा महाराजा रणजीत सिंह टैक्निकल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. आशीष बाल्दी को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में भारत के राष्ट्रपति ने विज्ञान भवन में सम्मानित किया। इसमें महाराजा रंजीत सिह पंजाब यूनिवर्सिटी के फार्मास्युटिकल विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर डॉ. बाल्दी को उत्कृष्ट शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना गया था।

शिक्षक दिवस 5 सिंतबर के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रोफेसर आशीष बाल्दी को राष्ट्रीय पुरस्कार 2023, प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 4 सिंतबर को सभी पुरस्कार विजेताओं से विशेष बातचीत की। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा शिक्षण और अनुसंधान के लिए डॉ. बालदी को उच्च शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। प्रो. बाल्दी इस साल राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले 13 शिक्षको में से एक और इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए उत्तर भारत में एकमात्र व्यक्ति है।

माहेश्वरी सभा बठिण्डा के अध्यक्ष के.के. मालपानी ने बताया कि डॉ. बाल्दी को स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा फार्मेसी और फार्माकोलॉजी में लगातार चार वर्षो तक दुनिया भर के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान दिया गया है। प्रो. बाल्दी को शिक्षण पद्धति में नवाचार करने एवं फार्मेसी शिक्षा के कठिनतम पहलुओं को रोचक ढंग से पढ़ाने के लिए यह पुरस्कार दिया गया। कुलपति प्रो. बूटा सिंह सिद्धू ने कहा कि प्रो बाल्दी का छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण, अनुसंधान उत्कृष्टता, प्रशासनिक कौशल और सामाजिक योगदान, उन्हें फार्मेसी में एक प्रतिष्ठित शिक्षक के रूप में पहचान देता है। हरियाणा पंजाब माहेश्वरी सभा के प्रादेशिक सचिव जगदीश मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश के एक छोटे से गांव रतनगढ़ से अपनी यात्रा सरकारी विद्यालय से शुरू करने वाले डॉ. बाल्दी ने बीआर नाहटा कॉलेज ऑफ फार्मेसी मंदसौर से फार्मेसी में स्नातक और डॉ. एचएस गौर सेंट्रल यूनिवर्सिटी सागर से एम. फार्मेसी की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से पीएचडी की है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम और उनके गुरू से प्रेरित होकर शिक्षक बनने का फैसला किया। इस उपलब्धि पर रा.का.स.स. अशोक सोमानी, हरियाणा पंजाब प्रदेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र कलतरी, सचिव जगदीश मंत्री, माहेश्वरी सभा बठिण्डा के अध्यक्ष के. के मालपानी, सचिव सुप्रीम कोठारी, सुशील मुंधडा, गोविन्द डागा, राकेश होलानी, पवन होलानी, सुरेश होलानी, प्रवीण मिमाणी, सुरेश चांडक, महिला संगठन अध्यक्ष सविता होलानी, सचिव अंजू मालपानी, संरक्षक पूनम राठी और प्रादेशिक ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश गट्टानी, सचिव सोहन महेश्वरी, युवा संगठन अध्यक्ष पुष्पक मंत्री व सचिव हैपी माहेश्वरी ने उन्हें बधाई दी।

वापसी में डॉ. बाल्दी की ट्रेन जैसे ही प्लेटफार्म पर दिल्ली से बठिंडा पहुंची, जय महेश के नारों से प्लेटफार्म गूंज उठा और उनका माहेश्वरी सभा बठिंडा, महिला संगठन व युवा संगठन के सदस्यों द्वारा पुष्प वर्षा तिलक, पुष्प गुच्छ, माला व मिठाई से जोरदार स्वागत किया गया।

जलीय जीवों की हत्या पर एफआईआर

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी एवं वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो से जुड़े बाबूलाल जाजू ने रणथंभोर राष्ट्रीय पार्क के 500 मीटर दूर स्थित तालाब में मगरमच्छ, सांप, मेंढ़क, मछलियों सहित डेढ़ लाख जलीय जीवों की हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक सवाईमाधोपुर को ई-मेल से प्राथमिकी दर्ज करवाकर दोषियों के विरूद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत ठोस कार्यवाही करने की मांग की गई। इस संबंध में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के निदेशक, पीएफए राष्ट्रीय अध्यक्ष मेनका गांधी, मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजस्थान को भी अवगत कराया है।

शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

नावां शहर। आदर्श विद्यामंदिर माध्यमिक विद्यालय नावां शहर में विद्यालय प्रबन्ध समिति द्वारा शिक्षक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शिक्षकों को तिलक लगा माला पहनाकर मुँह मीठा करवाया गया। सम्मान समारोह में सत्यनारायण लढा (अध्यक्ष नावा कुचामन महेश्वरी समाज), तुलसीराम राजस्थानी व स्वाती बंसल आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य परिचर्चा का हुआ आयोजन

जयपुर। गत 10 सितम्बर को नारायणा मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, सीतापुरा के दो विशेषज्ञ डॉ. अंशु काबरा (कंसल्टेंट- कार्डियोलॉजी) एवं डॉ. अभिनव गुप्ता (कंसल्टेंट- पेट, आंत, लिवर रोग) के सहयोग से क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा, सोडाला, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में माहेश्वरी स्वजनों के लिए बहुउद्देशीय, बहुआयामी 'हृदय, पेट, लिवर, आंत' संबधी विषय पर विशेष 'स्वास्थ्य परिचर्चा' का आयोजन सहभोज सहित हुआ। कार्यक्रम में राधेश्याम परवाल, प्रथम प्रदेशाध्यक्ष पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, शिवरतन मोहता संयुक्तमंत्री प्रदेशसभा, महेश चांडक- निवर्तमान सोडाला सभाध्यक्ष, रमेश कुमार भैय्या- अध्यक्ष, राजेश माहेश्वरी- कोषाध्यक्ष, डी पी बिड़ला- संयुक्त मंत्री, ओमप्रकाश काबरा- प्रचार एवं संगठन मंत्री, हरीश भुराड़िया, जयंत बाहेती आदि उपस्थित थे।

झारखंड बिहार का विशेष योगदान

रांची। सावन के महीने में झारखण्ड बिहार प्रदेश में सामूहिक नमः शिवाय का कुल 1,42,51,802 जाप किया गया। गुलाबबाग, किशनगंज, जमशेदपुर, कर्ज़ाइन, कोडरमा गुमला, कटिहार, रांची की सभी सदस्याओं ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप 16 श्रृंगार कर तीज सिंधारा को यादगार बनाया। पटना में सतरंगी थीम पर तीज सिंधारा हुआ। पूजा पाठ के साथ गुलाब बाग, फारबिसगंज, रांची की सदस्याओं ने वन भोज का भी आनंद लिया। 15 अगस्त पर गुलाबबाग में समाज के बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानी की झांकी प्रस्तुत की। देवघर एवं किशनगंज में बड़ों के साथ बच्चों के लिए भी तीज सिँझारा पर गेम्स और गिफ्ट्स का आयोजन किया गया। कटिहार में मनिया अनाथालय में 150 बच्चों को ज्यूस, चॉकलेट, बिस्कुट, मिठाई वितरित किया गया। जमशेदपुर में स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों द्वारा राष्ट्रीय गीत गया गया। गुमला शाखा में स्कूल के बच्चों के बीच पेन पेंसिल कॉपी फल मिठाई आदि वितरण किया। कोडरमा में के. डी. ए ग्रीन पब्लिक स्कूल में बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया एवं उन्हें नाश्ता भी करवाया। चाईबासा बाल कुंज अनाथालय में बच्चों को कैरम बोर्ड, बैडमिंटन, फुटबॉल, कलर, स्केच पेन, ड्रॉइंग कॉपी, पेन, नोटबुक आदि का वितरण किया। फारबिसगंज सदस्यों ने राजस्थान में विकलांग बच्चों को भोजन करवाया एवं लोकल के राजकीय स्कूल में बच्चों को बिस्कुट, टॉफी, फ्रूट्स जूस आदि का वितरण किया। कर्ज़ाइन में स्कूल के बच्चों को हर दिन 33 चीज़े दी गई।

यमुनाजी का चुनरी मनोरथ

नागपुर। पुरुषोत्तम मास में ज्योति महिला मंडल महल द्वारा बडकस चौक स्थित श्री मदनमोहन जी की हवेली में यमुना का चुनरी मनोरथ आयोजित किया गया। मनोरथ की शुरुआत में गाजे-बाजे के साथ पवित्र चुनरी को सखियों द्वारा शीश पर धारण कर धूमधाम से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्री यमुनाजी का पूजन एवं मनोरथ का संकल्प दिलाया गया। श्री गिरिराज जी के सम्मुख स्थित यमुना जल में श्री यमुनाजी को 101 साड़ियां ओढाकर इस मनोरथ को पूर्ण गया किया गया। यह आयोजन मंडल की अध्यक्ष अर्चना बिंझाणी व सचिव स्वाति सावल के साथ ही कीर्ति भैया व रचना सावल के मार्गदर्शन में किया गया। संयोजिका प्रीति भैया और राजबाला राठी थीं। भांगड़िया परिवार, मालू परिवार, मनमोहन सावल परिवार व मित्तल राठी परिवार से इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मंडल की प्रचार मंत्री संगीता भट्टड़ ने बताया कि माहेश्वरी संगठन महल के पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बिंझानी, सचिव ओम भैया, जगदीश बजाज, नागपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव मीनू भट्टड़, माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष निशी सावल एवं सचिव पूनम झंवर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जन्माष्टमी महोत्सव का हुआ आयोजन

रांची। श्री माहेश्वरी सभा, राँची द्वारा हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव जन्माष्टमी पर्व श्रीलक्ष्मीनारायण मंदिर समिति के तत्वावधान में लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में बड़े धूमधाम से मनाया गया। माहेश्वरी सभा झारखण्ड बिहार प्रदेश कोषाध्यक्ष व निवर्तमान रांची सभा अध्यक्ष, सह कार्यक्रम संयोजक शिव शंकर साबू ने बताया कि संध्या के बाद से ही भगवान लक्ष्मी नारायण एवं बाल गोपाल झूला श्रृंगार दर्शन प्रारभ हो गया। समाज के विभोर डागा, मनोज कल्याणी, मनोज काबरा, हनुमान मंडल के सदस्य आदि ने नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार मारू, पूर्व अध्यक्ष महावीर प्र.सोमानी, अरविंद सोमानी, संगीता चितलांगिया, भारती चितलांगिया, कुमुद लाखोटिया आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

सुपोषित आहार किट वितरण

फरीदाबाद। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट ने गत 04 सितंबर सोमवार को अभियान कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाते हुए आठवीं बार 'सुपोषित आहार' की किट वितरित की। मुख्य अतिथि नेहा शर्मा एवं अतुल शर्मा (पीतांबरा ग्रेनाइटस प्राइवेट लिमिटेड) का स्वागत श्रवण मिमाणी, देवेश चांडक, पुष्पा झंवर एवं रेखा राठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन- कमल आगीवाल एवं महिला मंडल की अध्यक्षा पुष्पा झंवर ने किया। इसमें 170 गर्भवती महिलाओं और 33 टीबी मरीजों को सुपोषित आहार की किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में 170 गर्भवती महिलाएं और 33 टीबी मरीजों व साथ आये उनके परिजनों ने भी सुपोषित आहार ग्रहण किया। लगभग कुल 325 लोगों द्वारा सुपोषित आहार ग्रहण किया गया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के सचिव श्रवण मिमाणी, सह सचिव रामनिवास भूतड़ा, उमाशंकर चितलांग्या, रेखा राठी, संगीता आगीवाल, सुनीता परवाल, नम्रता झंवर, पूनम झंवर, सुमन सोढाणी, ऋचा मिमाणी, निर्मला माहेश्वरी आदि सहित माहेश्वरी युवा मंडल की टीम से सचिव विकास झंवर, सुनील कोठारी, हितेश पेड़ीवाल, हितेश बिहानी, ललित परवाल (रेवाड़ी) आदि का योगदान सराहनीय रहा। यह योजना मेसर्स किर्लोस्कर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पीतांबरा ग्रेनाइटस प्राइवेट लिमिटेड, ए बी एम इंटरनेशनल लिमिटेड, बागला ग्रुप ऑफ कम्पनीज के सीएसआर फंड से प्राप्त धन राशि से क्रियान्वित है।

एक दिवसीय पिकनिक का आयोजन

नागपुर। नगर ज्येष्ठ महेश्वरी सभा द्वारा आयोजित एक दिवसीय पिकनिक का कार्यक्रम गत 10 सितंबर को सानंद सम्पन्न हुआ। इसमें सम्मिलित हुए लगभग 50 वरिष्ठ सदस्यों को महालक्ष्मी मंदिर एवं राममंदिर कोराडी, पंचमुखी संकट मोचन हनुमान मंदिर वेलोरी, गणेश मंदिर आदासा के दर्शन का लाभ प्राप्त हुआ। संस्था के अध्यक्ष कन्हैयालाल मानधना, सचिव मधुसूदन सारड़ा, कोषाध्यक्ष हरिदास भट्टड़, संयोजक ललित गांधी, शोभा गांधी, कमल तापड़िया आदि ने सहयोग किया। दामोदर तोषनीवाल, राकेश भैया, गोवर्धन काबरा, जगदीश बजाज, सुरेश गांधी, मानकलाल हेडा, प्रकाश चांडक, अशोक गांधी महिला समिति आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रकाश चांडक ने दी।

विदर्भ प्रदेश का जिला भ्रमण

बुलढाना। विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष दामोदर सारड़ा एवं प्रदेश मंत्री अजय मोदानी के नेतृत्व में प्रदेश संगठन का जिला भ्रमण कार्यक्रम (संगठन आपके द्वार) आयोजित हुआ। व्यक्तिगत संपर्क के साथ प्रदेश एवं महासभा द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी, महासभा द्वारा संचालित ट्रस्टों की जानकारी, माहेश्वरी मुखपत्र का सदस्य बनने हेतु आह्वान, एबीएमएम संपर्क ऐप में पंजीयन हेतु आग्रह, समाज एवं संगठन से अपेक्षा, व्यक्तिगत दुर्बल परिवारों से सीधा संवाद, आदि विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भ्रमण कार्यक्रम जिला अध्यक्ष संजय सातल, जिला सचिव पवन लड्ढा, मदन मालपानी, विवेक मोहता, गोविंद झंवर आदि के सान्निध्य में संपन्न हुआ।

जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन

नावां शहर। आदर्श विद्या मंदिर नावां शहर में जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। सभी कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़ी घटनाओं का चित्रण किया गया। सर्वप्रथम कृष्ण बनो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें निर्णायक के रूप में नावा कुचामन माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा, स्वाति बंसल (पूर्व चेयरमैन), कुसुम लड्ढा (लायंस क्लब) आदि उपस्थित थे। अंत में अध्यक्ष महेश्वरी समाज सत्यनारायण लड्ढा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यशाला 'मेरा आंचल' का आयोजन

बूंदी। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तहत सामर्थ्य सोसायटी द्वारा शहर के ब्रह्मपुरी, बड़ी बागर के आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड संख्या 24 (2) में 'मेरा आंचल' कार्यक्रम पर कार्यशाला आयोजित की गई। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि मेरा आंचल कार्यक्रम 'महिला और स्वास्थ्य' एवं 'बच्चे और शिक्षा' विषय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आयोजित किया गया है।

वार्षिकोत्सव में पारिवारिक मिलन

जोधपुर। श्री माहेश्वरी समाज समिति, पश्चिमी क्षेत्र का वार्षिकोत्सव, साधारण सभा एंव पारिवारिक मिलन समारोह गत 13 अगस्त को मनोकामनेश्वर महादेव मन्दिर डूंगरिया प्रांगण में मनाया गया। कार्यक्रम के संयोजक सी. ए. नीरज मून्दड़ा एवं मीडिया प्रभारी राजेन्द्र भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सी. ए. बी. एम. बीयानी (सदस्य आयकर अपीलीय अधिकरण, इन्दौर बेंच) कानून एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार, प्रमुख अतिथि डॉ. संजीवनी गट्टानी (वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ, जोधपुर) थे। अतिथियों का स्वागत साफा, शाल, मोमेन्टो देकर पदाधिकारियों द्वारा किया गया। सचिव श्यामसुन्दर धूत ने गत साधारण सभा के मिनट्स पढ़कर सदन को सुनाएं। कोषाध्यक्ष राजेन्द्र मंत्री द्वारा वर्षभर का लेखाजोखा पटल पर रखा गया। अध्यक्ष पुखराज फोफलिया ने बताया कि इस वर्ष डॉ. एम. एम. भट्टड़ (शिक्षाविद् एवं वरिष्ठ समाजसेवी, पूर्व प्राचार्य ओंकारमल सोमानी महाविद्यालय, जोधपुर) को समाज गौरव के रुप में सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र का पठन हरिप्रकाश राठी द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त मनीषा मून्दड़ा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूजा राठी पार्षद का भी स्वागत किया गया। उपाध्यक्ष महेन्द्र मालपानी, श्रीकृष्ण माहेश्वरी, अनिल गट्टानी, ओमप्रकाश भूतड़ा, रामेश्वरी भूतड़ा, सुधा फोफलिया, मधु मून्दड़ा, सुभाष धूत, अनिता धूत आदि कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. सुशीला राठी द्वारा किया गया।

मैराथन का हुआ आयोजन

कोयम्बटूर। माहेश्वरी सभा, कोयंबटूर के सहसचिव राजेन्द्र भट्टड़ के मार्ग दर्शन में रोटरी क्लब, कोवई ने कोयंबटूर में मैराथन का आयोजन किया। श्री भट्टड़ इस मैराथन कार्यक्रम के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष थे। मैराथन में माहेश्वरी समाज के लगभग 50 से ज्यादा सदस्यों ने अन्य समाज के लोगो के साथ बढ चढ कर भाग लिया। अंजु माहेश्वरी धर्मपत्नी प्रवीण माहेश्वरी ने 10 किमी मैराथन के महिला वर्ग (45 वर्ष) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

एक बेहतरीन इंसान अपनी जुबान और कर्म से ही पहचाना जाता है, वरना अच्छी बातें तो दीवारों पे भी लिखी होती है।

चौपाल का भ्रमण कार्यक्रम सम्पन्न

रांची। समाज की 15वीं चौपाल के अंतर्गत समाज के 40 वरिष्ठ जनों की एक टीम ने 27 अगस्त को रांची मुख्यालय से 21 किलोमीटर दूर मराशिल्ली पर्वत पर स्थित स्वयंभू शिवलिंग मंदिर शिवलोक धाम में पूजा अर्चना की। राजा उलाहातू क्षेत्र में 230 एकड़ में फैले इस विशाल पर्वत की चोटी पर मराशिल्ली बाबा यानी भोलेनाथ का स्वयंभू मंदिर है। संयोजक राजकुमार मारू एवं सहसंयोजक अशोक साबू ने बताया कि इस मंच के अंतर्गत हर महीना वरिष्ठ लोगों की बैठक होती है तथा बीच-बीच में उन्हें धार्मिक स्थलों का भ्रमण भी कराया जाता है। अभी तक चौपाल के अंतर्गत रांची के आसपास के तीन प्रसिद्ध धार्मिक स्थल का भ्रमण कर लिया गया है।

श्रावणी मेला का हुआ आयोजन

वाराणसी। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा मारवाड़ी महिलाओं के पावन त्योहार श्रावणी तीज के अवसर पर समाज की महिलाओं के लिए तीज 2023 के कार्यक्रम का आयोजन रिश्तों की गुलदस्ता के रूप में 25 अगस्त को माहेश्वरी भवन महमूरगंज के मुख्य सभागार में हुआ। इस अवसर पर महिलाओं के मनोरंजन और श्रावण आधारित गीत संगीत की सुमधुर प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के आरंभ में एक श्रावणी मेला समाज की महिलाओं द्वारा संचालित किया गया जिसमें विभिन्न परंपरागत मनोरंजन वाले गेम्स तथा विभिन्न प्रदेशों खासकर राजस्थानी व्यंजनों को प्रस्तुत किया गया। फिर शुरू हुआ आज की थीम 'रिश्तों का गुलदस्ता' पर रंगारंग प्रस्तुतियों का दौर। विभिन्न प्रतियोगिताओं में सृष्टि मूंदड़ा, प्रीति पेड़ीवाल, रश्मि सारड़ा, ज्योति मारू, सविता राठी, नेहा जखोटिया, प्राची चाण्डक, मधु मल्ल, अनिता डागा, प्रिया करवा सहित विजेताओं को पुरस्कृत और सम्मानित किया गया। आयोजन की अध्यक्षता इन्दू चाण्डक, अतिथियों का स्वागत मंत्री सुषमा कोठारी व संचालन सरोज भरानी, प्रीति झंवर, लक्ष्मी लड्ढा आदि ने किया। आभार वीणा मूंदड़ा ने माना।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

भीलवाड़ा। श्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के तत्वावधान में अल्प आय वर्ग परिवारों के कक्षा एक से 10 तक के छात्र एवं छात्राओ को सत्र 2023-2024 के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम एमपीएस स्कूल आजादनगर में सम्पन्न हुआ। नगर मंत्री संजय जागेटिया ने बताया कि नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा शैक्षिक प्रकोष्ठ गठित करने का इससे पूर्व हुई रामेश्वरम भवन में आयोजित बैठक में निर्णय लिया था जिसको मूर्तरूप दिया गया है। इसमें जगदीश कोगटा के सान्निध्य में माध्यमिक शिक्षा तक का शैक्षिक प्रकोष्ठ बनाया गया। प्रतिशत को आधार न मानते हुए 1 लाख से कम आय वर्ग तथा एक लाख से 3 लाख तक के आय वर्ग को आधार मानते हुए छात्रवृत्ति स्वीकृत की है, जिससे अधिक से अधिक परिवारों को लाभ मिल सके। साथ ही समाज द्वारा संचालित स्कूलों के अलावा भी भीलवाड़ा में संचालित सभी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि 108 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं इनमें से 73 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल राशि लगभग 5,41,000 रुपए है। नगर अध्यक्ष केदार गगरानी ने बताया कि नगर सभा और भामाशाहो के सहयोग से वर्ष 2023-24 की छात्रवृत्ति के चेक वितरित किये गए। साथ ही नगर माहेश्वरी सभा के पदाधिकारी की मीटिंग में निर्णय लिया गया कि 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत अल्प आय वर्ग के परिवारों को जिनके एक परिवार में तीन कन्याएं होने पर तीनों छात्राओ को छात्रवृत्ति स्वीकृत की जाएगी। छात्रवृत्ति वितरण के दौरान महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, महासभा कार्यसमिति सदस्य कैलाश कोठारी, राधेश्याम सोमाणी, जगदीश कोगटा, जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती ने चेक वितरित किए। इस मौके पर नगर माहेश्वरी सभा के संरक्षक केदारमल जागेटिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतुल राठी, उपाध्यक्ष अभिजीत सारडा, दिनेश पेड़ीवाल, महावीर समदानी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर वेबीनार का आयोजन

हिसार। उत्तरांचल कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर वेबीनार का आयोजन गत 3 सितंबर को उत्तरांचल की सभी प्रदेश सभाओं के कार्यकर्ताओं के लिए हरियाणा पंजाब हिमाचल जम्मू-कश्मीर प्रादेशिक सभा द्वारा किया गया। इसमें दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश व हरियाणा पंजाब से 115 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कलंत्री ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का महत्व बतलाया। महासभा सभापति संदीप काबरा ने अपने संबोधन में सभी कार्यकर्ताओं का समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आव्हान किया। अजय काबरा ने अपने मार्गदर्शन में सभी कार्यकर्ताओं को जोड़कर कार्य को गति देने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्रमुख राजेश चांडक सभी कार्यकर्ताओं को समझाया कि समाज कार्य के लिए समय देना हम सभी की जवाबदारी है व समाज में प्रत्येक कार्यकर्ता का स्थान महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय महिला प्रशिक्षण प्रमुख डॉ. नम्रता बिहानी इंदौर ने कार्यकर्ताओं के गुण, कार्यकर्ताओं की विशेषता और उनके दायित्व इस विषय पर मार्गदर्शन दिया। उत्तरांचल के उपसभापति विनीत केला ने सभी को प्रेरित किया व उत्तरांचल के संयुक्त मंत्री ओम तापड़िया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन हरियाणा पंजाब के सचिव जगदीश मंत्री ने किया।

वैश्य महासम्मेलन की बैठक सम्पन्न

धार। वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई की गत 27 अगस्त को बैठक का आयोजन यश कॉलेज बदनावर में किया गया। इसमें जिले एव तहसील पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी कमल अजमेरा वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन विस्तार प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष अनंत अग्रवाल, महेश महेश्वरी प्रदेश महामंत्री, जिला अध्यक्ष विजय मेहता, युवा संभाग प्रभारी राजेश अगाल, महिला संभाग अध्यक्ष सरोज सोनी, महिला जिला अध्यक्ष रेखा मेहता, वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश के साथ राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेश अग्रवाल, जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी, तहसील अध्यक्ष अरुण सुंदेचा आदि उपस्थिति थे।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, मुंबई के तत्वावधान में मेवाड़ माहेश्वरी मंडल भीलवाड़ा द्वारा सितम्बर माह के प्रथम रविवार 3 सितम्बर को 21वां मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम एक बजे से चार बजे तक माहेश्वरी भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में आयोजित हुआ। रमेश राठी जिला मंत्री, रामनिवास डाड ट्रस्टी माहेश्वरी समाज सम्पति ट्रस्ट, सुरेश जाजू प्रदेश कार्यकारी मंडल सदस्य, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, सुनील मूंदड़ा व ओम प्रकाश मालू आदि ने शुभारंभ किया। कार्यक्रम के अंत में सम्पत माहेश्वरी व श्रवण समदानी ने सबका आभार व्यक्त किया।

अलवर-भरतपुर जिला सभा का गठन

अलवर। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष जुगल किशोर सोमानी के निर्देशानुसार अलवर-भरतपुर जिला सभा का गठन किया गया। ओ.पी. माहेश्वरी भरतपुर को अध्यक्ष एवं आनंद माहेश्वरी अलवर को मंत्री मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी में संजय माहेश्वरी-भरतपुर अर्थमंत्री, संगठन मंत्री-अनुज कालानी, अलवर, उपाध्यक्ष-गोविन्द किशोर माहेश्वरी-भरतपुर भरतराम माहेश्वरी-थानागाजी, संयुक्त मंत्री-मुकेश कुमार माहेश्वरी-भरतपुर व दीपक माहेश्वरी कार्यसमिति सदस्य चुने गये।

मीरा की भक्ति गाथा का आयोजन

नागपुर (महाराष्ट्र)। तेजस्विनी मंच द्वारा कृष्ण भक्त मीरा के जीवन पर 'बसो मेरे नैनन में नंदलाल' संगीतमय नाटिका का आयोजन वसंतराव देशपांडे हॉल में किया गया। इस नाटिका का लेखन व निर्देशन किरण कल्पना क्रिएशन द्वारा किया गया। लगभग 50 कलाकारों ने इस नाटिका का सजीव चित्रण किया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि डीसीपी अर्चित चांडक एवम जिला परिषद की सीईओ सौम्या चांडक द्वारा किया गया। तत्पश्चात अखिल भारतीय माहेश्वरी संगठन के विविध पदों पर विजयी रहे शरद सोनी, दिनेश राठी, हिमांशु चांडक एवम सुषमा बंग का सत्कार किया गया। अंजु मंत्री, सोनल चांडक, निशी सांवल, शीतल मूंधड़ा, पूनम झंवर, लीना भट्टड, दीप्ति सांवल, कल्पना मोहता, किरण मुंदड़ा, स्नेहल चांडक आदि ने सहयोग दिया।

सोता है शरीर लेकिन जागती है आत्मा, सुमिरण में बैठो मिल जायेगा परमात्मा, माया का बाजार है ये जग, कदम-कदम पर धोखा है करो कमाई, नाम की यही सुनहर मौका है।

नंदोत्सव का हुआ आयोजन

नावां कुचामन। मिश्रों के मोहल्ले में स्थित राम लक्ष्मण मंदिर में माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नंदोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नावां कुचामन महेश्वरी समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा थे। नंदोत्सव में रेखा बियानी एवं रुचिका कांकाणी ने कृष्ण एवं राधा बनकर नृत्य किया। इस अवसर पर नवयुवक मंडल अध्यक्ष मोहित धूत, महिला मंडल अध्यक्ष प्रियंका बियानी एवं नावां कुचामन माहेश्वरी समाज अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा ने मिलकर केक काटा। मालती धूत, मंजू धूत, हेमा लड्ढा सहित कई माहेश्वरी समाज की महिलाएं उपस्थित रहीं।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर संपन्न

सूरत। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 8 सितंबर को कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर प्रेरणा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गुजरात प्रांत अध्यक्ष मंजूश्री काबरा थी। मुख्य वक्ता इंदौर से आयी अष्ट सिद्धा समिति की प्रभारी नम्रता बियाणी, वापी से मंगल मरदा (राष्ट्रीय विधान समिति प्रभारी), विमला साबू (राष्ट्रीय भूतपूर्व अध्यक्ष) थी। प्रशिक्षण शिविर में पदाधिकारी के दायित्व एवं महत्व, प्रोटोकॉल एवं विधान, श्रंखलाबद्ध संगठन, रिपोर्टिंग एवं समिति के कार्य, नेतृत्व के गुण, प्रभावी संवाद, समय प्रबंधन एवं टीमवर्क इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें प्रोग्राम में युवा शक्ति को समाज में जोड़ने के लिए 35 युवतियों को सम्मानित किया। नारी की भूमिका नुक्कड़ नाटिका नीरू साबू के मार्गदर्शन में प्रस्तुत की गई। शिविर में गुजरात प्रांत की कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर की प्रभारी वंदना दम्मानी भरूच व कौशल्या लड्ढा बडौदा आदि का सहयोग प्राप्त हुआ। आभार विधि वंदना भंडारी ने माना। जानकारी अध्यक्ष वीणा तोषनीवाल व सचिव प्रतिभा मोलासरिया ने दी।

झूला उत्सव का आयोजन

रतनगढ़। सावन मास के शुभ अवसर पर रतनगढ़ माहेश्वरी महिला मण्डल ने राधा कृष्ण जी के मंदिर में हरियाली झूला उत्सव लड्डू गोपाल के साथ बड़ी धूमधाम से मनाया। इस मौके पर लड्डू गोपाल को झूला झुलाया गया। महिलाओं द्वारा अलग-अलग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर महिला मण्डल की अध्यक्ष मंजु देवी लढ़ा, मंत्री जयश्री जाजू, जिला उपाध्यक्ष चंदा देवी सोनी, जिला सयुक्त मंत्री सरिता चांडक, दिव्य ज्योति लढ़ा, रूपाली लढ़ा, सुनीता झँवर, शारदा झँवर, कृष्णा लढ़ा, मंजु पेडिवाल, पूर्णिमा लढ़ा सहित कई महिलायें उपस्थित थी।

गट्टानी बने महासभा के समिति सदस्य

भोपाल। सक्रिय सदस्य एवं ख्यातिनाम व्यंग्य कवि राजेन्द्र गट्टानी को साहित्यकार के रूप में एक माह में तीसरी उपलब्धि प्राप्त हुई है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा उन्हें माहेश्वरी इतिहास एवं साहित्य संकलन समिति में सदस्य मनोनीत किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस समिति में देशभर से कुल 6 सदस्य हैं, जो महासभा कार्यकारी मण्डल में स्थायी आमंत्रित सदस्य रहेंगे। तीसरी उपलब्धि है इंदौर की प्राचीन संस्था 'श्री साहित्य सभा इंदौर' द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित 30 साहित्यकारों में राजेन्द्र गट्टानी का होना। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी 'श्री माहेश्वरी टाइम्स' में 'खरी-ख़री' कॉलम के स्थायी रचनाकार हैं।

युवा संगठन के निर्वाचन सम्पन्न

इंदौर। श्री माहेश्वरी युवा संगठन हाईवे क्षेत्र सत्र 2023-2026 की निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें निर्वाचन अधिकारी वासुदेव मालू व सहायक निर्वाचन अधिकारी विकास माहेश्वरी थे। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष-मोहित बाहेती, उपाध्यक्ष-संकेत बाहेती, उपाध्यक्ष-अमित लाहोटी, सचिव-आयुष गट्टानी, कोषाध्यक्ष-रवि सोढाणी, सह-सचिव-शुभम सोमानी, सह-सचिव - प्रीतिका बाहेती, संगठन मंत्री-अनुज लाहोटी, सांस्कृतिक मंत्री-आस्था चांडक व प्रचार मंत्री-माधव भक्कड़ आदि चुने गये।

निःशुल्क मेगा जांच एव परामर्श शिविर

रतनगढ़। माहेश्वरी सभा ट्रस्ट ने माहेश्वरी भवन के प्रांगण में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। इसमें विभिन्न रोगों के मरीजों की जांच विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा की जाकर उनकी विभिन्न जांचे निःशुल्क कर रोगियों को आवश्यकता अनुसार परामर्श दिया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रतनगढ़ कन्हैयालाल पारीक, विशिष्ट अतिथि राजस्थान रोडवेज की उपमहा प्रबंधक अनुपमा सारस्वत, माहेश्वरी समाज के उत्तरी राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष रजनीकांत सोनी, जिला अध्यक्ष नरेश पेड़ीवाल, कोषाध्यक्ष नरेंद्र झवर, चिकित्सालय निदेशक सुभाषचंद्र, देवीलाल बालान, डॉ. मनोहर भाटिया, चित्रेश चाहर ने किया। शिविर में माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष मंजू लढा, युवा मंडल अध्यक्ष पूर्णिमा लढा, सरिता चांडक, चंदा सोनी, कृष्णा जाजू, सुनीता झंवर, शारदा झंवर, राकेश जाजू, रामोतार चांडक, महेश जाजू, प्रदीप लड्ढा, अर्चित झंवर आदि ने सेवाए दी।

धार्मिक यात्रा का किया आयोजन

जयपुर। गत 20 अगस्त को शिवाड़ श्री घुश्मेश्वर महादेव ज्योतिर्लिंग एवं डिग्गी श्रीकल्याण धणी की धार्मिक यात्रा का बसों द्वारा आयोजन किया गया। व्यवस्थाओं में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र बजाज, मंत्री गोविंद परवाल, कोषाध्यक्ष राधेश्याम काबरा, उत्तर पूर्व राजस्थान क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष रामावतार आगीवाल, राधेश्याम सोढ़ानी, कन्हैयालाल छापरवाल आदि ने सहयोग दिया।

अपनों का दिया समाज ने साथ

मथुरा। समाज सदस्य गिरिराज श्री रतन झंवर गत 29 अगस्त को मथुरा से चेन्नई के लिए GT Exp से आ रहे थे। रास्ते में ट्रेन में उनका देहांत हो गया। ट्रेन से उनकी बॉडी को बेल्लमपल्ली स्टेशन पर उतार दिया गया। चेन्नई में गोपाल झंवर एवं सुशील झंवर द्वारा कमल गोयदानी से संपर्क कर इस घटना से अवगत कराया गया। कमल गोयदानी ने अपने दामाद विजय राठी (अध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच, कोतागुडम) से संपर्क किया। इस पर उन्होंने बेल्लमपल्ली माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष ओम मारू को पूर्ण जानकारी दी। तत्पश्चात बेल्लमपल्ली माहेश्वरी समाज एवं मारवाड़ी युवा मंच के कार्यकर्ताओ ने इस कार्य में अपना पूरा सहयोग दिया। झंवर परिवार ने यह निर्णय लिया कि उनका अंतिम संस्कार बेल्लमपल्ली में ही करेंगे। अतः 30 अगस्त को बेल्लमपल्ली में समाजजन ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर झंवरजी का अंतिम संस्कार विधिवत करने में सहयोग दिया।

पं. मेहता के प्रवचन का हुआ आयोजन

इंदौर। इंसान की सबसे बड़ी पराजय तब होती है जब वह खुद से हारता है, आपको दूसरा कोई नहीं हरा सकता है। उक्त उद्‌बोधन पंडित विजय शंकर मेहता द्वारा काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ, ईर्ष्या षडरिपु विषय पर व्याख्यान देते हुए दिया। कार्यक्रम का आयोजन माहेश्वरी महिला संगठन संयोगितागंज द्वारा माहेश्वरी भवन नवलखा पर किया गया। महिला संगठन सचिव अर्चना भूतड़ा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम संयोजक विभा राठी, अर्चना करवा, सीमा परवाल, माहेश्वरी समाज संयोगितागंज अध्यक्ष गोपाल लाहोटी, महिला संगठन अध्यक्ष नीलम काबरा, महेश सार्वजनिक ट्रस्ट अध्यक्ष सुभाष राठी, युवा संगठन अध्यक्ष भरत डागा, सखी संगठन अध्यक्ष भावना लाहोटी ने की। कार्यक्रम का संचालन अर्चना भूतड़ा ने किया। पं. मेहता का शाल श्रीफल से अभिनंदन रूपा सुनील माहेश्वरी ने किया। स्वागत उदबोधन महिला संगठन अध्यक्ष नीलम काबरा ने दिया। आभार विभा राठी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में गीता मुंदड़ा, सुशीला काबरा, वीणा सोमानी, शोभा माहेश्वरी, नम्रता बियाणी, पश्चिमांचल अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी, इंदौर जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष रामस्वरूप धूत, मंत्री मुकेश असावा, उपाध्यक्ष सत्यनारायण मंत्री सहित बड़ी संख्या

नवयुवक मंडल डेगाना को भामाशाह सम्मान

डेगाना। प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा उदयपुर जिला स्तरीय भामाशाह एव प्रेरक सम्मान समारोह का आयोजन राजकीय गुरु गोविंद सिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय उदयपुर में हुआ। माहेश्वरी समाज के राकेश करवा ने बताया कि उदयपुर जिला स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में माहेश्वरी नवयुवक मण्डल डेगाना को भामाशाह सम्मान से नवाजा गया। मुख्य अतिथि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा उदयपुर पुष्पेन्द्र शर्मा, विशिष्ट अतिथि विवेक कटारा, स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज कुमार पटेल ने माहेश्वरी नवयुवक मण्डल डेगाना के अध्यक्ष राकेश खटोड़, सचिव आकाश करवा कोषाध्यक्ष अमित दरक, पवन खटोड़, भावना सोनी व खुशी बल्दवा का प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर मेवाड़ी पगड़ी व मालाओं द्वारा स्वागत किया। सभी अतिथियों ने इतने दूर से आकर आदिवासी अंचल के स्कूलों में सामग्री वितरण करने पर भामाशाहों का आभार व्यक्त किया।

बजाज बने अध्यक्ष

रायपुर। आयकर बार एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा में स्व. श्री जीवन बजाज के सुपुत्र हरीश बजाज अध्यक्ष चुने गये। एसोसिएशन में 620 सदस्य हैं। इसके पहले आप माहेश्वरी युवा मंडल, रायपुर के अध्यक्ष एवं रायपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वर्तमान में रायपुर जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य हैं।

श्रावण में हुआ रुद्राभिषेक

कोंठाली। श्री भगवान महादेवजी व रामजी के आशीर्वाद से श्रावण एवं अधिक मास में सार्वजनिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट कोंढाली में दैनिक श्री रामचरितमानस के एक मास परायण के पठन का आयोजन किया गया। उसी मनोरथ की पूर्णाहुति हेतु 30 अगस्त को रुद्राभिषेक एवं पंचोपचार पूजा कर सुंदरकांड का पाठ एवं श्री रामचरितमानस के 30 वें मासपरायण का पठन कर महाआरती का आयोजन किया गया। अंत में प्रसादी का भी वितरण किया गया। श्री सार्वजनिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट कोंढाली का इसमें विशिष्ट योगदान रहा।

सारडा का हुआ सम्मान

हैदराबाद सिकंदराबाद। जिला माहेश्वरी सभा के कार्यालय मंत्री एवं माहेश्वरी समाज महाराजगंज के अध्यक्ष रामदेव सारडा का सम्मान सोलापुर चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजू राठी ने किया।

हरियाली तीज उत्सव संपन्न

अनूपपुर। माहेश्वरी महिला मंडल शहडोल संभाग का हरियाली तीज महोत्सव अनूपपुर में संपन्न हुआ। इसमें शहडोल संभाग अंतर्गत शहडोल, अनूपपुर, अमलाई, जैतहरी, बुढार, धनपुरी की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सभी महिलाओं का बियानी परिवार की महिलाओं ने रोली का टीका लगाकर स्वागत, वंदन, अभिनंदन किया। बियानी परिवार की महिलाओं किरण बियानी, सरोज बियानी, संध्या बियानी, मंजू बियानी, जयश्री बियानी एवं राधिका बियानी द्वारा पूरा कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। इस अवसर पर जिला शहडोल के अंतर्गत एक नई इकाई का गठन किया गया, जिसमें अनूपपुर, अमलाई, बुढार, धनपुरी, जैतहरी को मिलाकर इकाई गठित की गई। नई कमेटी में अध्यक्ष-शशि इनानी अमलाई, उपाध्यक्ष-जया जाजू, सचिव- मधु जाजू अमलाई, सह सचिव- राधिका बियानी अनूपपुर, सांस्कृतिक सचिव- प्रिंसी मूंदड़ा अमलाई, सह सांस्कृतिक सचिव-जयश्री डागा धनपुरी, कोषाध्यक्ष- प्रीति झंवर अमलाई प्रमुख हैं।

युवा संगठन की कार्यकारिणी गठित

चंद्रपुर। गत 3 सितम्बर को महेश भवन में चंद्रपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए, जिसमें चुनाव अधिकारी मनीष बजाज एवं चुनाव पर्यवेक्षक यवतमाल के कमल बागड़ी थे। इनके मार्गदर्शन में जिला अध्यक्ष ऋषिकांत जाखोटिया और जिला सचिव रुपेश राठी निर्विरोध चुने। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष दामोदर सारडा, विदर्भा प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के खेल मंत्री दीपक सोमानी, चंद्रपुर जिल्हा माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष शिव सारड़ा आदि की उपस्थिति थी। संचालन तत्कालीन सचिव पीयूष माहेश्वरी व आभार प्रदर्शन रुपेश राठी ने किया।

जो दूसरों को इज्जत देता है असल में वो खुद इज्जतदार होता है। इंसान दूसरों को वही दे पाता है जो उसके पास होता है।

समाज की विशाल कावड़ यात्रा संपन्न

देवास। प्रथम बार समाज की विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई। संयोजक दिनेश एम. भूतड़ा एवं राजकुमार भूतड़ा ने बताया कि कावड़ यात्रा के पूर्व सभी को चंदन का त्रिकुंड लगाया गया था। कावड़ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर भोलेनाथ मंदिर पर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर समाज के जिलाध्यक्ष कैलाश डागा, महामंत्री प्रकाश मंत्री, नगर अध्यक्ष मनोज बजाज, सचिव अनिल झंवर, पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद दाड़ एवं ओमप्रकाश भूतड़ा, महिला संगठन की जिलाध्यक्ष मंगला परवाल, अखिल भारतीय युवा संगठन सदस्य अभिषेक लाठी आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। भजन गायक द्वारका मंत्री ने भजनों की प्रस्तुति दी।

राखी स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

नावां। ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय महाविद्यालय में राखी स्नेह मिलन कार्यक्रम मनाया गया। इसमें जयपुर से आई राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुषमा दीदी एवं चंद्रकला दीदी द्वारा राखी बांधी गई। माहेश्वरी समाज नावां कुचामन अध्यक्ष सत्यनारायण लड्ढा द्वारा जयपुर से आयी अतिथि दीदियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

सावन की सैर का हुआ आयोजन

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सावन की सैर यात्रा निजामाबाद से इगतपूरी व बंडदरधारा तक धूमधाम से संपन्न हुई। कार्यक्रम संयोजक- धीरज मालू एवं अनुराग सोमानी थे। यात्रा 25 अगस्त 2023 को निजामाबाद से प्रारंभ हुई थी जो 28 अगस्त 2023 को संपन्न हुई।

जिला महिला संगठन की प्रथम बैठक संपन्न

उज्जैन। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यकारिणी बैठक तराना में विगत 12 सितंबर 2023 को संपन्न हुई। स्वागत उद्बोधन ज़िला अध्यक्ष सीमा मालपानी एवं तराना अध्यक्ष कुसुम मंत्री ने दिया। सचिव रिपोर्ट मनीषा राठी एवं कोष रिपोर्ट किरण डोडिया ने प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि रिटायर्ड शिक्षिका चंदन गगरानी थी। विशेष अतिथि प्रदेश अध्यक्ष ऊषा सोढ़ानी एवं अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति की प्रादेशिक संयोजिका रचना झंवर देवास थीं। प्रदेश समिति संयोजिका द्वारा नेतृत्व एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण, मनोरंजक गेम्स और एक्टिविटी से किया। इसके अंतर्गत अध्यक्ष-सचिव के कार्य, टीम वर्क और प्रोटोकाल की विधिवत व्यवस्थित जानकारी दी गई। सखी मण्डल द्वारा विवाह और परिवार के महत्व पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम की समीक्षा के साथ कोषाध्यक्ष के कार्य और रिपोर्टिंग संबंधी जानकारी प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दी गई। ज़िले में अभी तक हुई प्रतियोगिताओं के पुरस्कार प्रशस्तिपत्र के साथ दिये गये। संचालन प्राची बाहेती और सपना जाजू ने किया। ज़िले की ओर से आभार उपाध्यक्ष ज्योति पलोड और स्थानीय सचिव सुनंदा डोडिया ने माना। इस अवसर पर शिक्षिकाओं चंदन गगरानी व ज्योति सोमानी को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया। साथ ही तराना युवा संगठन के अध्यक्ष एवं सचिव का भी सम्मान किया गया। उक्त जानकारी अध्यक्ष सीमा मालपानी व सचिव मनीषा राठी ने दी।

गुरुकुल का हुआ आयोजन

कानपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत अष्टसिद्धा-व्यक्तित्व विकास व नेतृत्व प्रशिक्षण समिति द्वारा 5 सितंबर, 2023-शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर ''पीएसटी ट्रेनिंग प्रोग्राम-गुरुकुल'' जूम प्रांगण पर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया। प्रमुख वक्ता के रूप में निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष- आशा माहेश्वरी ने अध्यक्ष की भूमिका एवं जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय प्रकल्प-विधान समिति की प्रभारी मंगल मर्दा द्वारा कार्य समिति की भूमिका एवं जिम्मेदारी जैसे गूढ़ विषय पर प्रकाश डाला गया। समिति प्रभारी नम्रता बियाणी द्वारा रिपोर्टिंग जैसे अति आवश्यक विषय पर जानकारी दी। सभी वक्ताओं के उद्बोधन के पश्चात प्रश्नोत्तरी सेशन रखा गया। ऑडियंस के प्रश्नों का लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, आशा माहेश्वरी, मंजू बांगड़, ज्योति राठी, मंगल मर्दा, मधु बाहेती एवं नम्रता बियानी द्वारा उचित समाधान किया गया। उत्तरांचल सह प्रभारी डॉ. उर्वशी साबू द्वारा मंच संचालन किया गया। संगठन मंत्री ममता मोदानी द्वारा आभार प्रकट किया गया।

हिण्डोला उत्सव का हुआ आयोजन

उदयपुर। माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा निजी आवास पर सावन व अधिक मास के उपलक्ष्य में हिण्डोला उत्सव व पौधारोपण किया गया। आशा नरानीवाल ने बताया कि सभी महिलाऐं हरे वस्त्र पहन कर आयी, झूला सजाया व भजनों पर झूमते हुए नृत्य किया। संरक्षक कौशल्या गटरानी व जनक बाँगड़ के सान्निध्य में कार्यक्रम आयोजित हुए। सदस्याओं ने औषधिक पौधे भी लगाये। पूर्व अध्यक्ष सरिता न्याती जिला अध्यक्ष मंजू गाँधी, सीमा मंत्री कला गटरानी, रेणु मुन्दडा, राजकुमारी, उमा काबरा भगवती, रमा जागेरिया व सभी सदस्याऐं मौजूद थीं।

महेश अन्न सेवा का आयोजन

जयपुर। श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के भामाशाहों द्वारा जरूरतमंद बन्धुओं के सेवार्थ ''महेश अन्न सेवा'' द्वारा 21 सितम्बर को जे. के. लॉन हास्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर 450 जरूरतमंद लोगों को भोजन प्रसादी व मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष केदारमल भाला, महामंत्री मनोज मूंदड़ा, अर्थमंत्री रविन्द्र झंवर, रामअवतार अजमेरा, किशन राठी, राजरतन पटवारी, कौशल सोनी, अनुपम लोईवाल व सत्यनारायण काबरा (जे.डी.सुपारी) एवं परिवार सहित समाज के कई गणमान्य व प्रबुद्धजन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सातुड़ी तीज पर अखण्ड सौभाग्य की कामना

माहेश्वरी समाज ने अपना विशिष्ट पर्व सातुड़ी तीज पूरे उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर परम्परागत आयोजनों के साथ ही संस्कृति के दर्शन भी हुए। इस अवसर पर मनोरंजक आयोजन के साथ तीज सिंजारा का आयोजन हुआ।

भीलवाड़ा। अखंड सौभाग्य व सुहाग की प्रतीक कजली तीज को लेकर बसंत विहार गांधीनगर माहेश्वरी क्षेत्रीय सभा के तत्वाधान में महिला मंडल की ओर से सिंजारे का कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष शोभा राठी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। संगठन मंत्री ज्योति माहेश्वरी ने बताया कि महिलाओं ने एक से बढ़कर पारंपरिक गीत गाये व अंताक्षरी खेली। कार्यक्रम में राधेश्याम चेचाणी, कैलाश कोठारी, जगदीश कोगटा, राधेश्याम सोमानी, अनिल बागड़, सुरेश कचोलिया, अशोक बाहेती, देवेंद्र सोमानी, सुशील मारोठिया, केदार गगरानी, संजय जागेटिया आदि मौजूद रहे। सत्येंद्र बिरला, राजेंद्र प्रसाद बिरला, पवन मंत्री, दिनेश सोमानी, मनीष अजमेरा, सौरभ माहेश्वरी, पवन राठी सहित सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

गुलाब बाग (झारखंड)। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा धूमधाम से तीज सिंधारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुलाब बाग व पूर्णिया की सभी सदस्याऐं व बच्चे शामिल हुए। सभी सदस्याओं का तिलक लगाकर, हरी चूड़ी पहना कर फूलों से स्वागत किया गया। सभी सासू माँ की 1 मिनट का श्रृंगार प्रतियोगिता में विजेता राखी बजाज, सरस्वती लोहिया, सुलोचना राठी रही। बहुओं के लिए कुल सासू माँ प्रतियोगिता में हेमा लोहिया और प्रिया मालपानी को विजेता घोषित किया गया। बलून गेम और हाउजी के सभी विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। प्रदेश संगठन मंत्री संतोष बजाज, पूर्णिया अंचल उपाध्यक्ष राधा मारू, अध्यक्ष प्रभा सारडा, सचिव मधु बजाज, उषा मालपानी, लक्ष्मी बिहानी, सीता लोहिया, सबीता लखोटिया आदि सहित लगभग 80 महिलाओं ने सिंजारा का आनंद लिया।

कोयंबटूर। गत 26 अगस्त को स्थानीय सुरभि महिला मंडल के अंतर्गत तीज पर्व के सिंजारे का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में हुआ। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज की लगभग 50 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया। सभी महिलाओं ने कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगताओं में भाग लिया। इस कार्यक्रम की मेज़बानी मंडल की सदस्या सीता काकाणी, विमला सोनी, तारा भट्टड़, उर्मिला काकाणी, सुनीता भट्टड़ और शिल्पा भट्टड़ द्वारा की गई।

राजसमंद। श्री महेश प्रगति संस्थान राजसमंद के सिंजारा व सातूडी तीज महोत्सव का आयोजन रामेश्वर महादेव मंदिर पर किया गया। महोत्सव मे महिलाओं द्वारा लहरिया क्वीन, ग्रुप डांस, हाउजी गेम का आयोजन किया गया। समारोह में विधायक दीप्ति माहेश्वरी, अखिल भारतीय महासभा के सत्यप्रकाश काबरा, रामगोपाल सोमानी, प्रादेशिक केदारमल न्याति, जिला सदस्य लक्ष्मीलाल ईनाणी, भगवतीलाल असावा संगठन मंत्री संस्थान के अध्यक्ष रामगोपाल अजमेरा, सचिव विनोद पोरवाल, किशन न्याति, जगदीश गोपाल मंडोवरा सहित कई समाजजन उपस्थित थे। मंच संचालन राधिका लढ़ा ने किया। उक्त जानकारी समाज मीडिया प्रभारी लक्ष्मीलाल ईनाणी द्वारा प्रदान की गई।

जिंदगी में कुछ खोना पड़े तो ये दो पंक्तियां जरूर याद रखना, जो खोया है उसका गम नहीं और जो पाया है वो भी किसी से कम नहीं।

समाचार

महू। श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सातुड़ी तीज उत्सव मनाया गया। गोपाल मंदिर धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान महिलाएं की सोलह श्रृंगार, पूजा की थाली, लड्डु गोपाल की सवारी सजाओ तथा मेहंदी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इस दौरान तरुणी मंडल के सदस्यों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुत किया। निर्णायक डॉ. निधि श्रीवास्तव, हेमा चोपड़ा थी। इस दौरान सचिव रजनी सोढानी, शकुंतला ढोली, साधना माहेश्वरी, पद्मा सोढानी, किरण माहेश्वरी, संगीता सोढानी, रमिला मालानी आदि मौजूद रहे। संचालन महिला मंडल अध्यक्ष स्वाति शारदा ने किया व आभार सचिव रजनी माहेश्वरी ने माना।

इंदौर। माहेश्वरी महिला संगठन संयोगितागंज इंदौर द्वारा सत्तू बनाकर निर्जल व्रत के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने सत्तू डेकोरेशन प्रस्तुत किया एवं रिश्ते की नोंकझोंक के साथ प्रश्न उत्तर, गेम्स खिलाये गए। संयोजक शशि झंवर, राखी काबरा, जया झंवर, दीपिका राठी ने कार्यक्रम संचालित किया। अध्यक्ष नीलम काबरा द्वारा सभी का अभिनंदन किया गया। अतिथि ज्योति तोतला एवं निर्णायक के रूप में विजया इंडानी, मनिषा पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में इंदौर जिला अध्यक्ष डिंपल माहेश्वरी, मीनाक्षी नवाल, सुमन सारडा, दमयंती मनियार, पुखराज मंडोवरा, अर्चना माहेश्वरी, मनोरमा झंवर, आशा भंडारी सहित करीब 130 महिलाओं की उपस्थिति रही।

चिंतन

इस सृष्टि प्रकृति का शाश्वत नियम है कि जो आता है उसे एक दिन वापस जाना है। हम सबको कुदरत ने अपने पिछले जन्मों के संचित कर्मों, प्रारब्ध के अनुसार जन्म दिया है। इस जन्म में हम अपने अच्छे बुरे कर्मों अनुसार अपने पूर्व संचित कर्मों को काटते हुए नये कर्मों के प्रारब्ध की रचना कर सकते हैं।

मोक्ष की ओर हमारे क़दम

शरद गोपीदास बागड़ी
नागपुर

आज के समय में हम सब काम डिजिटल, लैपटॉप, मोबाइल पर करते हैं। हमारा सारा डिजिटल डाटा हमारे मोबाइल लैपटॉप में सेव हो जाता है और हम जब हमारा गैजेट बदलते हैं तो हमारा मेमरी कार्ड, (चीप) पुराने गैजेट से निकाल कर नये गैजेट में अपलोड कर देते हैं। उसी तरह हम जीवन में जो भी सोचते, विचार करते हैं, क्रिया-कर्म करते हैं, हमारी सूक्ष्म से सूक्ष्म क्रिया, सोच-विचार हमारे दिमाग "चीप" (2 प्रतिशत) "मेमरी कार्ड" में संचित हो जाती है। जब हम देह प्राण त्यागते हैं, तब हमारा शरीर (98 प्रतिशत) अग्नि में जलाकर पंचतत्व में विलीन हो जाता है लेकिन 2 प्रतिशत हमारे सारे कर्म, क्रिया, सोच-विचार, सृष्टि, कुदरत भगवान के बनाए "चीप-मेमोरी कार्ड" में संचित रहता है। शास्त्रों में बताया गया है कि हमारे जन्मों-जन्मों के किये हुए कर्म हमारे साथ रहते हैं, पीछा नहीं छोड़ते अर्थात सब कुछ "चीप-मेमोरी कार्ड" में संचित रहते हैं।

सभी कुछ प्रारब्ध का फल

जब हमारा नया जन्म होता है तो पुराने जन्मों का सारा कर्म, सोच, विचार "चीप-मेमोरी कार्ड" के माध्यम से हमारे नये जन्म के शरीर में अपलोड हो जाता है और इसी को संचित कर्म प्रारब्ध कहते हैं। यह कुदरत का बिना किसी भेदभाव, स्वचालित, बाधारहित Automatic, Natural, Uninterapted, Unbiased Process है। हम इस जन्म में अपने पिछले जन्मों के सारे पुराने कर्ज, कर्मों का हिसाब रिश्ते नाते के रूप में चुकाने आये है। जीवन में हम अनुभव करते हैं कि हमनें सबसे अच्छा व्यवहार किया, किसी का कभी बुरा करना तो दूर की बात है कभी किसी का बुरा सोचा भी नहीं फिर भी लोगों ने हमसे बुरा व्यवहार किया, हमारा अपमान किया, हम पर मिथ्या झुठे इल्जाम लगाये। हम सोचने को मजबूर हो जाते हैं कि ऐसा हमारे साथ क्यों हो रहा? कभी-कभी हम भी बुराई का जबाव बुराई से देकर नादानी वश जाने अनजाने में अपना नया कार्मिक खाता खोल लेते हैं।

स्वेच्छा से स्वीकारें ईश्वर इच्छा

जीवन में हमको जो भी मिलता है उनसे हमारा लेनिया/देनिया होता है। अनायास कुछ नहीं होता। हम इस बात को स्वीकार कर समझ लें। जीवन में जो भी अच्छा, बुरा, मान- अपमान होता है उसे ईश्वर की मर्जी, हमारा प्रारब्ध समझकर बिना किसी प्रतिक्रिया स्वीकार लें। हमारे साथ जो भी अच्छा, बुरा हो रहा उसके लिए किसी को दोष नहीं दें, हमारे साथ होने वाले हर व्यवहार को और हमारे द्वारा किए जाने वाले हर व्यवहार, कार्यों को "कृष्णार्पण" करते हुए चलें तो धीरे-धीरे हमारा "मेमोरी काड- चीप" खाली हो जायेगा (पुराना कर्ज चुक जायेगा)। जीवन में हमारे मन में किसी के लिए कोई राग, द्वेष, बैर, नफरत, तृष्णा, अपेक्षा नहीं और हमने जो कुछ किया या हमारे साथ जो कुछ भी हुआ, सब हमारे ही कर्मों का फल है/था, भगवान की मर्जी से हुआ। हमने सबको क्षमा कर दिया और हमने सबसे क्षमा मांग ली, सब कुछ "कृष्णार्पण" इसे ही "मोक्ष" कहते हैं।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश व उपलोकायुक्त जैसे अति सम्मानजनक व महत्वपूर्ण पदों पर सेवा दे चुके महू निवासी उमेशचंद्र माहेश्वरी वर्तमान में युवा पीढ़ी के लिये प्रेरक बने हुए हैं। इतना ही नहीं वे युवा वर्ग के मार्गदर्शन के साथ विभिन्न सेवा गतिविधियों में भी सतत रूप से अपना योगदान देते रहे हैं।

टीम SMT

उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश

उमेशचंद्र माहेश्वरी

न्यायाधिपति उमेश चंद्र माहेश्वरी का जन्म 02 नवंबर, 1955 को मालवा क्षेत्र के लब्ध प्रतिष्ठित परिवार में श्री रामनारायण माहेश्वरी के कनिष्ठ पुत्र प्रसिद्ध अधिवक्ता एवं समाजसेवी श्री कृष्णगोपाल माहेश्वरी के पुत्र के रूप में हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा श्री माहेश्वरी विद्यालय महू एवं उच्चतर माध्यामिक शिक्षा उच्चतर माध्यामिक विद्यालय महू से संपन्न हुई। इसके बाद शासकीय महाविद्यालय महू से वाणिज्य में स्नातक की उपाधि वर्ष 1974 में एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर की उपाधि वर्ष 1976 में स्वाध्यायी छात्र के रूप में इंदौर विश्वविद्यालय से प्राप्त की, वहीं विधि स्नातक की परीक्षा पी.एम.बी. गुजराती महाविद्यालय इंदौर से वर्ष 1977 में उत्तीर्ण की। इसके पश्चात् अपने पिता श्री कृष्ण गोपाल माहेश्वरी के कार्यालय से उनके सहयोगी अधिवक्ता न्यायाधिपति श्री आशाराम तिवारी के सान्निध्य में विधि व्यवसाय प्रारम्भ किया।

एडवोकेट से न्यायाधीश की यात्रा

श्री माहेश्वरी ने अपने विधि व्यवसाय में अधीनस्थ न्यायालयों से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय तक विधि की विभिन्न शाखाओं में सफलता पूर्वक पैरवी करते हुए जन सामान्य को न्याय दिलाने में सहयोग किया। इस अवधि में लगातार दो बार अभिभाषक संघ महू के अध्यक्ष एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इंदौर के सचिव भी रहें हैं। लगभग 27 वर्षों के लगातार विधि व्यवसाय के पश्चात 11 अक्टूबर 2004 को आपको म.प्र. उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में मनोनीत किया गया। समर्पित सेवा देते हुए 27 जून 2016 को निवृत्त होने तक विभिन्न विषयों के प्रकरणों में न्यायदान की प्रक्रिया में संलग्न रहे। 28 जून 2016 से निरन्तर 06 वर्षों तक उप-लोकायुक्त, मध्यप्रदेश के रूप में सेवाऐं दी है।

शिक्षादान से भी सम्बद्ध

इनका परिवार पीढ़ियों से सामाजिक सरोकार, शिक्षा, जनकल्याण एवं समाज के शोषित पीड़ित वर्ग के उत्थान के लिए सदैव सक्रिय रूप से जुड़ा रहा है। उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अपने दादाजी श्री रामनारायण माहेश्वरी एवं पिता जी श्री कृष्ण गोपाल माहेश्वरी द्वारा पोषित एवं पल्लवित श्री माहेश्वरी विद्यालय महू के अध्यक्ष के रूप में वर्षों सफलता पूर्वक कार्य करते हुए उक्त संस्था को ऊंचाईयों पर स्थापित किया। पिताजी के बाद स्वर्ग मंदिर कन्या महाविद्यालय महू शासी निकाय के अध्यक्ष के रूप में बालिकाओं के लिए शिक्षा का कुशल प्रबंधन किया एवं आर.सी.जाल विधि महाविद्यालय महू में 1987 से वर्ष 2004 तक निरंतर मानसेवी विधि व्याख्याता के रूप में शिक्षण का कार्य किया।

धर्म सेवा में भी तत्पर

इसके साथ ही श्री माहेश्वरी ने राधाकृष्ण गौशाला महू के विकास के लिए कार्य समिति में रहते हुए विकास के महत्वपूर्ण कार्य किये। सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों का सफलता पूर्वक आयोजन किया जिसमें परम पूज्य साध्वी ऋतम्भरा जी की सन् 1996 में महू में सम्पन्न प्रथम श्रीमद्भागवत महापुराण कथा जिसमें मुख्य यजमान आपके पिता श्री कृष्ण गोपाल माहेश्वरी एवं माता भगवती देवी माहेश्वरी थे, का आयोजन अविस्मरणीय है। न्यायाधीश के पद पर पदस्थ होने के पूर्व तक परमशक्तिपीठ वात्सल्य आश्रम कोठी ओंकारेश्वर के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पूज्यनीय साध्वी जी के मार्गदर्शन में समर्पण के साथ आश्रम का कार्य भी संपादित किया।

जरूरतमंद रोगियों व उनके परिजनों के सामने आर्थिक परेशानी के कारण यह स्थिति किसी ऐसी विपदा से कम नहीं होता, जिसके सामने वे अपने आपको असहाय महसूस करते हैं। ऐसे रोगियों को यदि इस स्थिति में किसी का अपनत्वभरा सहारा व सहयोग मिल जाऐ तो सहयोगकर्ता उनके लिये किसी मसीहा से कम नहीं होता। नागपुर निवासी नरसिंगदास मंत्री एक ऐसे ही मसीहा हैं, जिन्होंने निःस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा की लगभग 23 वर्ष पूर्व शुरुआत की थी और उनकी यह सेवा उम्र के 84वें पड़ाव पर भी अनवरत जारी है।

■ टीम SMT

पीड़ित मानवता के मसीहा
नरसिंगदास मंत्री

नागपुर जैसे महंगे शहर में मध्यभारत के हजारों लोग विविध बीमारियों का इलाज कराने आते हैं। ऐसे गरीब जरूरतमंद सहित सभी वर्गों की सुविधा के लिए समाजसेवी नरसिंगदास मंत्री टेकड़ी रोड माहेश्वरी भवन के पीछे सीताबर्डी में 70 बिस्तरों वाले राधाकृपा अतिथिगृह का संचालन अतिथि देव भव की भावना को ध्यान में रखकर कर रहे हैं। यहां धर्मार्थ दवाखाना भी है जहां निःशुल्क व बहुत ही कम शुल्क में विविध जांच व इलाज की सुविधा भी उपलब्ध है। व्यापार में सफलता का परचम लहराने के पश्चात नरसिंगदास मंत्री ने समाज के प्रति अपना दायित्व निभाने का ऐसा रास्ता चुना जो नागपुर ही नहीं बल्कि मध्यभारत में समाज के लिए एक मिसाल बन गया है। इतना ही नहीं वे निःशुल्क चिकित्सालय तो वर्ष 2000 से ही संचालित कर रहे हैं।

लोगों की परेशानी से उपजी सोच

नरसिंगदास मंत्री का जन्म मध्यप्रदेश के हरदा गांव में हुआ लेकिन उनकी संपूर्ण शिक्षा नागपुर में हुई। कला निकाय में उन्होंने ग्रेज्युएशन किया और फिर नौकरी में लग गए। वर्ष 1962 से 1984 तक वे नौकरी करते रहे फिर सोचा खुद के भरोसे कुछ खास किया जाए अन्यथा नौकरी करते ही जीवन बीत जाएगा। नौकरी छोड़ी और कारोबार में उतर गए। सफलता दर सफलता पायी और उन्हें अपने समाज के लिए कुछ करने की इच्छा जागृत हुई। उन्होंने महसूस किया कि नागपुर शहर देश के मध्यम बसा होने के कारण मध्य भारत से लोग इलाज कराने आते हैं लेकिन महंगा शहर होने के कारण मरीजों की विविध जांच, अस्पताल खर्च, दवा खर्च के साथ ही रहने का खर्च बहुत अधिक होता है। गरीब-मध्यम वर्ग के परिवार यह खर्च उठाने में समर्थ नहीं होते लेकिन अपने परिवार के सदस्य का इलाज कराने के लिए घर-जमीन तक गिरवी रख दिया करते हैं। नरसिंगदास मंत्री ने ऐसे लोगों की मदद की योजना बनाई। अपने कुछ समविचारी साथियों को साथ लेकर श्री मंत्री ने चेरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की। नागपुर के सीताबर्डी में उन्होंने मरीजों के लिए एक धर्मार्थ दवाखाना भी शुरू किया। धीरे-धीरे यहां इलाज के लिए आने वालों की संख्या बढ़ने लगी।

ऐसे चली सेवा यात्रा

श्री मंत्री ने जब देखा कि यहां अन्य अस्पतालों में इलाज कराने आने वाले मरीजों को रहने में तकलीफ होती है तो उन्होंने राधाकृष्ण अतिथिगृह के नाम से एक विश्रामगृह 8 मार्च 2009 को शुरु किया। इस अतिथिगृह का मूल उद्देश्य ही अतिथि देवो भवः रखा गया। कुछ समय पूर्व ही इसकी चौदवीं वर्षगांठ हो चुकी है। इस विश्रामगृह में 25 अटैच कमरे हैं। 11 कमरों में एसी की सुविधा है। 12 बेडवाला एक हॉल भी है। यहां पर खानपान की भी सुविधा मरीजों तथा उनके परिजनों के लिए उपलब्ध है। मरीजों को मूलभूत वैद्यकीय सेवाएं उपलब्ध हों इसलिए धर्मार्थ दवाखाना (ओपीडी) भी सुसज्जित किया गया है। मरीजों को निःशुल्क दवाएं व निदान उपलब्ध कराये जाते हैं। सभी प्रकार की जांच किफायती दरों पर की जाती है। अभी वर्षों में लाखों मरीजों ने इस सेवा का लाभ उठाया है।

मरणोपरांत भी सेवा का संकल्प

श्री मंत्री ने ठान रखा है कि वे अपना पूरा जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर देंगे। यही कारण है कि जीते जी तो वे अपने साथियों के साथ ट्रस्ट बनाकर लोगों की सेवा कर ही रहे हैं। मरणोपरांत भी उन्होंने अपनी आंखें और देहदान का संकल्प लिया है, मतलब यह कि मृत्योपरांत भी उनकी आंखों से दो नेत्रहीनों को इस प्यारी दुनिया का दीदार करने को मिलेगा और उनका देहदान निश्चित रूप से समाज की भलाई के काम आएगा। वे चाहते हैं उनकी देह मेडिकल शिक्षा हेतु और नेत्र जरूरतमंद को मिले। 84 वर्षीय नरसिंगदास आज स्वार्थ लिप्सा व अवसरवाद के दौर के बीच रहकर भी अनजान मरीजों की सेवा कर जिदंगी का सच्चा सुख पा रहे हैं। धर्मपत्नी पुष्पादेवी इनका कदम से कदम मिलाकर साथ दे रही हैं। माहेश्वरी समाज की सेवा गतिविधियों के अंतर्गत नागपुर में निर्मित माहेश्वरी भवन में भी श्री मंत्री का सहयोग रहा है। उनकी योजना में कन्या छात्रावास का निर्माण भी शामिल है। श्री मंत्री समाजसेवियों को प्रेरित करते हुए कहते हैं कि सेवा संस्था या भवन तो लोग बना लेते हैं, लेकिन उन्हें सतत रूप से चलाना बड़ी बात है।

नडीयाद निवासी 67 वर्षीय कालूराम हेड़ा की व्यावसायिक क्षेत्र में जितनी छवि एक सफल व्यवसायी के रूप में है, समाजसेवी के रूप में भी उससे कम नहीं है। कई समाजसेवी संस्थाऐं तो उनके तन-मन-धन से सहयोग से अपना योगदान दे ही रही हैं, साथ ही अ.भा. हेड़ा (माहेश्वरी) संगठन के गठन में भी श्री हेड़ा की अहम भूमिका है। इसके लिए उन्हें ''हेड़ा रत्न'' सम्मान से भी नवाजा जा चुका है।

■ टीम SMT

समाजसेवा के 'रत्न'

कालूराम हेड़ा

माहेश्वरी समाज में नडियाद निवासी कालूराम हेड़ा की पहचान विशेष रूप से ऐसे समाजसेवी के रूप में हैं, जिन्होंने अ.भा. हेड़ा (माहेश्वरी) संगठन की स्थापना करवा कर हेड़ा खांप को समाज की सेवा के लिये एकजुट किया। इसकी स्थापना के लिये श्री हेड़ा ने अपनी व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद सम्पूर्ण देश में भ्रमण किया और इस संगठन से उन्हें जोड़ा। इसके अंतर्गत जरुरतमंद परिवारों की सहायता, शिक्षा में सहयोग आदि के साथ विधवा महिलाओं को भी परिवार के सदस्य की तरह सहायता प्रदान की जाती है। उनके इस योगदान के लिये दिसम्बर वर्ष 2022में आयोजित हेड़ा कुंभ में उन्हें ''हेड़ा रत्न'' सम्मान से भी सम्मानित किया गया।

पैतृक व्यवसाय से जीवन की शुरुआत

श्री हेड़ा का जन्म नडियाद (गुजरात) में 7 सितम्बर 1956 को श्री रामदयाल व श्रीमती राजबाई हेड़ा के यहाँ हुआ था। प्रारम्भिक शिक्षा पैतृक ग्राम धमाना से प्राप्त कर उच्च शिक्षा कपासन से पूर्ण करने के बाद भी नौकरी की ओर कदम न रखते हुई पैतृक व्यवसाय को ऊँचाई देने का ही निर्णय ले लिया। इसके अंतर्गत वे 1974 से पिताजी के बर्तन व्यवसाय में योगदान देने लगे। फिर वर्ष 1982 में भागीदारी में 'नॉन फेरस मेटल स्क्रेप' का व्यवसाय ''सत्यनारायण एण्ड कालूराम'' नामक फर्म के रूप में प्रारम्भ किया। इस व्यवसाय में भाई प्रहलादराय, अक्षय कुमार व पूरणमल का भी सहयोग मिला और व्यवसाय वटवृक्ष की तरह विस्तारित होता चला गया।

फिर चली शिखर यात्रा

स्क्रेप व्यवसाय के स्थापित होने के पश्चात् पुत्र शिवकुमार (वर्तमान में दिवंगत) की सोच के साथ वर्ष 2002 में कॉपर इंगोट व वायर - रॉड मेन्युफेक्चरिंग की शुरुआत की। धीरे-धीरे उद्योग वृहद रूप लेता चला गया। वर्तमान में शिवम् मेटाएलोज, शिवम कॉपर कास्ट एलएलपी तथा एच.के.एल. इंडस्ट्रीज एलएलपी (अहमदाबाद) का संचालन उनका परिवार कर रहा है। इन्हें क्रमशः उनके पुत्र संजयकुमार, दीपक कुमार तथा भरत कुमार सम्भाल रहे हैं। आधुनिक सोच व नई तकनीकी के साथ उनके पुत्र अब इन उद्योगों को शिखर की ऊँचाई देने में जुटे हुए हैं।

जीवन में दुर्घटनाऐं घटी पर हार नहीं मानी

श्री हेड़ा का जीवन भी नियती की विभिषिकाओं से गुजरा है। उनका विवाह 1974 में आरनी निवासी स्व. श्री इंद्रमल नुवाल की सुपुत्री रामूदेवी के साथ हुआ था। उनसे उनके 4 पुत्र व 1 पुत्री हुए और गंभीर बीमारी के कारण धर्मपत्नी का देहावसान हो गया। इस घटना से उन्हें भारी आघात पहुँचा लेकिन परिवार की जिम्मेदारी सम्भालने के लिये पुणे निवासी श्री पूनमचंद भूतड़ा की सुपुत्री उमादेवी से पुनर्विवाह किया। इनसे भी उन्हें एक पुत्र व 1 पुत्री की प्राप्ति हुई। वर्तमान में उनके परिवार में विवाहित पुत्री सरोज-राजकुमार ईनानी अहमदाबाद तथा नेहा-धीरज भंडारी अहमदाबाद भी शामिल हैं। वर्ष 2013 में उत्तराखंड आपदा में अपने भाई पूरण व भातृ पत्नी मधु तथा बड़े पुत्र शिवकुमार व पुत्रवधु संगीता के देहावसान से गहरा आघात पहुँचा लेकिन फिर धैर्य रखते हुए उनकी बेटियों की जिम्मेदारी सम्भालते हुए भाई की पुत्री का विवाह भी सम्पन्न किया।

धर्म व समाज सेवा में सदैव सक्रिय

श्री हेड़ा समाजहित के किसी भी प्रकल्प में तन-मन-धन से सहयोग में पीछे नहीं रहे। नडियाद माहेश्वरी समाज सेवा केंद्र की स्थापना व भवन निर्माण में आपकी अहम भूमिका रही। इसी प्रकार पैतृक ग्राम धमाना में श्री माहेश्वरी समाज भवन निर्माण में भी तन-मन-धन से सहयोग दिया। नडियाद पीपल्स कोऑपरेटिव बैंक में वर्ष 1985 से 2005 तक साख कमेटी सदस्य रहे। माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में भी कार्यकारिणी सदस्य, गुजरात प्रांतीय महासभा में सह संगठन मंत्री तथा माहेश्वरी सेवा समाज केंद्र नडियाद के अध्यक्ष रहे हैं। इसके साथ खेड़ा जिला माहेश्वरी सभा के भी 6 वर्ष तक अध्यक्ष रहे। माहेश्वरी सेवा समाज केंद्र के प्रांगण में वर्ष 2016 में श्री रामप्रसाद जी महाराज तथा वर्ष 2019 में श्री दिग्विजय राम महाराज के श्री मुख से भागवत कथा सप्ताह का आयोजन करवाया। वर्ष 2019 में माहेश्वरी युवा संगठन नडियाद के तत्वाधान में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने पिताजी की स्मृति में ''स्व. श्री रामदयालजी हेड़ा स्मृति कप'' का भव्य आयोजन किया। वर्तमान में इनके पुत्र भरतकुमार हेड़ा माहेश्वरी युवा संगठन नडियाद के अध्यक्ष है। इनके भाई प्रह्लादराय और अक्षयकुमार भी अग्रिम उद्योगकार है जो इनका पिता समान स्नेह और आदर करते है , हर सामाजिक और धार्मिक कार्य में ये इनके साथ खड़े रहते है

वानप्रस्थाश्रम में निवास ही नहीं बल्कि उनका निर्माण करते हुए एक ऋषि की तरह धर्म को समर्पित व्यक्तित्व हैं, अमरावती निवासी मोहिनीदेवी सिकची। इस धर्म पथ पर मंदिर व वानप्रस्थाश्रमों का निर्माण ही नहीं बल्कि श्रीमती सिकची कई ऐसी धार्मिक पुस्तकों का सृजन भी कर चुकी हैं, जो सनातन के आलौक को और भी प्रस्फुटित करेंगी।

■ टीम SMT

धर्म की सेवा को समर्पित

मोहिनीदेवी सिकची

अमरावती (महाराष्ट्र) की मोहिनी देवी सिकची ने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियां पूर्ण होते ही वानप्रस्थ आश्रम धारण कर अपना जीवन ईश्वर भक्ति में समर्पित कर दिया। अब वे 88 वर्ष की आयु में शांति, समाधान और संतोष के साथ सादगी से अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं। 'सीताराम सीताराम सीताराम कहिए, जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए' यह मानो आप के जीवन का मूलमंत्र है। आप प.पू स्वामी श्री गोविंद देव जी गिरि की परम शिष्या हैं। अपनी धर्म सेवा में वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ रामायण, गीता, ज्ञानेश्वरी आदि ग्रंथों का सार आम बोलचाल की भाषा में लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। स्वामीजी के प्रोत्साहन मार्गदर्शन से आप ने कई पुस्तकों का सृजन किया जिस में '101 भजनों की माला', 'गीता की एक बूंद', 'भजनांजलि', 'राजस्थानी सुंदरकांड', 'ज्ञानेश्वरी परिपाठ' इत्यादि का समावेश है। 'पंचतत्व रामायण' यह नई पुस्तक शीघ्र ही प्रकाशित होगी, जिसकी प्रस्तावना और आशीर्वचन की अनुकंपा प.पू. स्वामीजी ने की है।

पति भी बने प्रेरक

मोहिनी देवी की साधना के पीछे प्रेरणा स्रोत रहे आप के पतिदेव स्व. श्री बल्लभदास सिकची। वे अत्यंत धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। पेशे से वकील थे और नीतिमत्ता के साथ वकालत करने के लिए जाने जाते थे। श्री बल्लभदास किशोरावस्था में थे तब अपनी अनपढ़ माताजी को रामायण पढ़कर सुनाया करते। रामायण में आप की ऐसी श्रद्धा जगी कि बाद में आपने समग्र वाल्मीकि रामायण का मराठी भाषा में अनुवाद किया। 700 पृष्ठ का यह ग्रंथ 'श्रीराम गुण गाथा' के नाम से प्रकाशित किया गया जिसकी प्रतियां महाराष्ट्र के ग्रंथालयों में निःशुल्क भेंट स्वरूप दी गई। इस ग्रंथ की सराहनात्मक प्रस्तावना प.पू. स्वामीजी गोविन्ददेव जी गिरि ने स्वयं अपने सुवाच्य हस्ताक्षर में लिखी है। इस ग्रंथ का लोकार्पण तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री शंकर दयाल जी शर्मा के करकमलों द्वारा श्रीमती प्रतिभा पाटिल, जो बाद में राष्ट्रपति बनीं, की उपस्थिति में हुआ। राष्ट्रपति जी इस ग्रंथ से इतने प्रभावित हुए कि वे निर्धारित समय 10 मिनट के बदले 30 मिनट तक ग्रंथ के बारे में कौतूहल से चर्चा करते रहे।

वानप्रस्थ की ओर कदम

60 वर्ष की आयु में वकालत से स्वेच्छा निवृत्ति लेकर पति श्री बल्लभदास ने अमरावती के श्री क्षेत्र चांगापुर हनुमान जी मंदिर के समीप 2.2 एकड़ भूमि पर वानप्रस्थाश्रम का निर्माण किया। उनके जीवन काल तक करीब 20 वर्ष दोनों पति पत्नी वहीं वानप्रस्थ आश्रम का अंगीकार करते हुए प्रभु चरणों में समर्पित रहे। इस दंपति ने वानप्रस्थाश्रम में राम नाम मंदिर, श्री गुलाबराव महाराज मंदिर, श्री वेदव्यास मंदिर और शिव मंदिर का निर्माण किया। राम नाम मंदिर भारतवर्ष का संभवतः पहला ऐसा मंदिर होगा जहां रामजी की मूर्ति की अपेक्षा राम नाम का महत्व दर्शाया गया है। यहां राम नाम की बैंक है जिसमें 80 करोड़ हस्तलिखित राम नाम संग्रहित हैं। आप ने अनेकों बार भागवत, रामायण आदि कथाओं का आयोजन किया। आश्रम के प्रांगण में स्थानिक महिलाओं की मंडली बनाकर नित्य भजनों के कार्यक्रम करते रहे।

भरे पूरे परिवार का साथ

पति के पंचतत्व में विलीन होने के पश्चात मोहिनी देवी फिलहाल अपने बेटे ओमप्रकाश के साथ संगमनेर, (महाराष्ट्र) में निवास कर रही हैं। वहां के फार्म हाउस का वातावरण आपकी नित्य साधना के लिए बड़ा अनुकूल है। आपके दोनों बेटे डॉ. ओमप्रकाश और डॉ. राधेश्याम, दोनों बहूएं डॉ. विजया और मनीषा, बेटी सीमा और दामाद दिनेश राठी समेत समस्त परिवार अपने-अपने क्षेत्र में अग्रसर हैं। देवर ख्यात चिकित्सक डॉ. जुगलकिशोर ने भी वानप्रस्थाश्रम में शिव मंदिर बनाने में सहायता प्रदान की।

आमतौर पर 76 वर्ष उम्र की वह अवस्था है, जिसमें इंसान शारीरिक असमर्थता के सामने घुटने टेक देता है। लेकिन नागपुर निवासी राकेश भैया की धर्मपत्नी प्रभा भैया इस उम्र में भी शेरनी की तरह वह हौंसला रखती हैं जिसने उन्हें इस उम्र में भी तैराकी में अभी तक छह से अधिक स्वर्णपदक प्रदान करवा दिये। युवा वर्ग भी उनके जोश व होश के कायल हैं। शुचिता राठी, छिंदवाड़ा

76 वर्ष की स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी

प्रभा भैया

हिन्दी विषय में एम.ए. तथा फिजिकल एज्युकेशन में डिप्लोमा कर प्रभा राकेश भैया एनसीसी में सीनियर अंडर ऑफिसर रहीं। नागपुर के एन आई टी स्विमिंग पूल में नियमित प्रैक्टिस के दौरान उन्हें 69 वर्ष की आयु में पता चला कि राज्य स्तरीय शौक़िया तैराकी प्रतियोगिता निकटवर्ती वर्धा में होने जा रही है। तो विचार आया क्यों न फिर स्पर्धाओं में हिस्सा लिया जाए। वे तब वायरल बुखार से उठी ही थीं परंतु कुछ करना है, के भाव से वे वर्धा पहुँचीं और अपनी उम्र श्रेणी में स्वर्ण पदक जीत लाईं। उसके बाद विविध कारणों से 5 वर्ष वे स्पर्धा में भाग नहीं ले पाईं।

74 वर्ष में फिर 5 स्वर्ण पदक

वर्ष 1922 में नांदेड़ में हुई महाराष्ट्र वेटरन्स स्विमिंग में नए उत्साह से पुनः सम्मिलित हुईं और अपनी उम्र श्रेणी में 4 स्वर्ण पदक जीत लाईं। वहीं नागपुर की तीन अन्य महिला तैराक 4 गुणा 50 मीटर की रिले स्पर्धा में भाग लेने के लिये आईं थी, उनकी चौथी पार्टनर किसी कारण नहीं पहुँच सकीं तो उन्होंने प्रभा जी से निवेदन किया कि वे चौथी तैराक बन जाएँ। यहाँ उम्र श्रेणी नहीं थीं। अन्य टीमों में 30-35 वर्ष की लड़कियाँ भी थीं परंतु फिर भी उन्हीं की टीम, उनके प्रयासों से जीती और पाँचवा स्वर्ण पदक इस तरह अनियोजित ढंग से मिल गया। फ़रवरी 23 में हैदराबाद मास्टर्स एक्वेटिक स्पर्धा में उन्होंने तीन स्पर्धाओं में भाग लिया और पुनः तीनों में प्रथम रहीं। कुछ नया करने की चाह ने उन्हें प्रेरित किया जिसके फलस्वरूप वे पानी में योग व 18 फ़ीट की ऊँचाई से तरणताल में डाइव कर लेती है।

कला व बागवानी में रुचि

बहु आयामी व्यक्तित्व की धनी प्रभा जी विभिन्न कला में माहिर हैं, जैसे चित्रकला में उनकी पेंटिंग्स की प्रदर्शनी नागपुर के राजा रवि वर्मा प्रदर्शनी कक्ष में लग चुकी है। मूर्तिकला में उनकी विविध वस्तुओं से बनाए 108 गणेश जी की प्रदर्शनी स्थानीय स्वयंभू टेकड़ी गणेश मंदिर में लग चुकी है। वे लेखन, काव्य व बाग़वानी आदि में विशेष रुचि रखती हैं। गणेश मूर्ति बनाने में उनकी कार्यशालाएँ विभिन्न स्थानों पर होती रहती हैं। स्वयंसिद्धा, नारी गौरव रत्न पुरस्कारों से नवाज़ी जा चुकीं प्रभा जी को दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर द्वारा विशेष महिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लड़कियों और महिलाओं के लिये आत्म रक्षा की कक्षाएँ भी वे लेती रही हैं।

समाजसेवा में भी सदैव सक्रिय

श्रीमती भैया नागपुर की सुप्रसिद्ध महिला संस्था 'तेजस्विनी महिला मंच' में सक्रिय हैं व नागपुर गार्डन क्लब की सदस्या भी हैं और सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर भाग लेती हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय परिवार और पति प्रोफ़ेसर (सेवा निवृत्त) राकेश भैया (78 वर्ष) (एम कॉम, एम ए एल एल बी, एम फ़िल) को देती हैं, जो लेखक और कवि हैं तथा अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के मुखपत्र 'माहेश्वरी' के मानद संपादक हैं। दोनों पति-पत्नी हर क्षेत्र में साथ नज़र आते हैं। स्वयं श्रीमती भैया भी लेख व कविताऐ लिखती हैं, जिनका प्रकाशन विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र पत्रिकाओं में होता रहता है।

सभी के लिये स्नेह का दरिया

समृद्ध और सामयिक सोच और बुलन्द हौसलों से श्रीमती भैया ने जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे। उनकी हिम्मत और विश्वास ने हर मुश्किलों को परास्त कर दिया। आस पड़ोस में किसी को कुछ भी तकलीफ हो, बीमार हो, बच्चों को समझाना हो या कोई भी कारण हो तो जो उनके बस में हो जरूर करती है। इसीलिए वो सब लोगो में ''माँ'' के नाम से ही बुलाई जाती है। पिछले 15 वर्षों से सतत प्रति वर्ष राहगीरों के लिए सुसज्जित साफ प्याऊ लगाती हैं, खुद के खर्चे से। एक बार बाजार गई तो प्यास के मारे चक्कर खा कर बेहोश हो गई तब से जितना हो सके लोगो को पानी का महत्व बताती हैं। बच्चों को भी अंधविश्वास से दूर रख लॉजिकली बाते समझाई, विवेकता, मानवता, जानवरो पेड़ पौधों के प्रति स्नेह भी माँ ने सिखाया। प्रौढ़ शिक्षा में कई ग्रामीण महिलाओं को पढ़ना, हिसाब करना आदि सिखाया। पति-पत्नी दोनों ने मरणोपरांत नेत्र दान, अंग दान और देह दान का प्रण भी लिया है। जीवन में सीखने की कोई उम्र नही होती, 68 की उम्र में कार चलाना सीख कर ये बात उन्होंने साबित कर दी। घर पर 1 बेटा, बहू और 2 पोतियों के साथ सुख से जीवन व्याप्त कर शेष समय बागवानी व परोपकार को समर्पित कर रही हैं।

कहा जाता है कि अपने लिये तो हर कोई जीता है, जो दूसरों के लिये जिये उसी का जीवन सही मायने में सार्थक है। इन्हीं पंक्तियों को सार्थक कर रहा है, फरीदाबाद निवासी 83 वर्षीय रामनिवास झंवर का जीवन। मानवता की सेवा के लिये प्रारंभ उनका सेवा अभियान विभिन्न प्रकल्पों के साथ उम्र के 83वें पड़ाव पर भी अनवरत रूप से जारी है।

विनोद बिहानी, फरीदाबाद

परहित ही जिनका धर्म
रामनिवास झंवर

पृथ्वी पर करोड़ों लोग जन्म लेते हैं। उनमें कुछ बिरले ही प्राणी मात्र की सेवा कर अपने होने को सार्थक करते हैं। वे अपने जीवन को तो सार्थक करते ही हैं, साथ ही परिवार का नाम रोशन कर समाज को भी सेवा भाव का ज्ञान देकर मार्ग दर्शन करते हैं। इसी कड़ी में फरीदाबाद के राम निवास झंवर का नाम जोड़ा जा सकता है। श्री झंवर का जन्म सुजानगढ़ (राज.) में स्व. श्री हजारीमल झंवर के यहाँ हुआ था। बचपन से परिवार से धार्मिक व सेवाभावी संस्कार मिले, जो लगातार और भी पल्लवित होते रहे। B.Tech (आई.आई.टी. खड़कपुर) तक शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ उनमें सेवा भावना भी सतत बढ़ती ही रही।

माहेश्वरी संगठन की स्थापना

श्री झंवर ने आज से 40 वर्ष पूर्व फरीदाबाद माहेश्वरी संगठन की स्थापना में अहम भूमिका निभाई। अपने समकालीन साथियों के साथ एक-एक माहेश्वरी बन्धु के घर जाकर उन्हें संगठन का महत्व समझाते हुए एक छत के नीचे एकत्र कर मण्डल की स्थापना की। माहेश्वरी भवन का निर्माण उस समय करवाया जब फरीदाबाद माहेश्वरी समाज अपनी बाल्यावस्था में था। फिर माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, महिला व युवा संगठन का गठन किया। वह पौधा आज वटवृक्ष बन गया। हरियाणा / पंजाब / हिमाचल / जम्मू कश्मीर प्रादेशिक सेवा ट्रस्ट के गठन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महासभा, प्रदेश और जिला सभा में पदासीन होकर समाज व संगठन का परचम पूरे भारत में फैलाया।

जरुरतमंदों के मसीहा

श्री झंवर उम्र के इस पड़ाव पर भी वर्षों से जारी अपनी सेवा के अंतर्गत खुजराहों और चित्रकूट के पास के आदिवासी क्षेत्रों में 3-4 माह में पूरा ट्रक भरकर सामान जैसे कपड़े, जूते, बर्तन, खाद्यान्न या जो भी साम्रगी एकत्र हो जाये, वनवासियों में वितरण करने के लिए खुद लेकर जाते हैं। श्री झंवर ने 22 वर्ष पूर्व वर्तमान समाज में परिवार के बुजुर्गों की दयनीय स्थिति से व्यथित होकर फरीदाबाद में पहले वृद्धा आश्रम की स्थापना की। आजकल आंचल छाया नाम से वृद्धा आश्रम का संचालन कर रहे हैं। इसमें वृद्धजनों को सिवा उनके परिजनों के हर वह चीज मुहैया करवाते हैं, जिनकी उन्हें जरूरत है। हर सामान या सुविधा जैसे चिकित्सकीय देखभाल, दवाईयां, खान-पान, फल-सब्जी, वस्त्र आदि सभी उच्च स्तरीय उपलब्ध होती हैं।

सेवा के लिये हरदम तत्पर

श्री झंवर का शिक्षा दान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान है। विभिन्न स्कूल, आर्थिक कमजोर वर्ग के बच्चों व कन्याओं के नारी निकेतन में 17-18 सालों से सप्ताह में 3-4 दिन निःस्वार्थ जाकर ट्यूशन देते हैं। इसके साथ गर्मी में रेलवे स्टेशन पर ठण्डे पानी की प्याऊ, प्रतिवर्ष गरीब कन्याओं की सामूहिक शादी, किसी बन्धु को आर्थिक या चिकित्सा संबंधी मदद उपलब्ध करवाना हो तो वे पीछे नहीं रहते। फरीदाबाद में यह प्रचलित है कि कोई भी जरुरतमंद श्री झंवर के पास जाने के बाद खाली हाथ नहीं लौटता।

॥ दशहरा एवं दिपावली की हार्दिक शुभकामनाऐं ॥

श्रीनिवास एंड ब्रदर्स

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

एगमार्क उपवन मधु 'ए ग्रेड', सुपर कोकिला मेहँदी,
एगमार्क सच्चासाबू साबूदाना

स्टॉकिस्ट: नटराज ब्रांड केसर एवं हींग

Dalia's™
High In Quality, Rich In Taste

Avani Impex

किराणा एवं उच्चकोटि के सूखे मेवे

14-7-371/16, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने,
बेगमबाजार, हैदराबाद-500012
फोन: 24745570, 24606726, 24615438

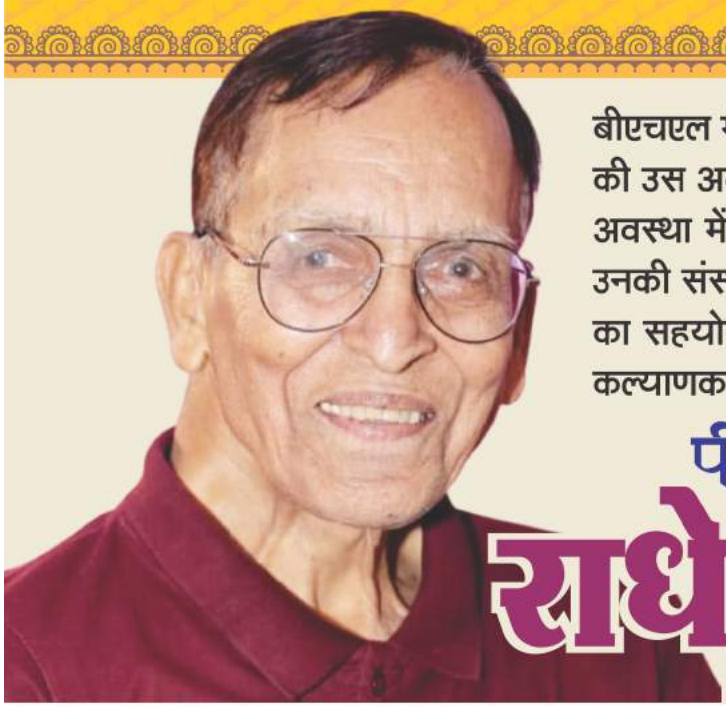

बीएचएल में प्रबंधक रहे भोपाल निवासी राधेश्याम साबू 82 वर्ष की उस अवस्था में भी जरूरतमंदों का सहारा बन रहे हैं, जिस अवस्था में आमतौर पर लोग दूसरों का सहारा लेने लगते हैं। उनकी संस्था ''परपीड़ा हर'' प्रतिवर्ष 1 करोड़ रुपये से अधिक का सहयोग जरुरदमंदों की चिकित्सा व शिक्षा सहित विभिन्न कल्याणकारी कार्यों में कर रही है।

वैद्यराज रमेश माहेश्वरी, भोपाल

पीड़ित मानवता के सेवक राधेश्याम साबू

भोपाल निवासी 82 वर्षीय राधेश्याम साबू वैसे तो वर्ष 1999 में बीएचएल से प्रबंधक के पद पर सेवा देते हुए सेवानिवृत्त हो गये लेकिन उन्होंने अपने कर्त्तव्यों से मुंह नहीं मोड़ा। सेवानिवृत्ति के बाद उनका लक्ष्य पीड़ित मानवता की सेवा बन गया। इसके अंतर्गत वे अपनी संस्था ''परपीड़ा हर'' के माध्यम से जन सहयोग से गरीब, असहाय, लाचार मरीजों के लिये सेवा कार्य कर रहे हैं। इस हेतु विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं द्वारा उन्हें सराहना भी मिली। मरीजों के समस्त प्रकार के कल्याणकारी कार्यों के अंतर्गत एमवाय में सीटी स्केन, एमआरआई जांच, पोस्टिक आहार, मरीजों की यातायात समस्याएं एवं गरीब लोगों व विधवाओं को स्वालंबन तथा बच्चों को शिक्षा हेतु सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। श्री साबू की अध्यक्षता वाली इस संस्था ने सुदृढ़ टीम के साथ औसतन एक करोड़ से ज्यादा प्रतिवर्ष दान व कई अन्य तरह की सामग्री प्राप्त कर समाज सहित कई आर्थिक रूप से कमजोर लोगो की चिकित्सीय सहायता की। इसके साथ भी शैक्षणिक सहयोग व उनके कई कल्याणकारी कार्य में योगदान देकर भी संस्था अपने सामाजिक दायित्वों का पालन कर रही है।

बचपन से रहे ऊर्जावान

राधेश्याम साबू का जन्म 1941 इंदौर में बिरदीचंद जी के यहाँ हुआ। प्रारंभिक शिक्षा इंदौर माहेश्वरी स्कूल व ग्रैजुएशन विक्रम यूनिवर्सिटी से कर इलेक्ट्रिकल इंजीनियिरिंग में डिप्लोमा किया। फिर 1961 से 1999 तक सेवा देकर बीएचएल से प्रबंधक के पद से सेवानिवृत्त हुए। सन् 2008 से अक्टूबर 2020 तक इंदौर में 12 सदस्यों के संयुक्त परिवार में निवास किया। अब पुनः भोपाल में निवासरत हैं। श्री साबू की बचपन से ही साहसिक, सामाजिक कार्यों एवं साहित्य में रुचि रही। 10 यूथ होस्टल के राष्ट्रीय ट्रैकिंग में भाग लिया तथा 3 बार इंदौर से शिरडी पैदल यात्रा की। स्वयं द्वारा 31 बार रक्तदान एवं कई रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया।

कलम के साथ समाजसेवा

वर्ष 1958 हस्तलिखित पत्रिका का संपादन किया। बीएचएल में उत्पादकता एवं गुणता वृद्धि हेतु प्रेरक के रूप में हिंदी प्रचार प्रसार का दायित्व सम्भाला। बीएचईएल की प्रमुख पत्रिका भेल भारती का 7 साल तक संपादन किया। 11 साल तक भोपाल माहेश्वरी समाज के मुखपत्र शिवांशु दर्पण का संपादन किया तथा 7 साल तक इंदौर माहेश्वरी समाज के मुखपत्र समाज संगठन का संपादन किया। भेल में सेवानिवृत्ति के बाद कॉलोनी के उपाध्यक्ष, सांस्कृतिक सचिव के रूप में कई कार्यक्रम एवं साफ सफाई अभियान आदि का आयोजन किया। उनकी समाजसेवा के कारण उन्हें रेड एफएम द्वारा शहर के रियल हीरो और बड़े दिलवाला सम्मान, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब द्वारा मानवीय सेवा सम्मान, इंस्टीट्यूट चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विशेष सम्मान, देश के 13 विशिष्ट सक्रिय वरिष्ठ नागरिको में सम्मान, वेबसाइट न्यूज़ मोर्चा की ओर से भी सम्मान प्रदान किया जा चुका है।

ऐसे हुई ''परपीड़ा हर'' की शुरुआत

सन 2004 से 2007 तक भोपाल माहेश्वरी समाज को जोड़ हमीदिया हॉस्पिटल में प्रेरणा सेवा ट्रस्ट के माध्यम से गरीब मरीजों हेतु सेवा कार्य किया। फिर 2008 से इंदौर के एम.वाय. हॉस्पिटल में सेवा कार्य करते हुए कुछ सेवा भावी माहेश्वरियों को मिलाकर परपीड़ा हर संस्था के माध्यम से अध्यक्ष के रूप में एक सुदृढ़ सेवा टीम का गठन किया जिसे 80जी की सुविधा भी प्राप्त है। यह संस्था सरकारी प्रयासों के साथ सहकारी प्रयासों के अंतर्गत नवीनतम चिकित्सा उपकरण से लेकर रख रखाव में भी सक्रिय सहयोग प्रदान करती है। विगत 12 साल में लगभग एक करोड़ रुपए के उपकरण भी अस्पतालों को प्रदान किये। विगत 2 साल से संस्था परपीड़ा हर की एक शाखा भोपाल में भी आरम्भ की। यहां भी हमीदिया हॉस्पिटल, टीबी हास्पिटल व केन्सर हास्पिटल में चिकित्सकीय सेवा के रूप में दवा आदि के साथ लगभग 20 लाख रूपये के जीवन रक्षक आधुनिकतम उपकरण जन सहयोग प्राप्त कर उपलब्ध करवाए। श्री साबू जहां माह में 12– 15 रोज सुदृढ़ टीम के साथ इंदौर आकर सेवाएं दे रहे है वही भोपाल में भी सक्रियता के साथ से सेवा कार्यों का विस्तार करते जारहे है।

कहते हैं कि जब माँ सरस्वती की कृपा होती है, तो गूंगा भी बोलने लगता है। यह पंक्ति देरगाँव जिला गोलाघाट (असम) निवासी शिवदयाल काबरा पर खरी उतरती है। नियतीवश वे उच्च शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाये लेकिन माँ सरस्वती की ऐसी कृपा हुई कि पत्रकारिता, लेखन व अनुवाद ही उनके सम्मान का कारण बन गये। उम्र के 76वें पड़ाव पर भी उनकी यह कलम साधना आज भी अनवरत जारी है।

■ टीम SMT

कलम के पुजारी
शिवदयाल काबरा

शिवदयाल काबरा असमिया भाषा के ख्यात लेखक- अनुवादक हैं। उन्होंने असम साहित्य सभा के असमिया विश्वकोश (संपादकः डॉ. बीरेन्द्रनाथ दत्त) में सिंधी लोक साहित्य का असमिया भाषा में अनुवाद कार्य किया। उन्होंने देरगांव से 'आमार असम' (लोकप्रिय असमिया दैनिक) के लिए लगभग दस वर्ष संवाद - संकलन-लेखन भी किया। उन्होंने असमिया के साथ हिंदी में भी लेखन-अनुवाद कार्य किया है। श्री काबरा मूलतः पत्रकार हैं। असम साहित्य सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष इमरान शाह की कहानियों का हिंदी अनुवाद, प्रख्यात साहित्यकार होमेन बरगोहाई के आलेख 'मारवाड़ी समाज असमिया है कि नहीं?' आदि, प्रफुल चंद्र बोरा, डॉ. निर्मल साहे वाला इत्यादि की असमिया कहानियों-लेखों का हिंदी अनुवाद किया है। श्री काबरा नवभारत टाइम्स और दैनिक विश्वमित्र, भाषा (समाचार एजेंसी) इत्यादि के लिए संवाद लेखन करते रहे।

कई भाषाओं पर महारत

श्री काबरा का जन्म 9 मार्च 1947 को देरगाँव (असम) में स्व. श्री मोहनलाल व श्रीमती कोयली पाना काबरा के यहाँ हुआ था। हायर सेकेण्डरी तक ही शिक्षा ग्रहण कर पाये थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और सन् 1969 में 'राष्ट्रभाषा रत्न' की डिग्री/ गौहाटी से, असम में प्रथम स्थान के साथ प्राप्त की। इससे पहले 'राष्ट्रभाषा कोविद' की डिग्री भी पूर्वोत्तर भारत में प्रथम स्थान पर रह कर प्राप्त की थी। सन् 1965 में स्काउटिंग की सर्वोच्च पदवी प्रेसिडेंट्स स्काउट' राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के हाथों राष्ट्रपति भवन में प्राप्त की। आपको हिंदी, असमिया, अंग्रेजी, राजस्थानी, बंगाली, नेपाली, भोजपुरी आदि भाषाओं का विशेष ज्ञान प्राप्त है।

अभी भी जारी पत्रकारिता

श्री काबरा ने पत्रकारिता की शुरुआत सन् 1962 में तिनसुकिया से प्रकाशित 'साप्ताहिक अकेला' से प्रारंभ की जो वर्तमान तक जारी है। बाद में नवभारत टाइम्स, दैनिक हिंदु- स्तान, दैनिक विश्वमित्र, सन्मार्ग, 'पूर्वज्योति', संवाद संस्था- 'भाषा' आदि से भी सम्बद्ध रहे। उनके लेख नवनीत, कादम्बिनी, सरिता, मुक्ता, माधुरी, धर्मयुग, हिंदुस्तान, मनमोहन, माहेश्वरी, माहेश्वरी सेवक, राजस्थानी वीर, रंग, पूर्वांचल प्रहरी, दैनिक पूर्वोदय, हिंदी सेंटिनल, सप्तसेतु, धर्मयुग, आदि अनेकों पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे।

सेवा के विविध आयाम

वेदप्रताप वैदिक के शोध ग्रंथ 'हिंदी पत्रकारिता : विविध- आयाम' में 'असम की हिंदी पत्रकारिता' शीर्षक से उनका एक आलेख प्रकाशित हुआ है। असम साहित्य सभा के आजीवन सदस्य के साथ ही श्री काबरा देरगांव पत्रकार संघ के पूर्व सभापति भी रहे और संप्रति उपदेष्टा - सलाहकार हैं। भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा उन्हें मानद 'एनिमल वेल्फेयर आफिसर' नियुक्त (अवैतनिक और आजीवन) भी किया गया है। वे असमिया और हिंदी दोनों भाषाओं में लेखन- अनुवाद में समान रूप से सक्रिय हैं। राष्ट्र भाषा प्रचार, नागरी लिपि प्रचार, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा के प्रचारक तथा परीक्षा-उत्तर पुस्तिकाओं के परीक्षक भी रहे हैं।

माहेश्वरी समाज में सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली
अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की मासिक पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
को सम्पूर्ण राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात में जिला तथा तहसील स्तर पर
ऊर्जावान एवं कर्मठ प्रतिनिधियों की आवश्यकता है
आत्मविश्वास से भरपूर व पर्याप्त
शैक्षणिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को प्रथमिकता
आकर्षक कमीशन/ वेतन एवं प्रेस कार्ड देय होगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा पूर्ण जानकारी के साथ ई-मेल करें।
smt4news@gmail.com
मो. - 094250-91161

यदि मन में कुछ करने की इच्छा हो तो उम्र कभी बाधक नहीं होती। इसी का उदाहरण हैं, नागपुर निवासी श्यामसुंदर राठी। श्री राठी 82 वर्ष की अवस्था में भी अपनी कन्सल्टेंसी व व्यवसाय के साथ ही समाजसेवा में भी अपना सतत रूप से योगदान दे रहे हैं, और वह भी इस तरह पूरी ऊर्जा के साथ जिसे देखकर युवा पीढ़ी भी प्रेरित हुए बिना न रह सके।

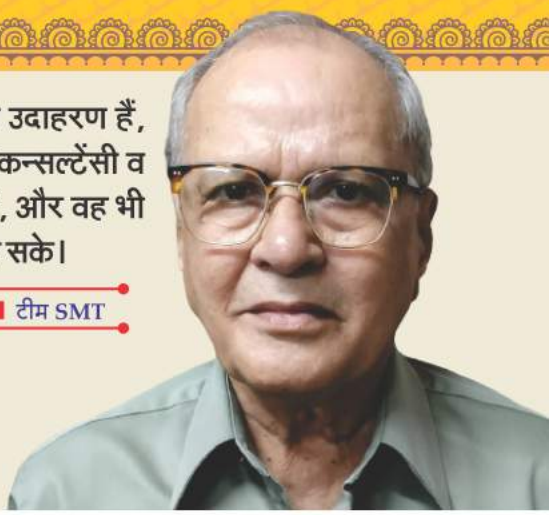

टीम SMT

चहुंमुखी ऊर्जा पुंज
श्याम सुंदर राठी

चार्टर्ड इंजीनियर के रूप में सेवा देने वाले नागपुर निवासी श्यामसुंदर राठी वर्तमान में 82 वर्ष की अवस्था में हैं, लेकिन उनका जोश व उत्साह आज भी कम नहीं है। बी.ई. (ऑनर्स) मेकेनिकल इंजीनियरिग तक शिक्षित श्री राठी इसके साथ ही फेलो ऑफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग (इंडिया) के रुप में भी सेवा दे रहे हैं। इतना ही नहीं व्यावसायिक क्षेत्र में श्री राठी मोनार्क मार्केटिंग इन्टरप्राइजेस में मैनेजिंग पार्टनर, मोनार्क कन्सलटंट्स में मैनेजिंग डायरेक्टर तथा मोनार्क हॉटोकल्चर एण्ड एग्रो फॉरेस्ट्री में मैनेजिंग पार्टनर के रुप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं।

नौकरी से स्व व्यवसाय की यात्रा

11 जून 1941 को फत्तेलालजी राठी के यहाँ आर्वी में जन्में श्री राठी ने बी.ई. (ऑनर्स) मेकेनिकल इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त करने के बाद अनुभव प्राप्त करने के लिये 5 वर्ष तक हिन्दुस्तान मोटर्स लि. कोलकाता में नौकरी की। फिर माहेश्वरी मन ने उन्हें स्व व्यवसाय की ओर प्रेरित कर दिया। अतः वे गत 50 वर्षों से कन्सल्टेंसी तथा स्व व्यवसाय का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। इसके साथ ही 15 वर्ष पूर्व उन्होंने अपने पारिवारिक कृषि व्यवसाय को आधुनिक स्वरुप देकर प्रारंभ किया। वर्तमान में वे इसके अन्तर्गत संतरा, मौसंबी, आँवला, केला आदि का लगभग 90 एकड़ में उत्पादन कर रहे हैं।

समाज में चहुंमुखी योगदान

श्री राठी शिक्षा, स्वास्थ्य आदि विभिन्न क्षेत्रों में समाजसेवी संस्थाओं के साथ सम्बद्ध होकर अपने सेवा दे रहे हैं। इसके अंतर्गत कार्यकारिणी सदस्य एवं चेअरमन स्टीयरिंग कमेटी-श्री रामदेव बाबा स्मारक समिति) (इंजिनियरिंग व एम.बी.ए कॉलेज), कार्यकारिणी सदस्य एवं चेअरमन परचेस कमेटी - सेन्टल इंडिया इन्स्टटयूट ऑफ मेडिकल सायन्सेस (सीम्स हॉस्पीटल) नागपुर, पूर्व चेअरमन : अकोला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, नागपुर शाखा (लोकल मॅनेजमेंट कमेटी.), पूर्व अध्यक्षः वनबंधु परिषद (नागपुर चेप्टर) तथा पूर्व एक्जिक्युटिव मेंबर - विदर्भ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन व नागविदर्भ चेंबर ऑफ कॉमर्स आदि के रूप में अपनी सतत सेवा दे रहे हैं।

समाज व साहित्य दोनों की सेवा

श्री राठी माहेश्वरी समाज में भी अपनी निःस्वार्थ व समर्पित सेवा देने में कभी पीछे नहीं रहे। इसके अंतर्गत वे अध्यक्ष -विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, संयुक्त मंत्री- अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, संचालक- माहेश्वरी बोर्ड (माहेश्वरी पत्रिका) तथा चेअरमन- कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर समिति (महासभा) आदि के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। साहित्य सृजन के क्षेत्र में भी आपकी लेखनी सदा चलती रही है। ''एक जिद्दी प्रयास'' तथा ''कृष्णम् वंदे जगद्गुरूम'' नामक आपके द्वारा लिखी हुई पुस्तकें प्रकाशित होकर पाठकों में लोकप्रिय भी हो रही हैं।

इसे सेवा भावना का अद्भूत उत्साह ही कहा जा सकता है कि मात्र 16 वर्ष की अवस्था में समाजसेवा प्रारम्भ हो जाऐ। नागपुर निवासी मधुसूदन सारडा एक ऐसे ही समाजसेवी हैं जिनकी सेवा यात्रा किशोरावस्था से प्रारम्भ हुई और उम्र के 67 वर्ष के पड़ाव पर भी बिल्कुल भी शिथिल नहीं हुई है।

16 वर्ष की उम्र से जारी सेवा यात्रा

मधुसूदन सारड़ा

टीम SMT

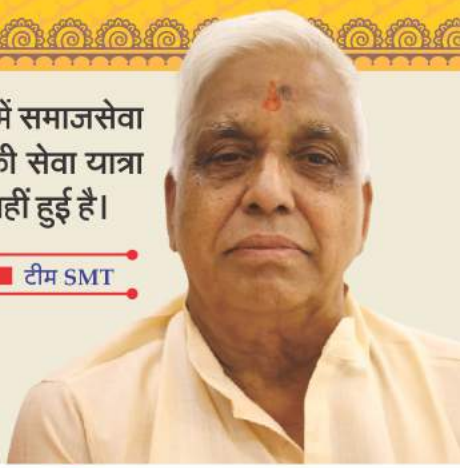

नागपुर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी मधुसूदन सारडा का जन्म 19 दिसम्बर 1956 को श्री सत्यनारायण व श्रीमती कौशल्यादेवी सारड़ा के यहाँ हुआ था। एम.कॉम. एलएलबी तथा डीबीए तक शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी उन्होंने माहेश्वरी सोच के अनुरूप स्वव्यवसाय में ही कदम रखे। वर्तमान में भी श्री सारडा जूट व प्लास्टिक बैग से सम्बंधित अपने व्यवसाय का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं।

ऐसे बढ़े सेवा की ओर कदम

श्री सारड़ा 16 वर्ष की उम्र से ही धार्मिक-सामाजिक कार्य में रुचि लेने लगे। श्री माहेश्वरी युवक संघ-अध्यक्ष व अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन कोषाध्यक्ष के रूप में भी सेवा दी। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा में कार्यकारी मंडल सदस्य, विदर्भ प्रादेशिक युवा संगठन में उपाध्यक्ष, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में सचिव व उपाध्यक्ष, नागपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष, नागपुर नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष व माहेश्वरी विवाह सहयोग के सचिव रह चुके हैं।

कई संस्थाओं को सक्रिय सहयोग

श्री सारड़ा वर्तमान में भी विभिन्न सेवा संगठनों में अपना सक्रिय योगदान दे रहे हैं। इसके अंतर्गत श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित भवन के कोषाध्यक्ष व श्री बड़ी मारवाड माहेश्वरी पंचायत हिवरी नगर के कार्यकारिणी सदस्य हैं। नागपुर बारदाना मर्चेंट एसोसिएशन के सचिव रहे व वर्तमान में उपाध्यक्ष हैं। नागपुर नगर ज्येष्ठ माहेश्वरी सभा के सचिव, श्री राधाकृष्ण हास्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट कार्यकारिणी इवेंट, श्री राधाकृष्ण मंदिर बर्धमान नगर- कार्यकारीणी सदस्य तथा महेश को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष हैं। धर्मपत्नी विजया सारड़ा भी प्रगतिशील राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष रह चुकी हैं। अपनी तमाम जिम्मेदारी के साथ आप पारिवारिक जिम्मेदारी भी सफलतापूर्वक निभा रहे हैं। पुत्र अर्पण भी एलएलबी कर व्यवसायरत हैं। पुत्रवधू अनुराधा वर्तमान में पीएच.डी. कर रही हैं। परिवार में पौत्री हृदया की किलकारी भी गूंज रही है। उनके परिवार में विवाहित पुत्री अर्पिता दामाद हिमांशु तथा दौहित्र आर्य भी शामिल है।

उम्र के 72 वर्ष के पड़ाव पर भी अंधेरी मुम्बई निवासी गोपाल कृष्ण बिन्नानी का उत्साह किसी युवा से कम नहीं है। इस की पहचान यह है कि 45 वर्षों से वे अपने निज निवास में स्वनिर्मित गणेशजी की प्रतिमा सजाते हैं, जो आज भी जारी है।

टीम SMT

72 वर्ष की आयु में भी सेवा में युवा उत्साह

गोपाल कृष्ण बिन्नानी

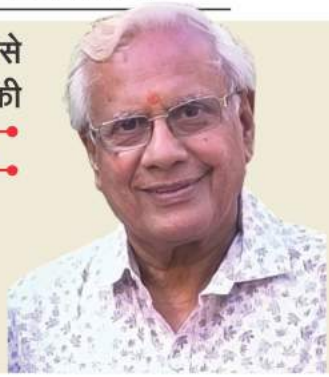

बीकानेर (राजस्थान) के मूल निवासी सर्वोदयी नेता, गाँधी, विनोबा जी के अनुयाई, स्वतंत्रता सैनानी स्व. श्री जीवनलाल बिन्नानी के ज्येष्ठ पुत्र गोपाल कृष्ण बिन्नानी का जन्म कोलकाता में 30 मार्च 1951 को हुआ। विवाहोपरांत 1977 में सपरिवार मुंबई आकर इसे अपनी कर्मभूमि बना लिया और 'Arts & Crafts (India) के नाम से प्रिंटिंग-पैकेजिंग एवं स्टिकर-लेबल्स का व्यवसाय मुंबई तथा कोलकाता में करते हुए गोसेवा, धर्म प्रचार, प्रकाशन कार्यो और समाज सेवा में लग गए।

समाजसेवा में सदैव सक्रिय

मुंबई की दो सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्थाओं - 'महेश्वरी प्रगति मंडल तथा मनमोहन रास मंडल' से कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय रूप से जुड़ गए। अन्य धार्मिक संस्थाओं जैसे स्वाध्याय परिवार, गायत्री परिवार, चिन्मय मिशन तथा गोरक्षा सत्याग्रह संचालन समिति, से भी निरंतर जुड़े रहे। मुंबई में अंधेरी स्थित जे.बी. नगर में उन्होंने अपना निवास बना लिया तथा वहीं की कुछ सामाजिक संस्थाओं जैसे 'राजस्थानी सेवा संघ, भारत विकास परिषद तथा प्रोग्रेसिव सीनियर सिटीजन्स एसोसिएशन' में भी अपना अमूल्य योगदान प्रदान करते आ रहे हैं।

गणेशोत्सव में महाराष्ट्र में प्रथम

श्री बिन्नानी गत 45 वर्षों से प्रतिवर्ष गणेशोत्सव के शुभ अवसर पर विभिन्न सामाजिक संदेश देती हुई, स्व-निर्मित गणेश जी की मूर्तियों की अनुपम झांकियां घर में सजाकर, एक माह तक आम व्यक्तियों के दर्शनार्थ खुला रखते हैं और कभी गणेशजी का विसर्जन भी नहीं करते हैं। गणेशोत्सव में टाइम्स ऑफ इन्डिया द्वारा आयोजित सजावट-प्रतियोगिता में महाराष्ट्र को प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने में भी वे सफल हुए।

सृजन व शोध निरन्तर जारी

आप मनमोहन रास मंडल द्वारा प्रकाशित सगाई से विदाई, संस्कार सौरभ, आरोग्य सौरभ, सम्पदा सौरभ, जीवन सौरभ, बीकानेर सौरभ, बिकोणेरा हरजस, आदि कई पुस्तकों का सफल संपादन भी कर चुके हैं। आपने अपनी संस्कृति व धरोहर की जानकारी हेतु भारत, नेपाल, बांग्लादेश आदि का भ्रमण कर बहुत शोध कार्य भी किया है।

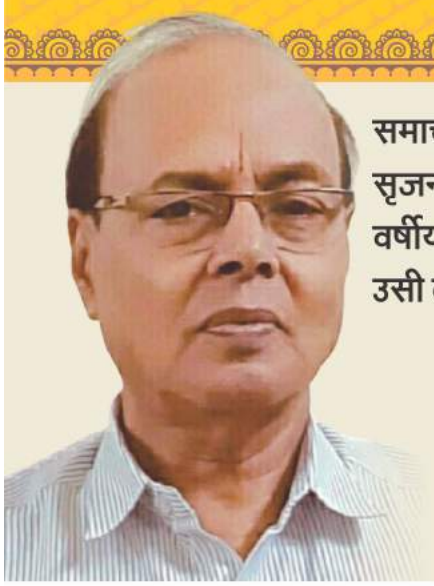

समाचार पत्रों में पत्र सम्पादक के नाम से शुरु कलम साधना की यात्रा साहित्य सृजन ही नहीं बल्कि विभिन्न सम्मानों तक भी जा पहुँचेगी, यह इन्दौर निवासी 66 वर्षीय जय बजाज ने सोचा भी नहीं था। उम्र के इस पड़ाव पर भी श्री बजाज की यात्रा उसी तरह अनवरत जारी है, नये आयाम व नये कीर्तिमानों के साथ।

■ टीम SMT

पत्र-लेखन से साहित्य सृजन तक

जय बजाज

मध्यप्रदेश के एक कस्बाईनुमा शहर बागली (जिला देवास) में 16 मार्च 1957 को स्व. श्रीमती लीलादेवी व श्री रामगोपाल बजाज के यहां जन्में जय बजाज की स्कूली शिक्षा वहीं से प्रारंभ होकर स्नातकोत्तर शिक्षा इन्दौर शहर में पूर्ण हुई। छात्र जीवन में जब स्कूल में छठी क्लास में जय ने पहली बार बाल दिवस पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया तो काका हाथरसी द्वारा रचित एक 'अमूल्य' पुस्तक प्राप्त हुई। महाविद्यालयीन शिक्षा तक अनेक साहित्यिक गतिविधियों (विशेषकर निबंध) में पुरस्कृत / सम्मानित होने का निरंतर सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रोत्साहन की पूंजी से लबालब श्री बजाज की रूचि फिर पत्रलेखन में परिवर्तित हो गई और जब प्रतिष्ठित अखबार 'नईदुनिया' के लोकप्रिय स्तंभ ''पत्र, संपादक के नाम'' में पहली बार इनका पत्र प्रकाशित हुआ तो युवा जय हर्षोल्लास से भर उठा। इसके बाद पत्र लेखन का सिलसिला शुरू हो गया। विविध प्रतिष्ठित समाचार पत्रों के माध्यम से उचित और समसामयिक सुझावों के साथ ही जनमानस से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराने का इनका सार्थक प्रयास सफल रहा।

पत्र लेखन ने भी दिलाया सम्मान

इसी दौरान मध्यप्रदेश पत्र लेखक संघ की स्थापना हुई और 'पलेसं' के मंच पर देश के कुछ प्रख्यात साहित्यकारों, संपादकों और वरिष्ठ पत्रकारों जनार्दन ठाकुर, कन्हैयालाल नंदन, कुलदीप नैय्यर, अरुण गांधी, कालिका प्रसाद दीक्षित 'कुसुमाकर', डॉ. कैलाश नारद, अरुण शौरी, राजेंद्र माथुर, अभय छजलानी, यतीन्द्र भटनागर आदि से आशीर्वाद ग्रहण किया। पत्र लेखकों की अ.भा. स्तर की प्रतिष्ठित पत्रिका 'पाठकों की पत्रकारिता' में कड़ी स्पर्धा में पत्र के प्रकाशन पर भारत सरकार के डाक-तार विभाग ने इनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रतिष्ठित समाचार पत्र 'दैनिक भास्कर' में पूर्व में प्रकाशित प्रेरक स्तंभ की '2257 दिनों' की मूल कटिंग्स के विराट संग्रह पर 19 जुलाई 2022 को 'विश्व रिकार्ड' बनाकर इतिहास रच दिया। इस वैश्विक खबर को भास्कर के साथ ही अन्य अखबारों ने भी बहुत ही सुंदर कवरेज के साथ प्रकाशित किया। प्रतिष्ठित अखबार 'नईदुनिया' की 16 जनवरी 1959 की मूल प्रति को '56 वर्षों' तक सहेज कर रखने की खबर को नईदुनिया ने भूरि-भूरि प्रशंसा और सम्मानजनक कवरेज के साथ 17 जनवरी 2014 को प्रकाशित किया।

साहित्य सृजन से संग्रह तक

देश के अनेक पत्र-पत्रिकाओं में पत्रों, लघुकथा-कहानियों, व्यंग्य, आलेख आदि का प्रकाशन हुआ। नागपुर से प्रकाशित माहेश्वरी समाज की प्रतिष्ठित पत्रिका 'माहेश्वरी', उज्जैन से प्रकाशित प्रतिष्ठित पत्रिका 'माहेश्वरी टाईम्स', महाराष्ट्र के माजल गांव से प्रकाशित प्रतिष्ठित पत्रिका 'माहेश्वरी भूषण' में भी रचनाएं प्रकाशित हुई। माहेश्वरी युवा संगठन के विभिन्न पदों को सुशोभित करने वाले 'जय बजाज' ने इंदौर के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री अशोक डागा सम्मान समारोह के अवसर पर प्रकाशित पत्रिका (1997) में 'सहयोगी संपादक' के पद पर भी कार्य किया। माहेश्वरी समाज के एक प्रतिष्ठित ग्रुप 'माहेश्वरी साहित्यकार मंच' द्वारा महिला दिवस (2022) पर आयोजित अखिल भारतीय आलेख प्रतियोगिता में 'जज' की भूमिका निभाई। जनहितार्थ पत्र, आलेख और निबंध प्रतियोगिताओं में अनेको पुरस्कारों से सम्मानित भी हुए। लघुकथा- कहानियों के पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन के पश्चात् अब संग्रह पर उनकी एक पुस्तक का प्रकाशन शीघ्र होने जा रहा है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों से संबंधित महान व्यक्तित्व से संबंधित संक्षिप्त प्रेरक प्रसंग व घटनाओं का उत्कृष्ट, अद्भुत, रोचक संग्रह 'जय' की अमूल्य धरोहर हैं।

खरी-खरी...

करी स्वार्थ ने जब मनमानी
अपनों ने अपनों से ठानी

घर-घर दुहराई जाती है
दर्द भरी यह करूण कहानी

संबंधों में संवेदन का
इतना अधिक ह्रास पाया है

पीड़ा देख सहोदर की भी
नहीं आँख में आता पानी

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

वरिष्ठ

कोई भी सामाजिक गतिविधि हो उसकी सफलता के लिये समर्पित व कुशल नैतृत्व की आवश्यकता होती है। ऐसे ही कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शक हैं मेवाड़ (राज.) के ग्राम रुद् निवासी 81 वर्षीय परशुराम मूंदड़ा जिनके नैतृत्व व मार्गदर्शन में अन्य सामाजिक गतिविधियों के साथ ही स्थानीय माहेश्वरी भवन भी साकार रूप ले रहा है।

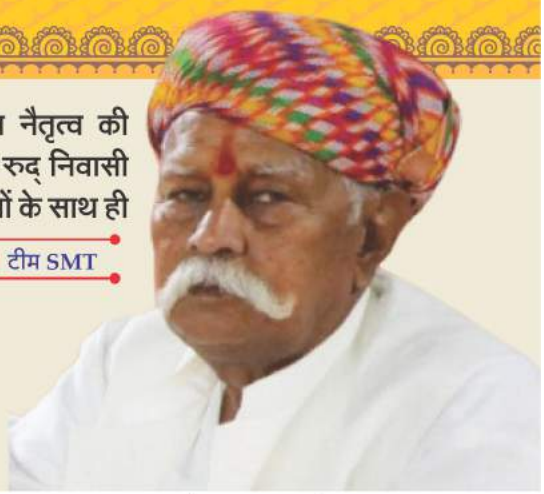

टीम SMT

समाज को समर्पित जीवन
परशुराम मूंदड़ा

मेवाड़ का प्रमुख धार्मिक स्थल मातृकुन्डिया की बनास नदी के किनारे पर है। यह मेवाड की गंगा के नाम से विशिष्ट पहचान के साथ मेवाड़ का हरिद्वार भी कहा जाता है। वर्तमान में यह छोटा सा गाँव अपनी विशिष्ट समाजसेवा के लिये भी पहचाना जा रहा है। इसमें शामिल है, सर्वसुविधायुक्त माहेश्वरी भवन भी जो यहाँ आने वाले आगंतुकों को इस छोटे से गाँव में किसी मेट्रो सिटी के होटल की तरह आवासीय सुविधा प्रदान कर रहा है। इसे मूर्त रूप दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले समाजसेवी हैं, रुद् निवासी 81 वर्षीय परशुराम मूंदड़ा जो वर्तमान में इसके संचालन में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। आपके विशिष्ट आतिथ्य में राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने भगवान परशुराम पैनोरमा का शिलान्यास किया था, जो अब बन कर तैयार है।

ऐसे लिया माहेश्वरी भवन ने साकार रूप

इस माहेश्वरी भवन का प्रबंधन सम्भाल रहे श्री मूंदड़ा का जन्म समाजसेवी मूंदड़ा परिवार में श्री गोवर्धनलाल मूंदड़ा के यहाँ हुआ था। बचपन से पारिवारिक माहौल के कारण सेवा भावना संस्कार के रूप में ही मिल गई। इस माहेश्वरी भवन का निर्माण श्री मूंदड़ा के ताऊजी श्री मोहनलाल मूंदड़ा की सोच व सान्निध्य में प्रारम्भ हुआ था। वर्तमान में यह भवन राश्मि तहसील जिला चित्तौड़गढ़ में स्थित है व इसका संचालन रजिस्टर्ड ट्रस्ट द्वारा हो रहा है। आप 20 अप्रैल 1990 से अध्यक्ष पद पर सेवा दे रहे हैं। ट्रस्ट में मेवाड़ के 41 गाँव-नगर के माहेश्वरी परिवार से प्रतिनिधित्व है। धर्मशाला में 24 कमरे एवं 20 दुकाने हैं। धर्मशाला के तीन दिशाओं में द्वार बने हुए है। इसमें सत्संग भवन भी बना हुआ है तथा 4 एसी रूम अटैच लैटबाथ का निर्माण होना है।

व्यस्तता में भी सेवा अनवरत

श्री मूंदड़ा सीमेंट व्यवसाय से सम्बंधित रहे हैं, इसके बावजूद वे समाज को अपनी सेवा देने में कभी पीछे नहीं रहे। वर्तमान में आपके पास सीमेंट की एजेन्सी है जिसे सुपुत्र भंवर, राधेश्याम, व अभिषेक सम्भालते हैं। आपकी चार पुत्रियाँ हैं- यशोधरा, राधा, कौशल्या, सुशीला। यशोधरा कुवारिया की सरपंच रही है। वर्तमान में आपका पोते, पोतियों, दोहितों दोहितियों का भरा पूरा परिवार है। यहाँ स्थित माहेश्वरी भवन में कबूतरों के दाना-पानी की व्यवस्था के लिए भी अलग से फंड बना हुआ है, जो सुचारू रूप से दान दाताओं के आर्थिक सहयोग से गतिमान है। श्री मूंदड़ा पूर्व में राश्मी माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष व चित्तौड़गढ़ जिला माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष का दायित्व भी सम्भाल चुके हैं।

योग-मुद्रा

ध्यान में बैठने की सबसे आसान व सरल मुद्रा है ब्रह्मांजलि मुद्रा। भगवान बुद्ध भी इसी मुद्रा में ध्यान करते थे और इससे उन्होंने ब्रह्म ज्ञान प्राप्त किया। इसमें दोनों हाथों को एक मुद्रा में रखकर अपने आपको बिल्कुल शांत पाते हैं और मन व शरीर निष्क्रिय हो जाता है। ज्ञान मुद्रा गरिमा शक्ति को बढ़ाती है। ध्यान मुद्रा लालिमा शक्ति देती है, जिससे शांति प्राप्त होती है। गरिमा शक्ति अपनी इच्छानुसार शरीर का भार बढ़ाने की शक्ति हैं। इसी से शरीर में हल्कापन और मन में शांति प्राप्त होने लगती है। ब्रह्मांजलि मुद्रा से शांति व अन्य सभी लाभ मिलते हैं।

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

भगवान बुद्ध की मुद्रा
ब्रह्मांजलि मुद्रा

कैसे करें: पद्मासन / सुखासन में बैठकर बायां हाथ अपनी गोद में रखें- हथेली ऊपर की ओर। दाएं हाथ को बाएं हाथ की हथेली पर रखें- हथेली ऊपर की ओर। अब दोनों हाथों के अंगूठों को एक दूसरे के ऊपर रखें अथवा दोनों हाथों से ज्ञानमुद्रा बना लें। ज्ञान मुद्रा में ध्यान मुद्रा बनाने से 'ज्ञान ध्यान' मुद्रा बन जाती है।

क्या होते हैं लाभ

- पूरा स्नायु मण्डल शांत होता है। मन की चंचलता, चिड़चिड़ापन, व्यर्थ में चिन्ता करना, व्यर्थ का सोचना, अनिद्रा, दुःस्वप्न, क्रोध आना और स्नायु मण्डल के सभी रोग शांत हो जाते हैं।
- उच्च रक्तचाप एवं निम्न रक्तचाप दोनों ठीक होते हैं। हृदय की दुर्बलता दूर होती है।
- ध्यान मुद्रा से ध्यान साधना में बहुत लाभ होता है। स्थिरता व तटस्था आती है। मन अन्तर्मुखी होकर व्यक्ति समत्त्वपूर्ण, शांत, सम्यक यौगिक स्थिति को प्राप्त होता है।
- यह मुद्रा शारीरिक एवं मानसिक उपद्रवों को शांत और शमन करके साधक को ऊंची आत्मानुभूति की ओर ले जाती हैं।
- इस मुद्रा में बैठने से जब शरीर व मन पूर्णतयः शांत हो जाते हैं, तो हमारे भीतर दिव्य ईश्वरीय शक्ति का संचार होने लगता है और हम ईश्वरीय अनुभूति की प्राप्ति के लिए तैयार हो जाते हैं।
- सामान्यतः बाएं हाथ की ओर से ऊर्जा शरीर में आती है और दाएं हाथ से बाहर निकलती है। इसलिए आशीर्वाद दाएं हाथ से दिया जाता है। शरीर और मन में हल्कापन लाने के लिए यह मुद्रा प्रसिद्ध हैं। जब शरीर और मन हल्का होने लगता है तो आत्मबल और उत्साह बढ़ता है। ध्यान की अवस्था पाने के लिए यह मुद्रा बहुत लाभकारी है।
- इसमें पांचों तत्वों व प्राण शक्ति का संतुलन बनता है। शक्ति का ऊर्ध्वारोहण होता है। हथेलियों से प्राण ऊर्जा व्यर्थ नहीं जाती, शरीर में ही रहती है।

परिवार की जिम्मेदारी निभाते-निभाते एवं बच्चों की परवरिश करते-करते उम्र का एक बड़ा हिस्सा व्यय हो जाता है। बच्चे अपने कॅरियर और परिवार में व्यस्त हो जाते हैं और माता-पिता अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त। माता-पिता की उम्र एकाकीपन के साथ बुढ़ापे की ओर बढ़ने लगती है। ऐसे में उन्हें अपने हमउम्र संगी-साथियों की आवश्यकता होती है, जिनके साथ वो अपने सुख-दुख बांट सके। आजकल छोटे-बड़े सभी बच्चे अपनी दिनचर्या में व्यस्त होते हैं जो चाहकर भी अपने वृद्ध माता-पिता के लिए समय नहीं निकाल पाते। एक सोच यह है कि ऐसे में समाज का सीनियर सिटीजन संगठन बुजुर्गों के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है। युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस विषय पर विचार करके समाज में सीनियर सिटीजन संगठन का गठन अवश्य करना चाहिए, जिससे उनका आपसी संपर्क बढ़े और उनका एकाकीपन कम हो सके। वहीं समाज की ऊर्जावान युवा पीढ़ी ही नहीं बल्कि कुछ सक्रिय वरिष्ठजन भी इसे अपने कर्त्तव्यों से पलायन मानकर इसे समय की बर्बादी मानते हैं। उनका मानना है कि वरिष्ठों को भी युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पूर्ण ऊर्जा के साथ कार्य करना चाहिये। ऐसे में यह विचारणीय हो गया है कि क्या सीनियर सिटीजन संगठन का गठन करना उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

समाज में सीनियर सिटीजन संगठन का गठन उचित अथवा अनुचित?

सीनियर सिटीजन संगठन का गठन उचित

अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरी करने के पश्चात बुजुर्गों के पास खाली समय तो बहुत होता है पर जोश और उत्साह नहीं होता। उनकी सारी ऊर्जा बढ़ती उम्र के साथ-साथ कम हो जाती है। यही कारण है कि वो चाह कर भी अपनी आधी-अधूरी इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाते। उनके युवा बच्चे भी अपने कैरियर और परिवार में व्यस्त होने के कारण उनके साथ समय व्यतीत करने में असमर्थ होते हैं अथवा बुजुर्ग दंपति घरों में अकेले निवास करते हैं। अब कारण जो भी हो बुजुर्गों का जीवन एकाकीपन के कारण निराश और हताश होने लगता है। सीनियर सिटीजन संगठन में बुजुर्गों के हमउम्र के लोगों के साथ बात करने, मिलने-जुलने, संपर्क में रहने से उनका अवकाशीय समय आसानी से व्यतीत होगा। स्वयं को बच्चों पर बोझ महसूस नहीं करेंगे और ना ही बच्चे माता-पिता को बोझ समझेंगे। सीनियर सिटीजन संगठन के सदस्य भले ही पाक्षिक / मासिक / द्विमासिक बैठक में मिलें पर उनका संपर्क व्यक्तिगत अथवा फ़ोन पर निरंतर बना रहेगा, जिससे उनका मन हराभरा रहेगा। अपने सुख-दुःख हमउम्र के साथ बाँटकर जो मानसिक सुकून मिलता है वह और कहीं नहीं, क्योंकि उम्र के साथ-साथ उनकी सोच, अनुभव, सुझाव, विचार, नजरिया और व्यवहार लगभग समान ही होते हैं। सीनियर सिटीजन संगठन के गठन और संचालन में युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं को थोड़ा सहयोग अवश्य करना पड़ता है क्योंकि वृद्ध अधिक भागदौड़ में असमर्थ होते हैं। समाज के बुजुर्गों के लिए यह युवा कार्यकर्ताओं का फर्ज भी है और जिम्मेदारी भी। अतः समाज के वृद्धजनों में जीवन के प्रति सकारात्मक ऊर्जा भरने के लिए सीनियर सिटीजन संगठन का गठन करना अतिआवश्यक है।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव

समयोचित हैं ये संगठन

समयोचित है वरिष्ठ संगठन की सोच। पारिवारिक, आर्थिक जिम्मेदारियां जब कम होने लगती है, शारीरिक श्रम भी अवस्थानुसार कम होने लगता है। ऐसे में ये संगठन मन बहलाव के साथ समय व्यतीत करने के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। अपने हमउम्र साथियों के साथ, जिनकी परेशानियां भी एक सी होती है, निःसंकोच कुछ समय साथ रहकर अपने-आप को प्रफुल्लित और तरोताजा अनुभव करते है। घर मे बच्चे अपनी अलग जिम्मेदारियों की वजह से अधिक साथ नही दे पाते। कामकाज के दौरान वे अपने शौक भूल चुके होते है,अपनी कला को भी व्यस्तताओं के बीच समय नही दे पाते, ऐसे में ये संगठन उन्हें अवसर प्रदान करते है। युवा भी जागरूक हो गये हैं, समय निकालकर वे उनके लिए व्यवस्था कर देते है। हाइटेक होती चीजे भी पथ प्रदर्शन कर देती हैं। संगठन में वे अपने पुराने दिनों की खुशनुमा यादों को साथियों के साथ बांटकर खुशी अनुभव करते हैं। अपनी तकलीफों को भी कहकर हल्का महसूस कर लेते हैं। संगठन में जाने की प्रतीक्षा में घर मे भी उनका समय अच्छा व्यतीत हो जाता है। वरिष्ठ नागरिक जिनकी शारीरिक-बौद्धिक क्षमता कम हो गई है, ऐसे संगठन उनके लिए वरदान हैं। यह अलग बात है कि जो वरिष्ठ नागरिक ऊर्जावान हैं, हर तरह से सक्षम हैं, वे अपना काम यथावत रख लेते हैं। संगठन में आपसी परिचय का दायरा बढ़ता है, बुढ़ापे में जीवन साथी ना होने पर एकाकीपन दूर करने में ये संगठन मददगार साबित होते है। जब सीनियर सिटीजन के लिए ऐसे संगठन का गठन होने लगेगा तो, वृद्धाश्रम खुलने में कहीं तो रोक लगेगी।

❐ **शीला अशोक तापड़िया**

वरिष्ठ अनुभव का सोना

जिस प्रकार डूबता हुआ सूरज शाम बड़ी हसीन बना देता है, पर उसके लिए उसे दिन भर तपना भी पड़ता है। ठीक उसी प्रकार हमारे परिवार, समाज के जो सीनियर सिटीजन है उनको भी सोने की तरह आग में जल कर अपनी परीक्षाओं में आगे बढ़ते हुए समाज को ऊंचाईयों पर पहुंचाना पड़ता है। उनका सदैव वन्दन, नमन,और समय देकर शिक्षा, संस्कार ग्रहण करके करने के बजाय आज के गुगल पर ज्ञान खोजकर भ्रमित हो रहे हैं।

❐ **भागीरथ भूतड़ा,** सूरत

वरिष्ठ संगठन का गठन जरूरी

हर शहर हर समाज में वरिष्ठ लोगों की चौपाल यानी उनके लिए एक संगठन का गठन होना चाहिए। उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय दिशा के तहत बदलते सामाजिक मूल्य और नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने और व्यक्ति के अपने छोटे परिवार तक सीमित हो जाने की जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ो के लिए कई समस्याएं खड़ी होती हैं। उसको ध्यान में रखते हुए हर शहर व हर समाज में एक वरिष्ठ चौपाल यानी उनके लिए एक संगठन का गठन करना चाहिए। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिसमें बुजुर्गों के लिए समुचित सुविधा हो, स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रम हों, संगठन के सदस्यों का सामूहिक बीमा हो। ऐसे संगठन से वृद्धों को सामाजिक, आर्थिक और मानसिक सुरक्षा मिलती है। जो बुजुर्ग शिक्षित हैं, हुनर का ज्ञान रखने वाले अनुभवी बुजुर्ग की वजह से अन्य लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। अपने घर में वह टेलीविजन का उपयोग भी अपनी इच्छा अनुसार नहीं कर पाते हैं, ऐसे संगठन से वह भी अपनी सुविधा अनुसार समय व्यतीत कर सकते हैं। बुजुर्गों ने जीवन भर समाज के लिए योगदान दिया और बुढ़ापे में सम्मान और समाज के साथ उनका सम्मानजनक व्यवहार भी किए जाने के लिए वह पात्र हैं। छोटे परिवार होने व एकाकीपन की वजह से वे समय से पहले ही लाचार और बीमार हो जाते हैं, हर समाज को वरिष्ठ चौपाल का गठन करना चाहिए ताकि वे आपस में मिलकर अपने दुख-सुख के अनुभव बांट सकें। उनके लिए मनोरंजन के कार्यक्रम भी होने चाहिए। सभी विवाह शादी व अन्य सामोरह में भी उनको ध्यान में रखकर कुछ कार्यक्रम होने चाहिए। संगठन बनने से एक हफ्ते में कम से कम एक बार उन्हें आपस में मिलने का मौका मिलना चाहिए। स्थानीय भवन में उनके लिए स्थाई जगह होनी चाहिए।

❐ **प्रेम बिसानी,** अहमदाबाद

शतप्रतिशत उचित सीनियर सिटीजन संगठन

बच्चों की परवरिश करते-करते मां-बाप के जीवन का सबसे बेहतरीन समय कब बीत जाता है, उन्हें अहसास ही नहीं हो पाता। जीवन के खास मुकाम के दुहराव पर, जबकि उम्र का एक बड़ा व महत्वपूर्ण दौर गुजर चुका होता है, इस बात का अहसास होता है कि बच्चों को पालते पोसते, उनकी अच्छी शिक्षा-दीक्षा का इंतजाम करते, उन्हें उनके जीवन संघर्ष में सेट करते, उनकी गृहस्थी बसाते-बसाते कब जीवन की संध्यावेला ने आहट दे दी। अचानक यह अहसास कराती है कि अब समय आ गया है कि पुनः अपनी विस्मृत जिंदगी को खुलकर जिया जाये और अपने लगभग भुला चुके शौकों को, जिनके पीछे बचपन में पागलपन की हद तक चाहत थी, को एक बार फिर जिंदा करके सुकून के कुछ पलों के साथ जिया जाये। बढ़ती उम्र के दौर में घटती स्वास्थ्य दशा, कई बार किन्हीं कारणों की वजह से अपनों के साथ रहने की असफल चाहत, कभी-कभी जीवन साथी से बिछोह, पारिवारिक रुप से अपनी ही औलाद का उदासीनता भरा तिरस्कारपूर्ण रवैया आदि की वजह से व्यक्ति निजी जिंदगी में बहुत अकेलापन महसूस करता है। अतः समाज में सीनीयर सीटीजन संगठन का गठन कर व्यक्ति किसी प्रकार अपनी जिंदगी व्यस्त कर खुशी-खुशी अपना बचा समय बिता सके, तो इसमें बुराई क्या हैं? अपने हम उम्र साथियों के साथ आनंददाक पलों का लुत्फ उठा सके, इस हेतु इस संगठन का गठन पूर्णतः सही है।

❐ **सुरेन्द्र बजाज अध्यक्ष,** जयपुर

स्वतंत्र संगठन जरूरी हैं

समाज में कई शहरों में सीनियर सिटीजन के अलग संगठन स्थापित हो चुके हैं और यह वर्तमान दौर की व्यस्ततम जीवनशैली की जरूरत है। इसमें वरिष्ठ समुदाय कर्तव्य से पलायन कर रहे हैं, ऐसा मानना पूरी तरह अनुचित है। क्योंकि युवाओं से जुड़कर कार्यक्रम होते हैं तो सभी वरिष्ठ सदस्यों को आगे आकर कुछ करने के अवसर प्राप्त नहीं होंगे, उनकी भूमिका केवल सलाहकार के रूप में रहेगी। उम्र के फासले के चलते दोनों ही वर्ग असुविधा महसूस कर सकते है। अलग संगठन होने से वरिष्ठ सदस्य कई तरह के आयोजनों को अंजाम देते हैं, धार्मिक जगहों पर घूमने जाते हैं, हम उम्र सदस्यों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सुविधा तो होती ही है साथ ही यह पल खुशनुमा भी हो जाते हैं जो उनकी मानसिक और शारीरिक अवस्था को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होते हैं। समाज में वरिष्ठ संगठनों की गतिविधियां उनके लिए तो हितकर हैं ही क्योंकि आपसी मेल-जोल के साथ ही अनेक कार्यक्रम समय-समय पर होते रहते हैं जिसमें वरिष्ठ महिलाएं एवं पुरुष बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और क्रियाशील बने रहते हैं। ऐसे आयोजनों के दौरान वह भी तकनीकी चीज़ों का ज्ञान प्राप्त करने में उत्सुक रहते हैं, सीखने की ललक ताउम्र बनी रहती हैं। युवा वर्ग चाहें तो वरिष्ठ संगठनों के सदस्यों से उनके अनुभव के आधार पर आवश्यक सलाह लेकर समाज की प्रगति हेतु जरूरी बदलाव लाने के लिए प्रयास कर सकते हैं, किंतु सीनियर सिटीजन के अलग संगठन होने ही चाहिए।

❐ **राजश्री राठी,** अकोला (महाराष्ट्र)

शब्दों को कितनी भी ''समझदारी'' से इस्तेमाल कर लो फिर भी सुनने वाला अपनी ''औकात'' के अनुसार ही उसका ''मतलब'' समझता है।

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
94141-32483

पिछले अंक से क्रमशः

कॉर्बेल का उपहार

'वैसे तो यह रोटी, हरी मिर्च, केला, फल एवं फलियां आदि खाता है पर इसे ज्वार, मूंगफली, पके चावल, मेवे एवं शकरकंद खूब पसंद हैं। यह नहाने का शौकीन है, सुबह-शाम नहाने के बाद खूब बातें करता है। इसे लेना लेकिन हरेक के बूते की बात नहीं है। यह रईसों का तोता है एवं इसकी कीमत तीस हजार है। एक पैसा कम नहीं करूंगा। जवान तोता है। ऐसे सात तोते मुंबई से लाया था, छः बिक गए यह अंतिम है।' पक्षीवाला एक सांस में सब कुछ बोल गया।

कीमत कुछ ज्यादा थी पर अभिरुचि आपसे औकात के बाहर भी बहुत कुछ करवा लेती है। व्यासजी के सर पर भूत चढ़ गया। उन्होंने एक बार फिर तोते को देखा तो वह उन्हें देखकर पंख, गर्दन, आंखें हिलाने लगा। वह व्यासजी को यूँ करुण नेत्रों से देखने लगा मानो कह रहा हो,'प्लीज़! मुझे ले लीजिए! आप एवं आपके परिवार को खूब खुश रखूंगा।' इसी दरमियान तोता उनकी ओर देखकर बोला 'हल्लो' तो व्यासजी की आंतरिक इच्छा परवान चढ़ गई।

स्थिति देखकर उन्होंने स्वयं को संयत किया। उन्हें लगा पक्षीवाला मुंह फाड़ रहा है। वे उसे दाम कम करने का कह ही रहे थे तभी एक महंगी कार वहां आकर रुकी। उसमें से एक मैडम उतरी एवं उसी तोते की ओर देखकर बोली,'क्या यह कॉर्बेल है? मैं इसे ही ढूंढ रही थी।' व्यासजी ने टेढ़ी आंखों से पहले मैडम फिर उसकी कार की ओर देखा एवं बिना समय गंवाए बोले,'मैडम! यह तोता मैंने ले लिया है।' ऐसे कहते हुए उन्होंने जेब से क्रेडिट कार्ड निकाला जिसे पलक झपकते पक्षीवाले ने स्वाइप कर लिया। भुगतान मिलते ही उसने ऊपर आसमान की ओर देखा एवं ईश्वर को इस अहैतुकी कृपा के लिए धन्यवाद दिया। उसे आज पहली बार प्रतिस्पर्धा का मूल्य समझ आया।

व्यासजी कॉर्बेल के साथ पिंजरा, कटोरियाँ आदि लेकर जाने लगे तो प्रमुदित तोता मैडम की ओर देखकर बोला,'बाई मैडम!' मैडम मन मसोस कर रह गई। उसे अपने धन की निरर्थकता एवं व्यासजी को उनकी अभिरुचि की जीत का अहसास हुआ। घर के रास्ते में ही उन्होंने उसका नाम उसकी प्रजाति के ही नाम पर यानि 'कॉर्बेल' रख दिया।

रात नौ बजे वे घर पहुंचे तो पूरा परिवार डिनर पर उनका इंतज़ार कर रहा था। उनके हाथ में गोल्डन रंग का पिंजरा एवं उसके भीतर खूबसूरत गहरे हरे रंग के तोते को देख सभी आश्चर्यचकित रह गए। व्यासजी ने आगे बढ़कर पिंजरा टेबल पर रखा एवं कॉर्बेल से वे सभी मिमक्री दोहरवाई जो उन्होंने पक्षीवाले के यहां देखी थी तो सभी मस्ता गए। कॉर्बेल ने भी अपना पहले इम्प्रेशन की महत्ता समझते हुए दिलकश अंदाज़ में कुत्ते, मुर्गे, बकरी, पिल्ले, बच्चों के हंसने-रोने की आवाज़ें दोहराई तो टेबल पर हंसी के फव्वारे फूट पड़े। व्यासजी ने आज एक अरसे बाद सभी को यूँ हंसते देखा तो भीतर तक भीग गए। तभी सुमित्रा बोली,'यह कितने में लिया तो व्यासजी झेंपे फिर तुरत संयत होकर बोले, 'तीन हज़ार।' एक जीरो उड़ाते हुए उन्होंने पेट का पानी तक नहीं हिलने दिया। सुमित्रा का स्वभाव वे जानते थे, जीरो नहीं उड़ाते तो खुद उड़ जाते।

कॉर्बेल के रहने का स्थान भी शीघ्र तय हो गया। रसोई के दाएं एक छोटा कमरा था जो वर्षों से बंद पड़ा था। आनन-फानन इसकी सफाई की गई एवं कॉर्बेलजी का पिंजरा वहीं लटका दिया गया। इस कमरे से पोर्च, उससे जुड़ा बगीचा एवं भीतर का चौक, कमरे आदि साफ दिखते थे।

चंद दिनों में ही कॉर्बेल सबका प्यारा हो गया। उसकी सुरीली आवाज, दिलकश अदाएं, मिमिक्री आदि से सभी उसके दीवाने हो गए। हर कोई उसे कुछ न कुछ खिलाने को लपकता। कोई उसकी कटोरियाँ साफ कर रहा है तो कोई पिंजरा। सभी उसे मारवाड़ी अभिवादन के नए-नए शब्द सिखाने लगे। उसकी पकड़ इतनी गहरी थी कि थोड़े ही दिनों में वह अभ्यागत मेहमानों का खम्माघणी, पधारो सा, विराजो हुकम आदि शब्दों से स्वागत करने लगा। मेहमानों को स्नैक्स आदि लेने का कहते तो वह बोलता 'आरोगो सा।' वे जाते तो ..फेर आवजो हुकम, घणीखम्मा कहता। उसके ऐसा बोलते ही मेहमान झूम उठते। वह उदास स्थितियों तक में हास्य भर देता। कुल मिलाकर कॉर्बेल ने सबका जीवन बदल दिया। उसकी मधुर मिमिक्री अवसादिक क्षणों में माधुर्य घोल देती।

सभी कॉर्बेल से खुले भी बतियाते एवं दरवाजा बन्द कर अकेले भी बातें करते। कई बार होठों ही होठों में ऐसे बतियाते मानो कॉर्बेल एवं उनके मध्य कुछ सीक्रेट्स हों। एक बार सुमित्रा की मनीषा से बिगड़ी तो व्यासजी ने उसे तोते से बात करते पाया,'कॉर्बेल! बहू बहुत टेढ़ी है। आता-जाता कुछ नहीं हर बात में टांग अड़ाती है।' उस दिन उसने उसे अपने हाथों से काजू के टुकड़े खिलाए तो कॉर्बेल 'थैंक यू दादी' कह कर नाचने लगा। वह पंख फैलाकर गोल-गोल घूमने लगा। सुमित्रा कमरे से बाहर आई तब बहुत प्रसन्न थी। कहां व्यासजी लाख प्रयास कर उसे नहीं मना पाते, कहां कॉर्बेल ने जादू कर दिया। एक अन्य दिन व्यासजी ने बहू को भी दरवाजा बन्द कर कॉर्बेल से बातें करते देखा। बहू इतनी चतुराई से बातें करती कि किसी को हवा तक नहीं लगती। उस दिन बहू बहुत खुश थी। थोड़े दिन बाद एक इतवार को सास-बहू में फिर खटराग हुई। उस दिन कॉर्बेल ने गज़ब कर दिया। वह जोर से बोला 'टेढ़ी है।' आश्चर्य! यह सुनकर सास-बहू दोनों खुश थीं। सुमित्रा की बात तो व्यासजी ने सुनी थी पर बहू क्यों खुश थी? यकायक व्यासजी के जहन में बिजली कौंधी। वे इस राज को जान गए। इसका मतलब बहू ने भी बात कर कॉर्बेल को वही कहा जो सुमित्रा ने कहा 'सास टेढ़ी है।' कॉर्बेल ने कुशल सम्पादन कर कॉमन शब्द बोल दिए।

कॉर्बेल से व्यासजी एवं सास-बहू ही नहीं दोनों पोतियां भी बतियाती थीं, कभी अलग तो कभी अकेले में। नई पीढ़ी की कम समस्याएं हैं क्या? हमसे अधिक गोले इनकी खोपड़ी में घूमते हैं। कॅरियर एवं निजी समस्याएं भूतों की तरह सपनों में नाचती हैं। एक दिन अनीता का मित्र दिलीप घर आया। जवान, लंबा-तगड़ा, स्मार्ट बंदा था। उस दिन घर पर व्यासजी, सावित्री एवं अनीता ही थे। कॉर्बेल तुरंत बोला, 'पधारो सा, खम्माघणी। 'दिलीप दंग रह गया। व्यास दम्पति ने कुछ देर उसकी आवभगत की फिर बाजार जाने के बहाने बाहर निकल गए। वे लौटे तब अनीता बहुत खुश थी। उस दिन बहुत देर वह कॉर्बेल से गुटर-गूं करती रही। जब हम प्रसन्न

होते हैं तो सर्वत्र प्रसन्नता बांटते हैं। जो भीतर है वही तो देंगे। मज़ा तब आया जब कुछ दिन बाद कॉर्बेल ने यह कहकर सबको चौंका दिया,'लव यू बेबी।' उस दिन व्यासजी असहज हंस पड़े। उसके पास जाकर बोले, 'कॉर्बेल! अब तेरे जूते खाने के दिन आए।'

एक दिन अनिमेष का आफिस में यूनियन नेता से झगड़ा हो गया। इन दिनों वह बहुत व्यवधान पैदा कर रहा था। उस शाम अनिमेष बहुत देर बगीचे में टहलता रहा फिर भीतर आकर कॉर्बेल के कमरे में घुस गया। उस दिन कॉर्बेल ने मिमिक्री के कुछ नए शब्द प्रयोग किए। दोनों में गुफ्तगू भी हुई। अनिमेष बाहर आया तो चेहरा प्रसन्नता से सराबोर था।

इसके एक पखवाड़े बाद व्यासजी की अनिमेष से बहस हो गई। गृहस्थी में नोक-झोंक तो होती ही है। बाप अपनी बापगिरी छोड़ते हैं क्या? यकायक कमरे से कॉर्बेल बोला,'सीआर खराब कर दूंगा।' इस बार चौक में व्यासजी एवं अनिमेष का संयुक्त अट्टहास गूंजा। वे हंसते हुए कॉर्बेल के पास आए एवं हाथ जोड़कर बोले, 'प्रिय कॉर्बेल! सब कुछ करना, सीआर मत बिगाड़ना। 'वे यह भी समझ गए कुछ दिन पहले अनिमेष ने गुस्से में कॉर्बेल से क्या कहा होगा? आश्चर्य तो तब होता जब कॉर्बेल सही समय पर सही मिमिक्री कर वातावरण को रसमय बना देता। लोग ठीक कहते हैं पक्षियों में अतीन्द्रिय शक्ति आदमी से अधिक होती है।

इन दिनों व्यासजी एवं सुमित्रा को किसी निकट रिश्तेदार के विवाह समारोह में तीन दिन शहर से बाहर जाना पड़ा। वे लौटे तो कॉर्बेल के नए शब्द सुने,'नो किस प्लीज! 'व्यासजी पके चावल थे, तुरंत समझ गए। उनके हरिद्वार प्रवास के दरमियान राजू अपनी गर्लफ्रैंड घर लाया होगा। हद तो तब हुई जब सुनीता के बर्थडे पर केक काटने के बाद कॉर्बेल बोला,'लेट्स ड्रिंक एंड डांस।' ओह! तो क्या सुनीता का मित्र माधव भी व्यासजी की अनुपस्थिति में यहां आया था? एक बार सुमित्रा उदास थी तो कॉर्बेल बोला,'लेट्स टॉक दादी।' उसके ऐसा कहते ही वह उठकर उसके पास चली गई। व्यासजी को भी कई दफा चुप देख वह पुकारने लगता, 'कम दादू।' वे उठकर उसके पास जाते, उसे कहते,'यस कॉर्बेल! मेरे बच्चे! राजदुलारे! तू कित्ता प्यारा है।' वह तब झूमकर नाचने लगता।

कॉर्बेल ने कुछ माह में ही घर की फ़ज़ा बदल दी। कॉर्बेल से मन की भाप निकाल सभी हलके हो जाते। ओह! मन का रेचन यदि किसी निष्पाप, पवित्र मन के आगे हो जाए तो उदासियां खुशियों में बदल जाती हैं। कलुष, वैमनस्य एवं ईर्ष्या से भरे मनुष्य से क्या मन बांटा जा सकता है? पक्षी कितने निर्मल होते हैं, उन्हें सिर्फ देना आता है वह भी निःशुल्क। समूची प्रकृति में मनुष्य ही ऐसा जीव है जो पाने के भाव से देता है। कोयल मीठा बोलती है क्या कोई शुल्क लेती है? रॉयल्टी लेती है? कोई कॉपीराइट करवाती है? क्या उसे कोई यश की अभीप्सा है? खिलते हुए फूल क्या आपसे मूल्य मांगते हैं? कुत्ता वफादारी के लिए जान दे देता है, क्या वह प्रतिफल चाहता है? इसीलिए तो पशु-पक्षी प्रसन्न हैं एवं मनुष्य दुःखी। यह अस्तित्व उनकी कोई मदद नहीं करता जो लेने के भाव से देते हैं। अस्तित्व का आनंद स्वार्थी लोगों के लिए है ही नहीं।

इन दिनों कॉर्बेल कभी-कभी लंबे समय के लिए चुप रहने लगा था। यह उदासी तो नहीं थी पर अवश्य कुछ था। मैंने सुमित्रा से बात की तो वह हंसकर बोली,'इसे तोती चाहिए।' उस दिन घर में अनार के दाने बिखर गए।

दिन, महीने यूँ ही बीतते गए। कॉर्बेल को आए अब ग्यारह माह बीत गए। आज सुबह ब्रेकफास्ट लेते हुए व्यासजी ने यह बात छेड़ी तो सबने मिलकर यह तय किया कि हम कॉर्बेल की वर्षगांठ मनाएंगे। सभी यह सोचने लगे उसे क्या उपहार दिया जाय? जिसने व्यास परिवार को इतना कुछ दिया, सबका जीवन बदल दिया उसे वे भी तो कुछ खास ही देंगे ना? बीती रात व्यासजी एक घण्टे सोचते रहे उसे क्या दूं? उत्तर नहीं मिला तो वे कॉर्बेल के पास चले आए, धीरे से उसे पूछा, 'वर्षगाँठ पर क्या लेगा रे!' वह कुछ नहीं बोला, पिंजरे के बीच से उनके करीब आकर यूँ खड़ा हो गया मानो कह रहा हो,'अब और क्या मांगू दादू! आपने सब कुछ तो दे दिया।' उस दिन उसे देखकर व्यासजी की आँखें नम हो गई।

गणगौर फिर आया। अनंग फिर बौराया। फज़ाओं में उत्सव के गीत गूंजने लगे। खेलण दो गणगौर ..भंवर माने पूजण दो गणगौर..सांझ पड़े पिव लागे जी प्यारा.. कुरजा ए मारो भंवर मिला दीजो..लड़ली लूमा झूमा हो जैसे रस भीगे गीतों से शहर का समाँ बदल गया। व्यासजी घाटी पर गणगौर का मेला देखने पहुंचे। बणी-ठणी गवरी फिर गहने पहन कर निकली। ओह! आज वह अपने प्रिय आशुतोष से मिलेगी, अपना सब कुछ लुटाने के लिए! सच्चे प्रेमी तो लुटकर ही पाते हैं। वे कहां हिसाब रख पाते हैं?

व्यासजी आज जल्दी घर लौट आए, कॉर्बेल की वर्षगाँठ जो थी। वे पहुंचे तब स्वच्छ, चमकता पिंजरा डाइनिंग टेबल पर रखा था। सभी ने उनके आने के पूर्व ही सारी तैयारियां कर ली थी। सुमित्रा ने पिंजरे की खिड़की खोल कॉर्बेल को नए वस्त्र पहनाए। बहू ने उसके गले में सच्चे मोतियों की माला पहनाई। राजू ने एक चॉकलेट भीतर रखी। अनिमेष ने काजू-मेवे पिंजरे की कटोरी में डाले। सुनीता-अनीता ने 'हैप्पी बर्थडे डिअर कॉर्बेल' लिखा केक काटा तो राजू ने इसमें लगी मोमबत्ती बुझाकर मोबाइल पर गाना लगाया ... बार-बार दिन ये आए...बार-बार दिन ये आए। पूरे परिवार ने जोर से इस गाने को दोहराया तो कॉर्बेल मस्ता गया। बच्चों ने जमकर डांस भी किए। तत्पश्चात हारे-थके सभी डिनर लेकर सोने चले गए।

रात व्यासजी डबलबेड पर सुमित्रा के साथ लेटे थे। सुमित्रा थकी होने से जल्दी सो गई, पर उनकी आँखों में नींद कहाँ थी? ओह प्रिय कॉर्बेल! सभी ने तुम्हें इतने सुंदर उपहार दिए पर दादू कैसा निष्ठुर है! उसने तुम्हें कुछ नहीं दिया? इसीलिए तो तुम आतुर आंखों से बार-बार दादू को देख रहे थे।

रात गहराने लगी थी। अर्धरात्रि के कुछ पूर्व व्यासजी उठे एवं कॉर्बेल के कमरे में आए। कमरे में जीरो बल्ब का हल्का नीला प्रकाश बिखरा था। उन्हें देखते हो कॉर्बेल चौंका तो वे पिंजरे के समीप आकर बोले, 'कॉर्बेल! मैं कई दिनों से सोच रहा था तुम्हें क्या दूं? बच्चे! तुमने हमें सब कुछ दिया, हंसाया-गुदगुदाया पर हम तुम्हारी जरूरत, तुम्हारा दर्द कभी नहीं समझ सके। मनुष्य बड़ा निष्ठुर हे रे! उसे सिर्फ लेना आता है, देना उसने कब सीखा है? 'कहते-कहते जाने क्या सोचकर व्यासजी के हृदय में संवेदनाओं का सैलाब उमड़ आया, स्वर भर्रा गया एवं आंसुओं के मोटे-मोटे कतरे कपोलों से बह गए।

कांपते हाथों से व्यासजी ने पिंजरे का मुख्य द्वार खोला, कॉर्बेल को बाहर निकाला एवं उसे लेकर बाहर बगीचे में आ गए। उन्होंने एक गहरी सांस ली एवं कॉर्बेल को कुछ कहने का प्रयास किया तो गला भर गया, शब्द भीतर अटक गए। असहज उन्होंने ऊपर आसमान की ओर देखा। आज़ाद, मगरूर तारे हीरों के टुकड़ों की तरह चमक रहे थे। अभी-अभी बदलियों के झुंड से छूटकर आया चंद्रमा और तेजोमय होकर चमकने लगा था।

व्यासजी के पैर अब लड़खड़ाने लगे थे।

उन्होंने अंतिम बार कॉर्बेल को चूमा एवं खुले आसमान में छोड़ दिया।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT
THE STRENGTH WITHIN
www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

खुश रहें - खुश रखें

जैसी हमारी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि हमें दिखाई देगी, इसीलिए बुराइयों से बचें

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानीः महाभारत में गुरु द्रोणाचार्य ने एक दिन सोचा कि मुझे कौरव और पांडव राजकुमारों के व्यवहारिक ज्ञान की परीक्षा लेनी चाहिए।

द्रोणाचार्य ने दुर्योधन को बुलाया और कहा, 'तुम जाओ और नगर में से किसी एक अच्छे इंसान को खोजकर यहां ले आओ।'

दुर्योधन नगर में पहुंचा और कुछ देर बाद वह द्रोणाचार्य के पास लौट आया। दुर्योधन ने गुरु से कहा- 'मुझे नगर में एक भी अच्छा इंसान दिखाई नहीं दिया।'

द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर से कहा- 'अब तुम जाओ और नगर में से कोई एक बुरा इंसान खोजकर उसे यहां ले आओ।'

युधिष्ठिर नगर में गए और काफी खोजने के बाद भी उन्हें कोई बुरा इंसान दिखाई नहीं दिया। वह गुरु के पास लौट आए और ये बात बताई।

सभी शिष्य ये सब बहुत ध्यान से देख रहे थे, लेकिन किसी को कुछ समझ नहीं आया। कौरव और पांडव राजकुमारों ने द्रोणाचार्य से कहा, 'गुरुवर, कृपया बताएं और आपने ये प्रयोग क्यों किया?'

गुरु द्रोण ने कहा- 'मैं तुम सभी को बस ये बताना चाहता हूं, जिसके अंदर जो होता है, उसे बाहर भी सब वैसा ही दिखता है। जैसी हमारी दृष्टि होगी, हमें सृष्टि वैसी ही दिखाई देगी। दुर्योधन के भीतर बुरा इंसान हावी है तो उसे सभी बुरे ही दिखे। इसीलिए वह किसी अच्छे इंसान को खोज नहीं सका। युधिष्ठिर के अंदर अच्छा इंसान हावी है तो उसे सभी इंसान अच्छे ही दिखे और इसीलिए वह बुरा व्यक्ति खोज नहीं सका। तुम सभी के अंदर की प्रतिछाया ही बाहर आती है। इसीलिए मन में अच्छाई को जगाकर रखना। मन में जैसी भावनाएं होंगी, हमें बाहर के लोग वैसे ही दिखाई देंगे।'

सीखः हमारे अंदर एक अच्छा और एक बुरा इंसान है। ये हम पर निर्भर करता है कि हम अच्छे इंसान को या बुरे इंसान को हावी होने देते हैं। अगर हमारे भीतर का बुरा आदमी जाग जाए तो फिर वह बुरा ही बुरा देखेगा। अच्छा आदमी जागेगा तो हमें अच्छा ही अच्छा दिखेगा। हमें हर परिस्थिति में अच्छाई को जगाए रखना चाहिए।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon
जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - "ऐसा क्यों?" लेकिन इसका उत्तर देगा कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषि मुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

फरियाली दोसा

नवरात्रि स्पेशल

सामग्रीः एक कप भगर, एक कप राजगीर का आटा, दो कप पानी, दो चम्मच दही, एक छोटा चम्मच सेंधा नमक, दोसा सेकने के लिए तेल।

विधिः भगर को तीन चार बार पानी से अच्छे से धो ले। फिर 15-20 मिनट भीगा कर रखें। बाद में उसका पानी निकाल कर उसे मिक्सर में महीन पीस ले, साथ में दही भी डाल दे। फिर उसे एक बॉउल में लेकर उसमें राजगीर का आटा मिलाकर अच्छे से फैट ले। स्वाद अनुसार सेंधा नमक डालकर 15-20 मिनट रख दे। फिर नॉन स्टिक तवा एकदम गरम करके उसे पर दोसा फैला दें। ऊपर से थोड़ा सा तेल डालकर क्रिस्पी होने तक सेक लें। गरम-गरम फरियाली दोसा नारियल की चटनी के साथ पेश करें।

नारियल के चटनी

सामग्रीः एक कप नारियल का बुरादा, एक टेबल स्पून मूंगफली, स्वाद अनुसार हरी मिर्च, इन तीनों को मिक्सर में थोड़ा सा पानी डालकर महीन पीस ले। फिर उसे एक बॉउल में लेकर उसमें जीरे वाला तड़के का तेल डालकर सेंधा नमक डालें। और अच्छे से मिक्स कर के फरियाली दोसे के साथ पेश करें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

मनुष्य रो ज्ञान ही महत्वपूर्ण है, आयु नहीं

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कराँ कि उम्र सूं वृद्ध हुवण वाळा सगळा व्यक्ति बड़ा नहीं कहलावे। हुकुम व्यक्ति विनो अपणों व्यवहार... जो वो दूसरों रे वास्ते करें, उने छोटो या बड़ों बनावें। बड़ों वो ही कहलावे जो आपरी विद्वत्ता और अपणे अनुभव ज्ञान रो उपयोग देश, धर्म और समाज री भलाई रे वास्ते करे जो अपणें सूं छोटों रे प्रति सहृदयता राखे, प्यार और सम्मान दे। छोटा री समस्याओं ने सुलझावण री सामर्थ्य राखे। जिने कने आवण वाळा हर व्यक्ति ऊनी शीतल छाया रो आनन्द ले सके एड़ी सद्व्यवहार री छाप छोड़ दे। बार-बार वाणे मिलण वास्ते मन लालायित रेहवें।

आयु में बड़ा हुवण रे पछे भी यदि मनुष्य में ओछोंपन हुवें तो उनो भी कोई आदर नहीं करें... उम्र रे लिहाज़ सूं कुछ भी केह्वे नहीं पर... पीठ पीछे निन्दित जरूर हुवें... यदि वो क्रोधी हुवें तो भी कोई विने कने नहीं जावणो चाहवें... सगळा कन्नी काटण ने निकळनों प्रयास करें।

जिण बड़े व्यक्ति ने आपरे पद, ज्ञान, धन-दौलत रो घमण्ड हुव्वे, वो फूटी कौड़ी जेड़ों... व्यक्ति... कोई रो भी प्रिय नहीं बण पावें बल्कि सबरे द्वारा नकार दियो जावे। उण मनुष्य री स्थिति खजूर रे पेड़ री तरह हुवें, जिण पर एक दोहे में बड़ा सुंदर शब्दा सूं बयां कियो है कि..

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर॥

या दोहा सूं या समझ में आवें कि खजूर रे पेड़ रो बड़ा हुवण रो लाभ न तो किन्ही इन्सान ने हुवें और न किन्ही पक्षी ने हुवे। खजूर रे पेड़ री लम्बाई बहुत ज्यादा हुवें वह धूप में तपियोंडों किन्ही भी यात्री ने छाया नहीं दे सकें। उण पर लागण वाळा फल इति ऊँचाई पर हुवें जिने कोई भी तोड़ ने नहीं खा सके और न ही आपरी भूख मिटा सकें।

जिका लोग ज्ञान या धर्मचर्चा में योग्य हुवे, वाणे विषय में संत केह्वे -

धर्मवृद्धेषु वयः न समीक्षते। यानि धर्म में वृद्ध लोगों री आयु नहीं देखी जावें।

इण पंक्ति रे अनुसार यदि धर्म में वृद्ध लोगों री आयु नहीं देखी जावें तो पछे कांई देखे?

हुकुम लोगों री आयु न देख केवल ज्ञान ही परखयों जावें इण विषय पर या भी कह सका कि साधु-सन्त या विद्वान चाहे छोटी आयु रा हों या बड़ी आयु रा सगळा लोग वाणा चरण छूवें। मनुष्य रो ज्ञान ही महत्वपूर्ण है, आयु नहीं।

जो मनुष्य बड़ा होवण पर भी अपने छोटों ने आपरी छाया में सुरक्षित नहीं राख सकें, वाणों ध्यान नहीं राख सकें, उने कोई पसन्द नहीं करें। हर इन्सान वाणें सूं दूरी बणा ने राखे एक समय एड़ों आ जावें कि वो बरगद रे विशाल वृक्ष री तरह इण संसार में भी निपट अकेलो रह जावें।

हुकुम बरगद रे पेड़ री तरह मनुष्य ने भी महान नहीं बणनों चईजे। वो पेड़ घणों विशाल हुवे पर विनी छाया में कोई और पौधों नहीं पनप सकें। ऊण बरगद री बहुत अधिक आयु हुवण रे बावजूद भी किन्हीं ने कोई लाभ नहीं हुवें। इनो कारण है कि आपरी छाया में अन्य पौधों रे न हुवण सूं वह बड़ों हूँ ने भी निपट अकेलों ही रह जावें।

हुकुम, यदि कोई वयोवृद्ध दुर्वासा ऋषि री तरह क्रोधी हुवे तो भी वह पूज्य नहीं होवे। क्रोधी व्यक्ति यदि गुणवान हुवें तो भी वह दुनियां में आपरी अहमियतता नहीं बणा पावें। हुकुम जठे तक मनुष्य रे स्वभाव में मधुरता नहीं हुवे कोई उने नहीं पूछे। इण वास्ते केह्वे कि अपणी इज्जत अपणें हाथ में हुवें।

इण बात ने हमेशा याद राखजो कि मनुष्य रो सम्मान ऊनी योग्यता, उने खुद रो ज्ञान, नम्रता और जीवन भर रा अर्जित अनुभवों रे आधार पर हुवें, उने वयोवृद्ध होवण सूं नहीं हुवें।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- मुस्कुराहट इसलिए जरूरी नहीं,
  कि खुशियां जिंदगी में ज्यादा है...
  मुस्कुराहट इसलिए भी है कि,
  जिंदगी से न हारने का वादा है...
- दूसरों को कब तक मनाते रहोगे... !!!
  कभी खुद से पूछो-हाल कैसा है..!!!
- ये अंधकार भी रौशन लिबास होता है
  कि तेरी याद का जुगनू जो पास होता है
- कभी तो रस्म अदायी-सी ज़िन्दगी ये लगे
  कभी-कभी कोई लम्हा भी ख़ास होता है
- मंज़र भी बेनूर थे और फिज़ाएँ भी बेरंग थी।
  बस दोस्त याद आए और मौसम सुहाना हो गया।
- तुम जरा कस के थाम लो 'हाथ' मेरा,
  'लकीरों' को अच्छा लगेगा 'लकीरों' से मिलना।

कार्टून कौतुक

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए अक्टूबर महीना मिश्रित परिणाम वाला रहेगा। स्वभाव में उग्रता रहेगी और निर्णय की स्थिति बनेगी। शुभ कार्य में उत्सुकता बनेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कार्य क्षेत्र एवं पार्टनरशिप में आकस्मिक कार्य उत्पन्न होंगे। संबंधों में अचानक उतार चढ़ाव आएंगे। संतान की चिंता रहेगी। लंबे समय से रुका हुआ धन वापस आएगा। स्वास्थ्य संबंध में एसिडिटी एवं हाइपरटेंशन संभावित है।

वृषभ

वृषभ राशि के जातकों के लिए यह महीना कुछ व्यवधान के साथ नई प्रॉपर्टी खरीदी या रिनोवेशन का कार्य लेकर आएगा। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार एवं सुख वृद्धि होगी। रक्त से संबंधित कोई समस्या हो सकती हो सकती है। राजकीय पक्ष में सुधार रहेगा। सामाजिक मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। धार्मिक कार्य संपन्न करेंगे। विरोधी आपको रोकने का प्रयास करेंगे लेकिन उनकी योजनाएं सफल नहीं हो पाएंगी।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से यह महीना अति उत्तम रहेगा। पुराने समय से चली आ रही बीमारियां स्वतः ही समाप्त होंगी। नए वाहन खरीदी के योग बनेंगे। यदि आप लंबे समय से घर की प्लानिंग कर रहे हैं, तो इस महीने सफलता मिल सकती है। संतान से संबंधित चिंता रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। घर में धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय समान रहेंगे।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह महीना कुटुंब के ऊपर धन व्यय करने का रहेगा। लंबे समय से जो आप निर्णय नहीं ले पा रहे थे उस निर्णय को लेने का अब समय आ गया है। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कार्य क्षेत्र में व्यवधान आएंगे, लेकिन दूर भी हो जाएंगे। विरासत संबंधी कोई कार्य आगे बढ़ेगा।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह महीना कार्यक्षेत्र की दृष्टि से ठीक नहीं रहेगा, इच्छित कार्यों में विलंब होगा फिर भी आपके पराक्रम एवं साहस द्वारा आप अपनी स्थिति को बरकरार रख पाएंगे। पिताजी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। घर में धार्मिक कार्य भी होंगे। जीवन साथी से संबंध मधुर रहेंगे। कफ से संबंधित समस्या हो सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से यह उत्तम समय है। शत्रुओं पर आपकी रणनीति भारी रहेगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। बाहरी व्यक्तियों का सहयोग मिलेगा। कुटुंब की तरफ से विरोध मिलेगा। पुरातत्व से संबंधित विवाद उत्पन्न हो सकता है। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए आर्थिक दृष्टि से एक नए दृष्टिकोण को लेकर यह महीना आ रहा है। अब तक जो गलतियां आपने की, उन्हें सुधारने का बहुत बढ़िया समय है। बाहरी व्यक्तियों द्वारा सिखाए गए सबक अब आपकी आर्थिक नीतियों को और परिष्कृत करके ला रहे हैं। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार एवं सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आपका आर्थिक ग्राफ ऊपर उठने लगेगा।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह महीना मानसिक कष्ट देने वाला रहेगा। यात्रा देने वाला परंतु यात्राओं में सफलता प्रदाता भी रहेगा। प्रतियोगी सक्रिय रहेंगे। कार्यक्षेत्र में अनावश्यक अवरोध बांधाएं उत्पन्न हो सकती है। संपत्ति से संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग प्रबल रहेंगे।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह महीना साहसिक निर्णय से भरा रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान की चिंता रहेगी। पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पिता से दूरी बढ़ सकती है। राजकीय पक्ष अत्यंत अनुकूल रहेगा। कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता मिलेगी एवं धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। मांगलिक एवं शुभ कार्य की रूपरेखा तैयार होगी।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना कुटुंबिक सुख प्रदाता रहेगा। परिवार में आपकी बात मानी जाएगी। आपसे सलाह ली जावेगी। माता जी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पुरातत्व या पैत्रिक संपत्ति से संबंधित कोई प्रकरण हल होगा एवं आपके विरासत मिलने की संभावना है। धार्मिक कार्यों में रुझान बढ़ेगा। घर पर मांगलिक कार्य होंगे। कार्यक्षेत्र में अचानक प्रतिद्वंदियों की संख्या बढ़ जावेगी एवं कुछ विघ्न उत्पन्न होंगे।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों के लिए यह महीना स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम रहेगा। नए निर्णय कुछ हिचक के साथ ले पाएंगे। जीवनसाथी एवं माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विचारों नास्तिकता हावी रहेगी। कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आर्थिक निर्णय लेने का समय नहीं है, कोई भी आर्थिक बड़े निर्णय लेने से पहले एक बार विचार विमर्श करें। आय में कमी होने के योग प्रबल रहेंगे।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह महीना स्वास्थ्य के लिए उत्तम रहेगा। ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवन साथी से संबंध मधुर रहेंगे। कुटुंबियों से मनमुटाव संभावित है। विरासत के कार्यों में अभी सफलता नहीं है। परिवार के बाहर का जगत कुछ परेशानियां खड़ी कर सकता है। मानसिक तनाव बना रहेगा। साझेदारी में कार्य करना व नये उद्योग में पूंजी लगाना परेशानी खड़ी कर सकता है।

शास्त्रोक्त सामग्री से करें लक्ष्मी पूजन

सुरक्षित दीपावली पूजन के लिए

ऋषि मुनि

लक्ष्मी पूजन सामग्री

- 44 शास्त्रोक्त पूजन सामग्री
- पूजन विधि पुस्तिका के साथ
- प्रामाणिक एवं गुणवत्ता युक्त
- आकर्षक गिफ्ट पेकिंग

RISHI MUNI
LAXMI PUJAN KIT
amazon meesho

Rishi Muni Creations
90, Vidya Nagar Ujjain, MP
rishimunicreations@gmail.com
96372 87416

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT

BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP

Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 October, 2023

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com